सुविचार
सच बोलने वाला हर समय खतरे में रहता है, क्योंकि झूठ संगठित होता है।
-हरिशंकर परसाई

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Mrunal Thakur And Dulquer Salmaan Reuniting For...
12

Ranchi ●Friday, 30 January 2026 ●Year : 05 ●Issue : 17 ●Ranchi Edition ●Page : 12 ●Price : ₹3 ●www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	82,566.37
निफ्टी	:	25,418.90

SARAFA

सोना	:	16,595.00
चांदी	:	425.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

एसआईआर के खिलाफ सुनवाई पूरी, सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

NEW DELHI : गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई पूरी कर ली है। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा कि चुनाव आयोग (ईसीआई) को एसआईआर प्रक्रिया में सभी राज्यों में नियमों का सही ढंग से पालन करना चाहिए। तमिलनाडु में जिन लोगों का नाम स्पेलिंग एरर के चलते काटा गया है। उनकी लिस्ट ग्राम पंचायत भवन, सब-डिवीजन के तालुका ऑफिस और शहरी इलाकों के वार्ड ऑफिस में लगाई जाए।

भारत-पाक सीमा पर घुसपैठ नाकाम, हथियारों का जखीरा बरामद

CHANDIGARH : बीएसएफ ने पंजाब पुलिस के साथ मिलकर भारत-पाक सीमा पर पाकिस्तानी घुसपैठ को असफल बनाते हुए भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। घुसपैठ को रोकने के लिए बीएसएफ ने कई राउंड फायर भी किए। इसके बाद पंजाब पुलिस के साथ मिलकर सीमावर्ती क्षेत्र में गुरुवार को कई घंटे सर्च ऑपरेशन भी चलाया। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि सीमावर्ती जिला फाजिल्का में काउंटर इंटेलीजेंस तथा बीएसएफ ने मिलकर आज सुबह एक ऑपरेशन फाजिल्का के पास गांव तेजा राहेला में चलाया।

वित्तमंत्री ने पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण, संसद की कार्यवाही स्थगित

NEW DELHI : गुरुवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पेश किया। इसके तुरंत बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही अब एक फरवरी को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026-27 की प्रस्तुति के एक घंटे बाद शुरू होगी। इसके पहले लोकसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में चालू वित्त वर्ष के दौरान देश की आर्थिक स्थिति का आधिकारिक आकलन प्रस्तुत किया गया है। इसमें आर्थिक विकास, प्रमुख संकेतकों, उपलब्धियों और अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूद चुनौतियों का उल्लेख किया गया है।

बाबा ग्रुप के झारखंड-बिहार स्थित 45 ठिकानों पर आईटी ने मारी रेड

राइस मार्केट में हड़कंप, संबंधित व्यापारियों के चार्टर्ड अकाउंटेंट और अकाउंट्स से जुड़े कुछ लोग फरार, तलाश जारी

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा (रांची) ने बाबा राइस मिल ग्रुप और चावल के आढ़तिया के झारखंड व बिहार के कुल 45 ठिकानों पर छापा मारा। इससे राइस मार्केट में हड़कंप मचा हुआ है। संबंधित व्यापारियों के चार्टर्ड अकाउंटेंट और अकाउंटस से जुड़े कुछ लोग फरार हो गए हैं। उन सभी की तलाश जारी है। जानकारी के मुताबिक, आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा द्वारा सुबह करीब सात बजे से शुरू हुई इस छापेमारी में 500 अधिकारी शामिल रहे। आयकर विभाग की यह छापेमारी गुरुवार की सुबह झारखंड के रांची और जमशेदपुर स्थित ठिकानों पर शुरू हुई। इसके अलावा बिहार के पटना, औरंगाबाद और गया स्थित ठिकानों पर भी एक साथ छापेमारी की गई। इन दोनों राज्य के कुल 45 ठिकानों पर जारी छापेमारी में रांची के 15, गया और औरंगाबाद के 10-10 ठिकाने शामिल हैं। छापेमारी के शेष ठिकाने जमशेदपुर और पटना में हैं। छापेमारी के दौरान चावल के कच्चा व्यापार से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। आयकर अधिकारियों का दल फिलहाल इसकी जांच कर रहा है। इसमें करोड़ों के व्यापार का लेखा-जोखा दर्ज है। छापेमारी के दो दिनों से अधिक समय तक जारी रहने की संभावना बतायी जाती है। सूत्रों के मुताबिक आयकर विभाग को बाबा राइस मिल ग्रुप से जुड़े टैक्स चोरी, संदिग्ध वित्तीय लेन-देन और आय से अधिक संपत्ति को लेकर अहम इनपुट मिले थे। इसी आधार पर यह व्यापक और एकसाथ कार्रवाई की गई है। विभाग की टीमें मिल के अकाउंट, बैंक ट्रांजेक्शन, निवेश और कारोबार से जुड़े तमाम वित्तीय दस्तावेजों की गहन जांच कर रही हैं। जांच के दौरान कई अहम जानकारियां सामने आ सकती हैं। फिलहाल आयकर विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। विभाग का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट की जाएगी।

- टैक्स चोरी, संदिग्ध वित्तीय लेन-देन और आय से अधिक संपत्ति को लेकर मिले थे अहम इनपुट
- रांची-जमशेदपुर सहित पटना, औरंगाबाद और गया स्थित ठिकानों पर भी एक साथ हुई छापेमारी
- रांची के 15, गया और औरंगाबाद के 10-10 ठिकाने शामिल, छापेमारी के शेष ठिकाने जमशेदपुर और पटना में
- चावल के कच्चा व्यापार से जुड़े दस्तावेज मिले, करोड़ों के कारोबार का लेखा-जोखा दर्ज

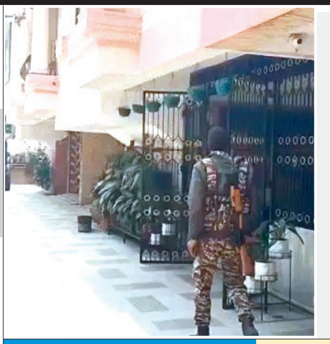

15 आढ़तियों को भी बनाया गया निशाना

सूचना के मुताबिक, आयकर विभाग ने छापेमारी के दौरान रांची, गया और औरंगाबाद में चावल के 15 आढ़तियों को भी निशाना बनाया है। आढ़तियों के सबसे ज्यादा ठिकानें गया और औरंगाबाद में हैं। आढ़तियों के ठिकानों से चावल के कच्चा व्यापार से संबंधित दस्तावेज बरामद किए गए हैं। आढ़तिया के ठिकानों से मिले दस्तावेज की जांच जारी है। छापेमारी शुरू होने की सूचना फैलने के बाद कई व्यापारियों के हिसाब किताब देखने वाले आकाउंटेंट और सीए भाग गए हैं। इनकी तलाश की जा रही है। छापेमारी के दौरान बाबा एग्रो फुड और बाबा फुड प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के अलावा चावल के व्यापार से जुड़े आढ़तिया के व्यापारिक प्रतिष्ठानों को शामिल किया। योगेश साहू, बाबा एग्रो फुड प्रोसेसिंग के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। इसके अलावा इस कंपनी में एस मोहंती, राज कुमार लाखोटिया, संचिता जयसवाल निदेशक है। इस कंपनी का टर्नओवर 300 करोड़ रुपये है। यह कंपनी शेयर मार्केट में लिस्टेड है। बाबा एग्रो फुड में मनीष कुमार, राखी साहू, एकता साहू, अमित कुमार आदि निदेशक हैं। ज्ञान प्रकाश साहू कंपनी के सीएफओ हैं। बाबा एग्रो फुड के माध्यम से सामान्य और बासमती चावल, बाबा फुड प्रोसेसिंग से आटा, सूजी, मैदा का व्यापार किया जाता है।

डिजिटल रिकॉर्ड की बारीकी से जांच

आयकर विभाग की कई टीमें एक साथ कांके रोड, रातू रोड समेत शहर के अलग-अलग इलाकों में पहुंचीं और मिल व उसके संचालकों से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच शुरू कर दी। पिस्का नगड़ी थाना क्षेत्र के बंधेया इलाके में स्थित बाबा राइस के आटा और चावल मिल प्लांट पर भी आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा। यहां मशीनों, स्टॉक रजिस्टर, बिल-बुक, कंप्यूटर और डिजिटल रिकॉर्ड की बारीकी से जांच की गई। इसके अलावा नगड़ी के बांध टोली क्षेत्र में स्थित बाबा राइस के एक अन्य प्लांट पर भी अलग टीम द्वारा कार्रवाई की गई।

अब नया ऑर्डर आने तक 2012 के नियम ही रहेंगे लागू, 19 मार्च को अगली हियरिंग

यूजीसी के नए नियमों पर अगले आदेश तक सुप्रीम कोर्ट की रोक

केंद्र सरकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को नोटिस जारी

NEW DELHI @ PTI : गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी-यूनिवर्सिटी ग्राउंड्स कमीशन (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने) विनियम, 2026 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। कोर्ट में इन विनियमों को सामान्य वर्गों के विरुद्ध भेदभावपूर्ण होने के आधार पर चुनौती दी गई है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगी दी। अब नए आदेश तक 2012 के नियम ही लागू रहेंगे। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि नए नियम अस्पष्ट हैं। नए नियमों का दुरुपयोग हो सकता है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और यूजीसी के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इन रिट याचिकाओं की सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि हमें जातिविहीन समाज की ओर बढ़ना चाहिए या हम पीछे जा रह हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि क्या हम उल्टी दिशा में जा रहे। जिन्हें सुरक्षा चाहिए, उनके लिए व्यवस्था होनी चाहिए। इसी के साथ उन्होंने केंद्र और यूजीसी से जवाब मांगा है। साथ ही कहा है कि एक विशेष कमेटी भी बनाई जा सकती है। इसी के साथ नए नियमों की भाषा को स्पष्ट करने के लिए विशेषज्ञों की जरूरत पर भी जोर दिया।

आरक्षित समुदायों में भी कई लोग समृद्ध

कोर्ट ने कहा- पीड़ितों को न्याय से वंचित नहीं छोड़ा जा सकता। हमें जनरल कैटेगरी की शिकायतों से कोई मतलब नहीं है। हमारी चिंता यह है कि आरक्षित समुदायों के लिए निवारण प्रणाली लागू रहनी चाहिए। चीफ जस्टिस ने कहा कि एससी-एसटी के लिए आप अलग हॉस्टलों की बात कर रहे हैं। ऐसा मत कीजिए। आरक्षित समुदायों में भी ऐसे लोग हैं, जो समृद्ध हो गए हैं। उनके पास दूसरों की तुलना में बेहतर सुविधाएं हैं।

- केंद्र सरकार को नियमों का ड्राफ्ट फिर से तैयार करने का अदालत ने दिया निर्देश
- सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या की बेंच में हुई सुनवाई
- आरक्षित समुदायों के लिए लागू होनी चाहिए निवारण प्रणाली
- नए नियमों की भाषा को स्पष्ट करने के लिए विशेषज्ञों की जरूरत पर कोर्ट ने दिया जोर

नए प्रावधानों से देशभर में आक्रोश का कारण

बता दें कि यूजीसी रेगुलेशन, 2026 को 23 जनवरी 2026 को नोटिफाई किया गया था। इसे लेकर पूरे देश में आक्रोश फैल गया। इसके बाद इसे कई याचिकाकर्ताओं ने मनमाना, भेदभावपूर्ण और संविधान के साथ-साथ यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन एक्ट, 1956 का उल्लंघन बताते हुए चुनौती दी। यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन के खिलाफ याचिकाएं मृत्युंजय तिवारी, एडवोकेट विनीत जिंदल और राहुल दीवान ने दायर की है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि ये नियम सामान्य वर्गों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं।

राजकीय सम्मान के साथ किया गया अजित पवार का अंतिम संस्कार

MUMBAI@PTI : गुरुवार को बारामती के काटेवाड़ी स्थित विद्या प्रतिष्ठान मैदान में महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार का अंतिम संस्कार किया गया। उनके दोनों बेटों- पार्थ और जय पवार ने मुखाग्नि दी। पत्नी सुनेत्रा पवार ने पति के पार्थिव शरीर पर गंगाजल चढ़ाकर अंतिम विदाई दी। इस मौके पर चाचा शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले, गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। अंतिम संस्कार में महाराष्ट्र के अलावा दूसरे राज्यों से भी लोग पहुंचे। बारामती में देर रात से लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। सुबह के वक्त कई इलाकों में जाम की स्थिति बन गई। समर्थक बाइक, ट्रैक्टर-ट्रॉली और बस से पहुंचे। अंतिम यात्रा में एक से दो किमी तक तक लोग ही लोग नजर आ रहे थे। बता दें कि पवार का चार्टर्ड प्लेन बुधवार सुबह बारामती एयरपोर्ट के पास सुबह 8.50 बजे क्रैश हुआ था। वे 66 साल के थे। बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान प्लेन क्रैश हुआ था। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू समेत 5 लोगों की मौत हुई। पवार 5 फरवरी को पुणे में होने वाले जिला परिषद चुनावों के लिए 4 रैलियों को संबोधित करने वाले थे।

- दोनों बेटों ने दी मुखाग्नि दी, पत्नी ने पार्थिव शरीर पर चढ़ाया गंगाजल
- अंतिम यात्रा में एक से दो किमी तक तक नजर आ रहे थे समर्थक
- चाचा शरद पवार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की रही मौजूदगी

ब्लैक बॉक्स बरामद समयबद्ध होगी जांच

NEW DELHI : गुरुवार को नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि बारामती विमान दुर्घटना में ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। जांच जारी है और इसे तय समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा। हादसे के बाद सभी आवश्यक प्रतिक्रिया और जांच तंत्रों को तुरंत सक्रिय कर दिया गया है। एक संपूर्ण, पारदर्शी और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करना मंत्रालय की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

नगर निकाय चुनाव के लिए नॉमिनेशन शुरू

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार से झारखंड में नगर निकाय चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। नामांकन प्रक्रिया के दौरान प्रत्याशियों के लिए चुनाव आयोग ने गाइडलाइन जारी कर दी है। नामांकन के समय प्रत्याशी अपने साथ अधिकतम तीन समर्थकों को लेकर जा सकते हैं। आगामी 4 फरवरी तक दिन के 11 बजे से 3 बजे तक होने वाले नॉमिनेशन को लेकर जारी गाइडलाइन की जानकारी देते हुए राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने कहा कि नामांकन स्थल के सौ मीटर के दायरे में प्रत्याशी अपने तीन समर्थकों के साथ जाएंगे। सचिव ने बताया कि नामांकन को लेकर दो-दो बार निवार्ची पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है और स्पष्ट गाइडलाइन दी गई है। नामांकन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और अभ्यर्थियों द्वारा समर्पित कागजात को विशेष रूप से जांच करने को कहा गया है।

बता दें कि नगर निकाय चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता राज्य के शहरी क्षेत्र में लागू है। आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन का उल्लंघन करने पर अभ्यर्थियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

- गाइडलाइन जारी, 4 फरवरी तक प्रत्याशी करेंगे नामांकन साथ में नहीं ले जाना होगा तीन से अधिक समर्थक

अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया संबोधित, कहा-

राज्य को नई दिशा देगा मजबूत व बहुआयामी बजट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड राज्य 25 वर्षों का सफर तय कर चुका है। ऐसे में इस बार राज्य के लिए मजबूत, संतुलित और बहुआयामी बजट की आवश्यकता है, जो इस युवा राज्य की अपार संभावनाओं को आकार दे सके। यह बातें गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कही। मुख्यमंत्री मंत्रालय में आयोजित अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बजट ऐसा होना चाहिए, जिसमें जन-आकांक्षाएं परिलक्षित हों और विकास को नई गति मिले। बजट ऐसा हो, जो राज्य के हर वर्ग और हर क्षेत्र को मजबूती के साथ आगे ले जाने में सक्षम हो। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य का आगामी बजट लगभग एक लाख करोड़ रुपये का होने का अनुमान है। आने वाले वर्षों में बजट के आकार में और वृद्धि होगी। ऐसे में राजस्व संग्रहण बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास आवश्यक हैं, ताकि विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की वित्तीय कमी न हो। हेमंत ने कहा कि बेहतर बजट निर्माण में आम लोगों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से सरकार लगातार जनता से सुझाव ले रही है। जनभागीदारी के माध्यम से ही एक संतुलित और विकासोन्मुखी बजट तैयार किया जा सकता है।

पारंपरिक व्यवस्थाओं से अलग रास्ते तलाश रही नई पीढ़ी

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी अलग सोच और नई अपेक्षाओं के साथ आगे बढ़ रही है। यह पीढ़ी पारंपरिक व्यवस्थाओं से अलग रास्ते तलाश रही है। ऐसे में बजट को नई पीढ़ी की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार करना होगा, ताकि उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा सकें। इसके लिए नवाचार और नए प्रयोगों को अपनाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में किसी भी क्षेत्र में संसाधनों या क्षमताओं की कमी नहीं है। यहां जल, जंगल, खनिज संपदा, उद्यमिता, मानव संसाधन, श्रमशक्ति, किसान और खिलाड़ी-हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

खगोलीय गतिविधि भारत के आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान ने प्रेषित की जानकारी

पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को लगातार प्रभावित कर रहा सौर तूफान

PHOTON NEWS, RESEARCH DESK : पिछले कुछ वर्षों में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में पूरी दुनिया में भारत ने अपनी उपलब्धियों का लोहा मनवाया है। इस दृष्टि से भारत का अंतरिक्ष यान आदित्य-एल1 विशेष महत्व रखता है। यह सूर्य का अध्ययन करने वाला भारत का पहला समर्पित अंतरिक्ष आधारित सौर मिशन है। इसे 2 सितंबर 2023 को लॉन्च किया गया था। यह अंतरिक्ष यान पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर लैग्रेंज बिंदु (एल1) के चारों ओर हेलो कक्षा में स्थापित होकर सूर्य के वायुमंडल, चुंबकीय तूफानों और सौर गतिविधियों का निरंतर अध्ययन कर रहा है। कुछ दिन पहले इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने बताया है कि आदित्य-एल1 सौर मिशन ने नई जानकारी प्रदान की है कि कैसे लगातार एक शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, सबसे गंभीर प्रभाव सौर तूफान के अशांत क्षेत्र के प्रभाव के दौरान हुआ। दिसंबर 2025 में एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में प्रकाशित एक महत्वपूर्ण अध्ययन में इसरो के वैज्ञानिकों और शोध छात्रों ने अक्टूबर 2024 में पृथ्वी को प्रभावित करने वाली अंतरिक्ष की एक बड़ी घटना का विस्तृत विश्लेषण किया।

सौर तूफान से अशांत हुए क्षेत्र में दिखी सबसे गंभीर स्थिति

- » निरंतर किए गए अध्ययन को एस्ट्रोफिजिकल जर्नल में विस्तार से किया गया है प्रकाशित
- » वैज्ञानिकों और शोध छात्रों ने अक्टूबर 2024 की एक बड़ी घटना का किया है विश्लेषण
- » स्टडी में सौर मिशन से प्राप्त डेटा के साथ अन्य अभियानों के आंकड़ों का हुआ प्रयोग
- » 2 सितंबर 2023 को भारतीय सौर मिशन आदित्य-एल1 को किया गया था लॉन्च

- अर्थ से करीब 1.5 मिलियन किमी दूर स्थित कक्षा में स्थापित है यह सोलर मिशन

स्पेस में उत्पन्न होने लगीं कई प्रकार की नई परिस्थितियां

वैज्ञानिकों की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, अंतरिक्ष मौसम (स्पेस वेदर) से तात्पर्य अंतरिक्ष में उत्पन्न उन परिस्थितियों से है, जो सूर्य पर होने वाली अस्थायी गतिविधियों जैसे सौर प्लाज्मा विस्फोट के कारण बनती हैं। ये घटनाएं पृथ्वी पर उपग्रहों, संचार एवं दिशा सूचक सेवाओं तथा विद्युत ग्रिड अवसंरचना को प्रभावित कर सकती हैं। इसरो के अनुसार सौर तूफान के अशांत क्षेत्र ने पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को अत्यधिक रूप से संकुचित कर दिया।

ऊपरी वायुमंडल के गर्म होने का बढ़ा खतरा

अध्ययन में यह भी सामने आया कि अशांत चरण के दौरान ऑरोरल क्षेत्र (उच्च अक्षांशों) में विद्युत धाराएं अत्यधिक तीव्र हो गईं। यह प्रक्रिया ऊपरी वायुमंडल को गर्म कर सकती है। वायुमंडलीय गैसों के बढ़े हुए पलायन (एटमॉस्फेरिक एस्केप) का कारण बन सकती है। इसरो ने कहा कि ये निष्कर्ष सौर गतिविधियों की लगातार निगरानी की आवश्यकता को और मजबूत करते हैं।

बीटिंग रिट्रीट में 'विजय भारत' और अन्य धुनों ने दर्शकों को कर दिया मंत्रमुग्ध

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यक्रम में रहे मौजूद

NEW DELHI @ PTI : गुरुवार को देश की राजधानी स्थित रायसीना हिल पर आयोजित बीटिंग रिट्रीट समारोह के दौरान सशस्त्र बलों के बैंड द्वारा बजाए गए 'कदम-कदम बढ़ाए जा', 'विजय भारत' और अन्य देशभक्ति गीतों की धुनों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस साल बीटिंग रिट्रीट 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के जश्न के तौर भी मनाया गया।

समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने की। वह बिगुल की ध्वनि के बीच एक पारंपरिक बग्गी में कार्यक्रम स्थल पहुंचीं, जिससे इस अवसर को एक औपचारिक गरिमा प्राप्त हुई। यह प्रमुख वार्षिक आयोजन गणतंत्र दिवस समारोह के समापन का प्रतीक है। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, तीनों सेनाओं के प्रमुखों सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समारोह की शुरूआत रायसीना हिल से 'कदम कदम बढ़ाए जा' की धुन बजाते हुए एक बैंड के मार्च के साथ हुई, जिससे देशभक्ति का माहौल और चरम पर पहुंच गया। इसके बाद 'पाइप बैंड' के सदस्यों ने 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष, गगनयान मिशन और 'अमर जवान ज्योति' जैसे महत्वपूर्ण अवसरों और घटनाओं को चिह्नित कर कई मधुर धुन छेड़ी।

BRIEF NEWS

केंदबोनी में हुई फुटबाल प्रतियोगिता

GHATSILA : धालभूमगढ़ प्रखंड अंतर्गत रावताड़ा पंचायत के केंदबोनी गांव में गुरुवार को फुटबाल प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि विधायक सोमेश चंद्र सोरेन उपस्थित थे। जाहेरआयो जूमित गांवता क्लब के सौजन्य से हुई प्रतियोगिता के टाईब्रेकर में एसकेएम प्रेमनगर घाटशिला ने लकी इलेवन पहाड़पुर को हराकर नकद 20 हजार व ट्रॉफी हासिल किया। उपविजेता को 15000 एवं ट्रॉफी प्रदान किया गया। तीसरे व चौथे स्थान पर रही टीम को 8000 रुपये दिए गए। पंचमी पाता नाच में शामिल दलों को भी पुरस्कृत किया गया। इस दौरान क्लब के अध्यक्ष दशमत मुर्मू, सचिव समय मार्डी, ग्राम प्रधान मुचिराम मुर्मू, जगदीश भकत, अर्जुन चंद्र हांसदा, मुखिया अर्जुन मरांडी, चेतन मुर्मू, सुरेश मुर्मू, विक्रम सोरेन, भादो सोरेन, राम राय मुर्मू, लाल मोहन मुर्मू आदि भी उपस्थित थे।

प्रशासन की छापेमारी में 55 टन माइका जब्त

GIRIDIH : जिले के अभ्रक बाहुल्य तिसरी थाना इलाके में गुरुवार को माइका के अवैध स्टॉक को जब्त किया गया। जब्त स्टॉक करीब 55 टन है और इसका अनुमानित मूल्य भी 12 लाख रुपये से अधिक का बताया जा रहा है। बताया गया कि एसडीएम अनिमेष रंजन के निर्देश पर तिसरी के सीओ अखिलेश प्रसाद के नेतृत्व में एसआई लव कुमार और अंचल निरक्षक रितेश कैशरी सहित पुलिस बल की टीम ने तिसरी थाना इलाके चकलमुंडा स्थित दो घरों में अवैध माइका को लेकर छापेमारी की है, जहां से लगभग 55 टन माइका के साथ कई उपकरण जब्त किया गया है। इस दौरान जानकारी देते हुए सीओ अखिलेश प्रसाद ने बताया कि अवैध उत्खनन को लेकर विभिन्न जगहों पर छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को तिसरी के खिजुरी चकलमुंडा में भी छापेमारी की गई है, जहां एक घर में लगभग पांच टन माइका और एक अन्य घर में लगभग 50 टन माइका जब्त किया गया है और संबंधित कारोबारियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन और भंडारण के विरुद्ध अभी कार्रवाई लगातार जारी रहेगा।

विस अध्यक्ष के नाम की बना दी फेक फेसबुक आईडी

JAMTARA : देशभर के लोगों को साइबर अपराध के जाल फंसा रहे अपराधियों के मंसूबे इस कदर बुलंद हैं कि वो ना तो बड़े अधिकारियों को बख्श रहे और ना ही राजनेताओं को। अब साइबर अपराधियों ने

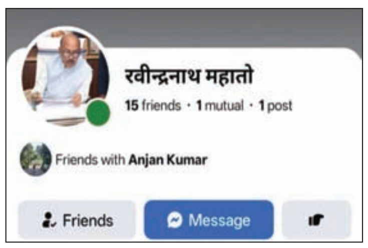

नाला विधायक सह झारखंड के विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो के नाम पर फेक फेसबुक आईडी बनाकर जालसाजी करने की साजिश करने का प्रयास किया। लेकिन, समय रहते विधानसभा अध्यक्ष को जैसे ही इस बात की जानकारी मिली, उन्होंने अपने फेसबुक पोस्ट के जरिए लोगों को सतर्क रहने और ऐसे किसी झांसे में न आने की अपील की। इसके साथ ही गुरुवार देर शाम उन्होंने इस मामले की शिकायत दर्ज करने के भी निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि उन्हें कुछ देर पहले ही इस मामले की जानकारी मिली। जानकारी मिलते ही उन्होंने मामले की शिकायत दर्ज करवाने को कहा है। साथ ही लोगों को सतर्क रहने की भी सलाह दी है। उन्होंने अपने फेसबुक पोस्ट पर संदेश जारी कर कहा कि मेरे नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट का मामला संज्ञान में आया है। सभी से अपील है कि उक्त फेक अकाउंट से प्राप्त संदेश या किसी प्रकार की राशि की मांग के झांसा में न आएं। अगर कोई संदेश प्राप्त होता है तो तुरंत साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराएं। इससे पूर्व साइबर अपराधियों ने जामताड़ा के डीसी रवि आनंद के नाम पर भी फेक फेसबुक आईडी बनाई थी।

भारतीय टीम में झारखंड की छह बेटियां चयनित

GUMLA : साउथ एशियन फुटबाल फेडरेशन के तत्वावधान में नेपाल की राजधानी काठमांडू में 31 जनवरी से 7 फरवरी तक होने वाली सैफ अंडर-19 महिला फुटबाल चैंपियनशिप के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। इसमें झारखंड की 6 बालिका खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन हुआ है। छह खिलाड़ियों में चार खिलाड़ी गुमला स्थित झारखंड सरकार के खेल विभाग द्वारा संचालित आवासीय बालिका फुटबाल प्रशिक्षण केंद्र, इनडोर स्टेडियम से हैं। इनमें एलिजाबेथ लकड़ा, अनीता डुंगडुंग, सूरज मुनि कुमारी और विनीता होरो शामिल हैं। वहीं हजारीबाग आवासीय बालिका फुटबाल प्रशिक्षण केंद्र से अनुष्का कुमारी तथा स्टार वारियर्स रांची से दिव्यानी लिंडा शामिल हैं। इस चैंपियनशिप में भारत, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की टीमें भाग ले रही हैं।

अश्लील गाने पर छात्रों के साथ शिक्षकों ने किया डांस, विभाग ने भेजा नोटिस

सरस्वती पूजा के विसर्जन में पीएमश्री एसएस प्लस-टू विद्यालय, कसमार की घटना

PHOTON NEWS BOKARO : सरस्वती पूजा के बाद प्रतिमा विसर्जन के दौरान छात्रों के साथ शिक्षकों ने भी अश्लील गानों पर स्कूल परिसर में डांस किया था। यह घटना पीएम श्री एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय, कसमार में सरस्वती पूजा की प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई थी। इस डांस का वीडियो वायरल होने पर शिक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा ने इस मामले में प्रभारी प्रधानाध्यापक सहित छह कर्मियों को शोकॉज नोटिस जारी किया है। पत्र में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मो. फारुख अंसारी, शिक्षक धनंजय कुमार, अशोक रजवार, प्रशांत ओझा, प्रयोगशाला सहायक रिशु कुमार व लिपिक सुदीप शर्मा से 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है।

इस पत्र में कहा गया है कि शिक्षकों का यह आचरण निंदनीय, आपत्तिजनक और शिक्षा की गरिमा के प्रतिकूल है। इससे विभाग की छवि को ठेस पहुंची है। विद्यालय परिसर में इस प्रकार की गतिविधि शिक्षा के मंदिर की मयार्दा के विपरीत है। विद्यालय में ग्रामीण क्षेत्र की छात्राएं भी अध्ययनरत हैं, जिन पर ऐसे कृत्य का मानसिक दुष्प्रभाव पड़ सकता है। इसके साथ ही अभिभावकों का सरकारी विद्यालयों पर जो विश्वास है, उस पर भी आघात पहुंचा है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने पत्र में आरोपी

जिला शिक्षा पदाधिकारी

शिक्षकों से पूछा है कि क्यों न इन आरोपों के आधार पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा है कि यदि समयसीमा के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। हम इस मामले को जिला शिक्षा स्थापना समिति में भेजेंगे, क्योंकि यह मामला वायरल हो गया है। स्थापना समिति के बाद राज्य कार्यालय को प्रेषित किया जाएगा। इसमें पीजीटी और टीजीटी दोनों शिक्षक हैं।

केंद्रीय टीम से मिली थी सराहना

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने पत्र में कहा है कि पीएमश्री एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय, कसमार को भारत सरकार द्वारा विशेष विद्यालय की श्रेणी में नामित किया गया है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय को सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की केंद्रीय टीम ने भी स्कूल परिसर, शिक्षकों की कार्यशैली और शैक्षणिक वातावरण की सराहना की थी, जिससे जिला और राज्य स्तर पर सकारात्मक संदेश गया था।

प्रेमिका को पाने के लिए मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक, मची अफरा-तफरी

BOKARO : हरला थाना क्षेत्र के बसंती मोड़ पर एक प्रेमी अपनी प्रेमिका को पाने के लिए मोबाइल टावर पर चढ़ गया, जिससे वहां अफरातफरी मच गई। 150 फीट ऊंचे टावर पर युवक के चढ़ने के बाद पुलिस पहुंची, लेकिन उसे उतारने में सबके पसीने छूट गए। बताया जाता है कि मध्यप्रदेश के गुना शहर में रहने वाला युवक अंजलि नामक युवती से शादी करना चाहता था। इसके लिए बोकारो पहुंचा था, लेकिन लड़की के घर वालों ने जब शादी करने से मना कर दिया, तो वह पागलों जैसी हरकत करने लगा। इसके बाद वह मोबाइल टावर पर चढ़ गया और जान देने की बात कही, लेकिन थाना प्रभारी ने काफी सूझबूझ से काम लिया। उन्होंने बहलाकर युवक को नीचे उतारा और उसे थाने ले गए। युवक मध्य प्रदेश गुना शहर स्थित जौहरी गांव का निवासी भोजराज चंदेल है। उसे फेसबुक पर हरला थाना क्षेत्र में रहने वाली युवती अंजलि से प्यार हो गया था। मजेदार बात यह है कि अगस्त 2025 में अंजलि भी घर से भाग कर भोजराज के पास पहुंच गई थी। वहां से लड़की के परिजनों ने पुलिस की मदद से उसे गुना से बरामद किया था। अंजलि ने न्यायालय में खुद से भागने की बात कही थी। टावर पर ही उसने सर्च इंजन से हरला के थाना प्रभारी का नंबर निकाला और अपनी पीड़ा बताई थी। थाना प्रभारी ने मोबाइल से संपर्क कर उसे समझाने का प्रयास किया, जिसके बाद वह टावर से उतर गया। थाना प्रभारी खुर्शीद आलम ने बताया कि टावर काफी ऊंचा था, इसलिए उनकी आवाज उस तक नहीं पहुंच रही थी। इसलिए मोबाइल फोन से उससे बात की, तो वह मान गया।

आदिवासी महिला के राष्ट्रपति बनने से समाज का बढ़ा मान : अर्जुन मुंडा

चाईबासा में भाजपा ने किया 'वीबी-जी राम जी' पर पश्चिमी सिंहभूम जिला सम्मेलन

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा स्थित बासाटोंटो के बैंक्वेट हॉल में गुरुवार को भाजपा, पश्चिमी सिंहभूम जिला द्वारा - विकसित भारतझगारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी - का जिला सम्मेलन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि सह मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा शामिल हुए। उनके आगमन पर जिला अध्यक्ष गीता बलमुचू सहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और स्थानीय रीति-रिवाज के साथ भव्य स्वागत किया।

सम्मेलन को संबोधित करते पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा • फोटोन न्यूज

मुख्य वक्ता अर्जुन मुंडा ने अपने संबोधन में पश्चिमी सिंहभूम जिले में पहली बार एक आदिवासी महिला के जिला अध्यक्ष बनने पर गीता बलमुचू को शुभकामना दी और सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च पद पर एक आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मु के आसीन होने से आदिवासी समाज का मान बढ़ा है और महिला सशक्तीकरण को मजबूती मिली है। अर्जुन मुंडा ने कहा कि कोल्हान क्षेत्र में चाईबासा का विशेष महत्व है और सम्मेलन में कार्यकर्ताओं की भारी उपस्थिति यह दशार्ती है कि लोग वीबी- जी राम जी-योजना के बारे में जानना चाहते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे गांव-गांव जाकर योजना की जानकारी दें और बताएं कि इसमें मजदूरों की राशि की हेराफेरी की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कोल्हान क्षेत्र में विल्किंशन रूल और छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। मुंडा-मानकी व्यवस्था और पेसा कानून को लेकर भी उन्होंने राज्य सरकार की आलोचना की तथा कोल्हान सुपरिटेंडेंट के पद पर स्थायी नियुक्ति नहीं होने पर सवाल उठाए। सम्मेलन में अनूप कुमार सुल्तानिया, सतीश पुरी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गिरिडीह में ट्रक की चपेट में आकर बुजुर्ग की मौत

GIRIDIH : जिले के नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पदम चौक स्थित लाइन मस्जिद मोड़ के समीप गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में वृद्ध की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से हुई इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। मृतक की पहचान 58 वर्षीय चिंतामन दास के रूप में हुई है, जो मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अजीडीह गांव के निवासी थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चिंतामन दास सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज गति से आ रहे ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया गया। हादसे से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने पदम चौक पर कुछ देर के लिए सड़क जाम कर दिया, जिससे इलाके में आवागमन बाधित हो गया। लोगों ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक के चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और क्षेत्र में यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में शामिल ट्रक और उसके चालक की पहचान की जा रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

कैरव गांधी के अपहर्ताओं से मानगो थाने में हुई पूछताछ

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के सर्किट हाउस एरिया निवासी उद्यमी देवांग गांधी के बेटे कैरव गांधी अपहरण केस में पुलिस ने सात अपहरणकताओं को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से तीन अपहरणकर्ता उसी दिन गिरफ्तार कर लिए गए थे। जब कैरव गांधी अपहरणकताओं के चंगुल से मुक्त हुए थे। पकड़े गए तीन अपहरणकताओं से पूछताछ के बाद चार और बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर घटना का खुलासा कर सकती है। बताया जा रहा है कि सभी अपहरणकताओं को मानगो थाने में रखा गया है। यहां अपहरणकताओं से पूछताछ की जा रही है। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष गुरुवार को मानगो थाना पहुंचे और अपहरणकताओं से पूछताछ की। पुलिस इस गिरोह के मास्टरमाइंड का सुराग लगाने में जुटी हुई है। सूत्र बताते हैं कि कैरव गांधी का अपहरण करने वाला गिरोह बिहार का है। गौरतलब है कि 13 जनवरी को कैरव गांधी का कदमा-सोनारी लिंक रोड से अपहरण कर लिया गया था। उन्हें पुलिस की स्टीकर लगी गाड़ी में बैठा कर ले जाया गया था। उन्हें बताया गया था कि आगे कुछ समस्या है।

इसलिए अभी पुलिस की गाड़ी में बैठना होगा। कैरव गांधी समझ नहीं पाए और वह अपहरणकर्ता की गाड़ी में बैठ गए। अपहरणकर्ता उन्हें लेकर चले गए थे। बाद में कुछ फिरौती मांगने की भी जानकारी सामने आई थी। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि 27 जनवरी को सुबह हजारीबाग के बरही के पास जीटी रोड पर बदमाश कैरव गांधी को छोड़कर भाग गए थे।

पाइप लदा ट्रेलर चुटूपालू घाटी में पलटा घंटों यातायात बाधित

RAMGARH : रामगढ़-रांची मुख्यमार्ग 33 पर चुटूपालू घाटी में गुरुवार को पाइप लदा ट्रेलर पलट गया। इस घटना के बाद रांची से रामगढ़ आने वाली मार्ग घंटों जाम हो गई। हालांकि घटना में ट्रेलर चालक और खलासी बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार रांची से रामगढ़ की ओर आ रही ट्रेलर संख्या एनएल 01 एई 9894 घाटी में अनियंत्रित हो कर पलट गई। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने एनएचएआई कर्मियों के सहयोग से दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर और सड़क पर पड़ी पाइप को हटवाया। जिसके बाद यातायात चालू हुई।

टाटीझरिया में बीच पुल पर पलट गया कोयला लदा ट्रक

AGENCY HAZARIBAG : हजारीबाग जिले में गुरुवार को सुबह-सुबह कोयले से लदा ट्रक बीच सड़क पर पलट गया, जिससे रोड के दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। यह दुर्घटना एनएच-522 पर टाटीझरिया में हुई। यहां बेनी पुल पर कोयला लदे ट्रक के पलट जाने से सड़क पर जाम लग गया। हालांकि इस घटना की सूचना मिलते ही टाटीझरिया थाना कू पुलिस और स्थानीय युवक जुट गए। सभी लोग तत्परता दिखाते हुए सड़क से जाम हटाने में जुट गए। पुलिस ने क्रेन और पोकलेन मंगा लिया। ट्रक से बिखरे कोयले को पोकलेन की मदद से ट्रैक्टर में लोड किया जा रहा है, ताकि जल्दी से जल्दी ट्रक को हल्का किया जा सके। पुलिस ने बताया

घटनास्थल पर पलटा ट्रक व जुटे लोग

कि ट्रक में कोयला लदा था, जो हजारीबाग की ओर से बगोदर (गिरिडीह) की जा रहा था। ट्रक चालक ने बेनी पुल के पास वाहन पर अपना नियंत्रण खो दिया और वह पुल पर ही पलट गया। हालांकि ट्रक चालक ने खुद को सुरक्षित कर लिया। इस दुर्घटना की वजह से सवारी गाड़ियों और बसों को बाईपास से निकाला जा रहा है। पुलिस और स्थानीय लोग ट्रक को सड़क से हटाने में लगे हैं, जिससे आवागमन सुचारू हो सके।

इलेक्शन बिना अनुमति जलसा या जुलूस पर रहेगी पाबंदी, हथियार लेकर नहीं चल सकेंगे लोग

नगर निकाय चुनाव को लेकर मानगो व जुगसलाई में लगाई गई निषेधाज्ञा

PHOTON NEWS JSR : नगर निकाय चुनाव को देखते हुए एसडीओ-धालभूम अर्नव मिश्रा ने मानगो और जुगसलाई में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह निषेधाज्ञा भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की धारा 163 के तहत लागू की गई है। निषेधाज्ञा गुरुवार से चुनाव की समाप्ति तक लागू रहेगी। इस संबंध में एसडीओ ने गुरुवार को आदेश जारी कर दिया है।

इस आदेश में कहा गया है कि धालभूम अनुमंडल में मानगो नगर निगम और जुगसलाई नगर पर्षद आती हैं। इन दोनों नगर निकायों की चुनाव प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन इलाकों में चुनाव का एलान होने के बाद से आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है। एसडीओ ने अपने आदेश में लिखा है कि इस दौरान मतदाताओं को डराने-धमकाने और सांप्रदायिक विद्वेष फैलाने की कोशिश की जा सकती है। इससे शहर में शांति भंग की संभावना बन सकती है। इसीलिए यह निषेधाज्ञा लागू की जा रही है।

निषेधाज्ञा के दौरान कोई भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार बिना जिला प्रशासन की अनुमति के कोई भी सभा या जलसा आयोजित नहीं कर सकेगा। ना ही जुलूस नहीं निकाल सकेगा। अगर प्रशासनिक अनुमति लेकर कोई जुलूस निकाला जाता है तो उसमें किसी भी तरह के घातक हथियार लेकर चलने पर पाबंदी रहेगी।

निषेधाज्ञा के दौरान मानगो और जुगसलाई में रात 10 बजे से सुबह छह बजे तक लाउडस्पीकर बजाने पर पाबंदी रहेगी। इस दौरान किसी वाहन पर भी लाउडस्पीकर नहीं बजाए जा सकेंगे। उम्मीदवार सुबह छह बजे से रात 10 बजे तक प्रशासनिक अनुमति लेने के बाद ही लाउड स्पीकर पर प्रचार-प्रसार कर सकता है। इस दौरान 75 डेसिबल से कम ध्वनि मानक पर ही लाउडस्पीकर बजाया जा सकता है।

आदेश के अनुसार निषेधाज्ञा के दौरान किसी भी सरकारी या सार्वजनिक संपत्ति पर नारा लिखने, पोस्टर चिपकाने, पार्टी का झंडा लगाने या रोड पर बैनर लगाने पर पाबंदी है। अगर कोई ऐसा करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निजी संपत्ति पर नारा लिखने या पोस्टर चिपकाने पर भी प्रतिबंध है। मालिक की लिखित अनुमति के बाद ही उम्मीदवार निजी संपत्ति पर पोस्टर चिपका सकते हैं।

सोशल मीडिया पर आहत करने वाले पोस्ट पर होगी कार्रवाई

एसडीओ ने बताया कि इस दौरान अगर कोई भी उम्मीदवार या व्यक्ति किसी को आहत करने वाले पोस्टर नहीं बांटेंगे। अगर सोशल मीडिया पर कोई भी किसी की धार्मिक भावना को ठेस करने वाला पोस्ट लिखेगा तो उस पर भी कार्रवाई होगी। अगर कोई उम्मीदवार वोटर का वोट लेने के लिए किसी को डराता है या लालच देता है तो उस पर भी कार्रवाई होगी।

सरकारी इमारतों में नहीं होगी मीटिंग

एसडीओ ने बताया कि इस दौरान किसी भी सरकारी इमारत या गेस्ट हाउस का उपयोग किसी सभा या चुनावी गतिविधियों के लिए नहीं किया जाएगा। प्रदूषण फैलाने वाले प्लास्टिक या पॉलीथिन की प्रचार सामग्री पर पाबंदी रहेगी। यही नहीं, इस दौरान हथियार लेकर चलने पर पाबंदी रहेगी।

रास्ता बंद किए जाने के विरोध में बार एसोसिएशन ने शुरू कर दी हड़ताल

DHANBAD : सदर अस्पताल के मार्ग को बंद किए जाने के विरोध में जिला बार एसोसिएशन गुरुवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चला गया। अधिवक्ताओं के पेन डाउन के कारण धनबाद कोर्ट परिसर में न्यायिक कार्य ठप हो गया। इससे न्यायालय आने वाले आम वादकारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बार एसोसिएशन के अनुसार सदर अस्पताल परिसर से होकर बार भवन तक आने-जाने का महत्वपूर्ण मार्ग वर्षों से अधिवक्ताओं के आवागमन और वाहन पार्किंग के लिए उपयोग में था। लेकिन हाल ही में जिला प्रशासन ने उक्त रास्ते को बाउंड्री वॉल कर रास्?ते को पूरी तरह बंद कर दिया। इससे अधिवक्ताओं के साथ-साथ आम नागरिकों को असुविधा हो रही है। अधिवक्ताओं का कहना है कि बार एसोसिएशन भवन इसी मार्ग से जुड़ा हुआ है। रास्ता बंद हो जाने से अधिवक्ताओं के साथ-साथ न्यायालय आने वाले वादकारी पार्किंग और आवागमन को लेकर गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। बार एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे को लेकर जिला प्रशासन से कई बार बातचीत की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला।

सोना-चांदी की बढ़ती कीमतों को लेकर स्वर्णकारों ने किया प्रदर्शन

नारेबाजी करते स्वर्णकार कारीगर संघ

DHANBAD : सोना और चांदी के लगातार बढ़ती कीमतों को देखते हुए गोल्ड कन्ट्रोल एक्ट एवं एक्साईज ड्यूटी लगवाने के लिए तथा सोना चांदी को शेयर मार्केट से हटवाने सहित सोना एवं चांदी के सभी व्यापारियों एवं कारीगरों के पास मात्र 100 ग्राम सोना एवं पांच किलो चांदी रखने का आदेश भारत सरकार की ओर से जारी किये जाने के मामले में स्वर्णकार कारीगर संघ की ओर से धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर शुक्रवार से दो दिवसीय निर्जला उपवास अनशन शुरू किया गया है। निर्जला उपवास के द्वारा आंदोलन कर रहे स्वर्णकार कारीगर संघ के लोगों ने बताया कि इस आंदोलन के माध्यम से जनता एवं सरकार को जगाने एवं यह बताने की कोशिश की जा रही है कि आज गोल्ड कन्ट्रोल एक्ट एवं एक्साईज डियूटी हट जाने के कारण सोना एवं चांदी की बनी हुई जेवरात, रेडिमेट आभूषण अलग-अलग राज्यों से अवैध तरीके से तस्करी कर यहां लाया जा रहा है। जिसके कारण देश के लाखों सोना चांदी के गरीब कारीगरों को सोना चांदी का काम मिलना मुश्किल हो गया है। आज परिस्थिति ऐसी हो चुकी है कि देश के लाखों सोनार कारीगरो के परिवारो की स्थिति भूखमरी के कगार पर पहुंच गई है।

Daily THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
www.thephotonnews.com
Friday, 30 January 2026

विभिन्न निर्माण संबंधी कार्यों से जुड़े मजदूरों की तादाद में हुआ इजाफा

- सड़क, पुल, भवन और अन्य विकास कार्यों में लगातार आ रही तेजी
- 4,57,458 मजदूरों के आधार सत्यापन का अब तक पूरा नहीं हो पाया प्रोसेस
- राज्य और केंद्र सरकार की कई महत्वपूर्ण योजनाओं का मजदूरों को नहीं मिल रहा लाभ
- समस्या के समाधान के लिए जिला स्तर पर विशेष अभियान चलाने की जरूरत

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों से जुड़े मजदूरों की संख्या में बड़ी वृद्धि हो रही है। भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तहत पंजीकृत निर्माण मजदूरों की संख्या 12,89,240 तक पहुंच चुकी है। यह आंकड़ा राज्य में निर्माण क्षेत्र पर निर्भर बड़ी आबादी को दशार्ता है। सड़क, पुल, भवन और अन्य विकास कार्यों में लगे ये मजदूर राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं। इसके बावजूद एक बड़ी प्रशासनिक समस्या सामने आई है, जिसके कारण लाखों मजदूर सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। श्रम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुल पंजीकृत निर्माण मजदूरों में से 4,57,458 मजदूरों का आधार सत्यापन अब तक पूरा नहीं हो पाया है। लाखों मजदूर का आधार सत्यापन नहीं हो पाना वास्तव में दुखद है। आधार सत्यापन अनिवार्य होने के कारण इन मजदूरों को राज्य और केंद्र सरकार की कई महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। सत्यापन लंबित रहने से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की प्रक्रिया बाधित हो रही है, जिससे मजदूरों के खातों में सहायता राशि नहीं पहुंच पा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस समस्या के समाधान के लिए जिला स्तर पर विशेष अभियान चलाने की जरूरत है। इतनी बड़ी संख्या में मजदूरों का आधार सत्यापन लंबित होना श्रम विभाग और भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

प्रतीकात्मक फोटो

रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा असर

निर्माण मजदूरों के लिए सरकार की ओर से आर्थिक सहायता, पेंशन, छात्रवृत्ति, औजार अनुदान, चिकित्सा सहायता और आकस्मिक सहायता जैसी कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन सभी योजनाओं में आधार से जुड़ा सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है। जिन मजदूरों का आधार सत्यापन पूरा नहीं है, वे इन योजनाओं के दायरे से बाहर हो गए हैं। इसका सीधा असर मजदूरों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है।

लंबे समय तक झेलनी पड़ती है बेरोजगारी

हम जानते हैं कि निर्माण मजदूर असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं, जहां आय नियमित नहीं होती। कभी काम मिलता है, तो कभी लंबे समय तक बेरोजगारी झेलनी पड़ती है। ऐसे में सरकारी सहायता मजदूर परिवारों के लिए सहारा बनती है। आधार सत्यापन लंबित रहने के कारण जब यह सहायता नहीं मिलती, तो परिवारों पर आर्थिक दबाव बढ़ जाता है।

कर्ज लेने की नौबत

वर्तमान हकीकत यह है कि बच्चों की पढ़ाई, इलाज और घरेलू खर्च के लिए मजदूरों को कर्ज लेना पड़ रहा है, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। निर्माण मजदूरों के बच्चों के लिए शिक्षा सहायता योजना एक महत्वपूर्ण योजना मानी जाती है। इस योजना के तहत पढ़ाई के लिए आर्थिक मदद दी जाती है। लेकिन आधार सत्यापन पूरा नहीं होने के कारण कई मजदूरों के बच्चों की शिक्षा सहायता अटकी हुई है। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और कई परिवार बच्चों को आगे पढ़ाने में असमर्थ हो रहे हैं।

कई जिलों में समस्या की स्थिति गंभीर

हजारीबाग, चतरा, रामगढ़, कोडरमा और रांची जैसे जिलों में यह समस्या सबसे गंभीर रूप में सामने आई है। इन जिलों में हजारों मजदूर वर्षों पहले पंजीकृत हुए थे, लेकिन आज तक उनका आधार सत्यापन पूरा नहीं हो सका है। परिणामस्वरूप वे लंबे समय से योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। हजारीबाग जिले में आधार सत्यापन लंबित मजदूरों की संख्या सबसे अधिक मानी जा रही है। यहां बड़ी संख्या में मजदूरों के पास आधार तो उपलब्ध है, लेकिन सत्यापन की प्रक्रिया अधूरी है।

BRIEF NEWS

जेवर दुकान में लूट की सूचना पर हरकत में आई पुलिस, दो अरेस्ट

RANCHI : गुरुवार को राजधानी रांची के लालपुर इलाके में लक्ष्मी ज्वेलर्स में लूट की सूचना पर पुलिस तुरंत एक्शन में आई और दो आरोपियों को धर दबोचा है। हालांकि यह मामला लूट का है या पैसे के लेनदेन का पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुलिस कंट्रोल रूम में लक्ष्मी ज्वेलर्स के मालिक के द्वारा यह सूचना दी गई की उनके जेवर दुकान को लूटने की कोशिश की जा रही है। कंट्रोल रूम में सूचना आते ही न सिर्फ लालपुर पुलिस एक्टिव हुई, बल्कि आसपास के थानों की टीम भी तुरंत एक्शन मोड में आ गई। जिन दो लोगों पर जेवर दुकान से गहने लेकर भागने का आरोप था, उन्हें तुरंत धर दबोचा गया। हालांकि सूचना लूट की थी, लेकिन मामला अकाउंट में पैसे भेजने और जबरदस्ती गहने ले जाने का निकला।

बाबूलाल मरांडी ने राज्यवासियों के नाम जारी किया संदेश

RANCHI : झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्यवासियों के नाम एक व्यंग्यात्मक संदेश जारी कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी सरकार पर हमला बोला है। गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए इस संदेश में उन्होंने कानून-व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य व्यवस्था, किसानों और आदिवासियों की स्थिति को लेकर राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। मरांडी ने अपने संदेश में कहा कि यदि आप झारखंड में रहते हैं, तो मुख्यमंत्री या सरकार से किसी भी प्रकार की नीति, न्याय या सुशासन की उम्मीद छोड़ दीजिए। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में लिखा कि बस मुख्यमंत्री के विदेशी दौरों और 'शॉपिंग टूर' की 'सफलता' पर बधाई देना न भूलें।

पिठोरिया में अफीम की खेती को पुलिस ने किया नष्ट

PITHORIA : गुरुवार को पिठोरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुरैठा, पत्राटोली एवं चिरुआ के वन क्षेत्र में पिठोरिया पुलिस ने विशेष अभियान के तहत अवैध रूप से की जा रही अफीम की खेती को नष्ट किया। इस कार्रवाई में लगभग दो एकड़ क्षेत्रफल में लगी फसल को पूरी तरह नष्ट किया गया। यह अभियान थाना प्रभारी सतीश कुमार पांडे के नेतृत्व में चलाया गया। इसमें एसआई एकबाल हुसैन, सुनील कुमार दास एवं संतोष यादव सहित पिठोरिया पुलिस बल के जवान शामिल थे। पुलिस टीम ने वन क्षेत्र में सघन छापेमारी कर अफीम की अवैध खेती को चिह्नित किया। नियमानुसार उसे नष्ट किया। थाना प्रभारी सतीश पांडे ने बताया कि नशीले पदार्थों की अवैध खेती एवं कारोबार के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सरकार की ओर से झारखंड हाईकोर्ट को दी गई जानकारी

कांके थाना प्रभारी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू

- जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस एके राय की खंडपीठ में हुई सुनवाई
- कोर्ट ने दामोदर नाथ शाहदेव की ओर से दायर हेवियर्स कॉर्पस को किया निष्पादित
- आदेश के आलोक में रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर अदालत में हुए हाजिर

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट ने दामोदर नाथ शाहदेव की ओर से दायर हेवियर्स कॉर्पस को राज्य सरकार का पक्ष सुनने के बाद निष्पादित कर दिया। महाधिवक्ता राजीव रंजन ने हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद एवं न्यायमूर्ति एके राय की खंडपीठ को बताया कि मामले में कांके थाना प्रभारी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

याचिकाकर्ता के पुत्र देवब्रत नाथ शाहदेव को एक अन्य मामले खूंटी थाना कांड संख्या 03/2026 में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि अब इस मामले में आगे सुनवाई का कोई औचित्य नहीं है। सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश के आलोक में रांची ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर कोर्ट में हाजिर हुए थे। हाईकोर्ट के प्रथम पाली में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मौखिक रूप से पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। कहा कि पुलिस को कानून के तहत ही कार्रवाई करनी चाहिए ना कि मनमानी तरीके से बिना किसी आधार पर रात में किसी को उठा लिया जाए। मामले में हाईकोर्ट के 14 जनवरी के आदेश के आलोक में कांके थाना प्रभारी को रांची एसएसपी द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद उन पर क्या कार्रवाई हुई इसकी स्पष्ट जानकारी कोर्ट को नहीं दी गई।

दूसरी पाली में कोर्ट ने एसपी को किया तलब : कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए दूसरी पाली में दोपहर 2:30 बजे रांची एसएसपी को तलब किया। इसके बाद दोपहर 2:30 बजे रांची ग्रामीण एसपी कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए। कोर्ट को बताया गया कि रांची एसएसपी अवकाश पर हैं। दरअसल 14 जनवरी को मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने कांके थाना प्रभारी को जारी शो-कॉज नोटिस पर आगे क्या कार्रवाई की गई है, इसपर शपथ पत्र मांगा था। आज इस संबंध में स्पष्ट जानकारी को कोर्ट को नहीं दी गई थी। जिस पर कोर्ट नाराज हुआ।

जिम्मेदार अधिकारियों पर अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी

चार सप्ताह में कार्यरत हो जाएगा सूचना आयोग

RANCHI : गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में राज्य सूचना आयोग को पिछले पांच वर्षों से गैर-कार्यशील बनाए जाने से संबंधित मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट के आदेश के आलोक में राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार और कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग के सचिव कोर्ट में अदालत में हाजिर हुए। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद एवं जस्टिस एके राय की खंडपीठ ने राज्य सरकार से जानना चाहा कि झारखंड में सूचना आयोग कब तक कार्यशील कर दिया जाएगा। इस पर महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि चार सप्ताह में राज्य सूचना आयोग कार्यरत हो जाएगा। राज्य सरकार के आग्रह को देखते हुए कोर्ट ने चार सप्ताह का समय सरकार को दिया। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता विकास कुमार ने पक्ष रखा। बता दें कि पिछली सुनवाई में कोर्ट ने साफ किया था कि यदि आयोग को शीघ्र कार्यशील नहीं बनाया गया तो राज्य के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जा सकती है। कोर्ट ने एक अपील (एलपीए) की सुनवाई करते हुए यह कहा था। इस मामले में कोर्ट ने मुख्य सचिव एवं कार्मिक सचिव को तलब किया था।

देश के खनन क्षेत्र में झारखंड की भूमिका अहम : राज्यपाल

- राज्य में औद्योगिक विकास निवेश और रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को ओलंपिया एग्जिबिशन प्राइवेट लिमिटेड के तत्वावधान में प्रभात तारा मैदान में आयोजित तीन दिवसीय द्वितीय संस्करण झारखंड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शोझ2026 का उद्घाटन राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि झारखंड प्राकृतिक एवं खनिज संसाधनों से अत्यंत समृद्ध राज्य है और देश के खनन क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। देश के कुल खनिज संसाधनों का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा झारखंड में पाया जाता है, जिससे राज्य में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की यह पावन धरती सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ-साथ राष्ट्र को विभिन्न क्षेत्रों में नई दिशा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत के संकल्प के साथ विकसित भारत एट द रेट 2047 के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, जिसमें झारखंड की भी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह स्पष्ट दृष्टिकोण है कि संसाधनों का उपयोग केवल आर्थिक लाभ तक सीमित न रहे, बल्कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शो-2026 केवल खनन गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तरदायी एवं तकनीक आधारित खनन, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, श्रम-कल्याण, अधोसंरचना विकास, निवेश संवर्धन तथा रोजगार सृजन जैसे समकालीन विषयों को भी समाहित करता है।

राज्य के आठ जिलों में 3 व 4 को बारिश की संभावना, तापमान में उतार-चढ़ाव के आसार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के आठ जिलों में तीन और चार फरवरी को हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी। मौसम विभाग के अनुसार, तीन फरवरी को राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों (पलामू, गढ़वा, लातेहार और चतरा) में हल्के दर्जे की बारिश हो सकती है। वहीं चार फरवरी को दक्षिणी जिलों (पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां) में बारिश की संभावना जताई गई है। विभाग ने बताया कि यह मौसम परिवर्तन पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण हो रहा है। इसके अलावा राज्य के कुछ हिस्सों में सुबह के समय कुहासा छाने की संभावना है, जबकि दिन चढ़ने के साथ मौसम साफ हो सकता है।

मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिसके बाद तापमान में फिर दो से तीन डिग्री की वृद्धि होने के आसार हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सर्वाधिक तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 10.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से ही बादल छाए रहे और हल्की ठंडी हवा चलती रही, जिससे लोगों को दिनभर ठंड का अहसास होता रहा।

लापरवाही पर दोषी एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट करने का निर्देश

RANCHI : राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन की अध्यक्षता में आज समग्र शिक्षा के अंतर्गत संचालित सिविल निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में राज्य के सभी जिलों के सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता शामिल हुए। समीक्षा का उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के लिए स्वीकृत योजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति का गहन मूल्यांकन करना था। बैठक के दौरान राज्य परियोजना निदेशक ने कार्य में शिथिलता बरतने वाली एजेंसियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन ठेकेदारों और एजेंसियों को कायार्देश मिलने के बावजूद निर्माण कार्य की गति संतोषजनक नहीं है।

केसी वेणुगोपाल से मनरेगा, पेसा व ग्रामीण मजदूरों के मुद्दे पर हुई चर्चाः शिल्पी नेहा तिर्की

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दिल्ली में कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की। इस दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), उसमें झारखंड की भूमिका, असंगठित क्षेत्र के ग्रामीण मजदूरों की भागीदारी तथा पेसा कानून को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गुरुवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मनरेगा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पहले की तरह नियमित रोजगार उपलब्ध होता रहे, इसके लिए कांग्रेस संगठन जमीनी स्तर पर आंदोलन के जरिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाएगा। उन्होंने झारखंड में मनरेगा से जुड़े विभिन्न मुद्दों, मजदूरों के सामने आ रही चुनौतियों और रोजगार सृजन की बढ़ती जरूरतों से संगठन महासचिव को अवगत कराया। मुलाकात के दौरान अनुसूचित क्षेत्रों में राज्य सरकार द्वारा लागू पेसा नियमावली के महत्व, उसके प्रभावी क्रियान्वयन और भविष्य की कार्ययोजना पर भी गहन चर्चा हुई। मंत्री ने इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि पेसा कानून के तहत पारंपरिक ग्राम सभाओं को मिले अधिकारों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में कांग्रेस संगठन सक्रिय भूमिका निभाएगा। इसके अलावा मंत्री तिर्की ने झारखंड में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग द्वारा किसानों को समृद्ध बनाने, उन्हें नवाचार से जोड़ने और उनके उत्पादों को उचित मूल्य दिलाने की दिशा में चल रही विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी केसी वेणुगोपाल को दी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाए और किसानों व मजदूरों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिले, जिसके लिए केंद्र और संगठन स्तर पर समन्वय बेहद आवश्यक है।

चिंताजनक | देशभर में नारकोटिक्स के लिए बदनाम जिलों में रांची, खूंटी व चतरा शामिल

नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान और तेज करने की जरूरत

- मादक पदार्थों के कारोबार के विरुद्ध केंद्र सरकार ने कड़ी कार्रवाई पर दिया जोर
- प्रभावित जिलों के एसपी को पत्र लिखकर आवश्यक कदम उठाने का दिया गया है निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : नशीले पदार्थों के कारण युवाओं का भविष्य सर्वाधिक प्रभावित होता है। इसे लेकर केंद्र सरकार ने मानक पदार्थों के कारोबार के खिलाफ सख्त कदम उठाने पर जोर दिया है। गृह मंत्रालय ने नारकोटिक्स की दृष्टि से सबसे अधिक संवेदनशील माने गए देश के 73 जिलों की सूची जारी की गई है। इसमें झारखंड के भी 3 जिले शामिल किए गए हैं। इनमें रांची के साथ-साथ खूंटी और चतरा जिले का नाम दर्ज है। गृह मंत्रालय के इस कदम को राज्य और जिला स्तर पर नशे के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी सूची के अनुसार झारखंड के रांची, खूंटी और चतरा जिले नारकोटिक्स के लिहाज से संवेदनशील पाए गए हैं। आने वाले दिनों में इन जिलों में छापेमारी, निगरानी और जनजागरूकता अभियान तेज होने की संभावना है। गृह मंत्रालय की यह कार्रवाई साफ तौर पर दशार्ती है कि नारकोटिक्स के खिलाफ लड़ाई में अब कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। इन जिलों में नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध कारोबार और इससे जुड़ी गतिविधियों को लेकर केंद्र सरकार ने विशेष निगरानी की जरूरत बताई है। राजधानी रांची के इस सूची में शामिल होने से राज्य प्रशासन की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। मंत्रालय का मानना है कि नशे का अवैध कारोबार न केवल कानून व्यवस्था के लिए खतरा है, बल्कि यह युवाओं और समाज के भविष्य को भी प्रभावित कर रहा है। इसी कारण मंत्रालय ने नारकोटिक्स की दृष्टि से संवेदनशील जिलों की पहचान कर वहां विशेष नियंत्रण और निगरानी के निर्देश दिए हैं। इसके तहत सभी प्रभावित जिलों के पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिखकर आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है।

18 जुलाई 2025 के निर्देशों का करना है पालन

गृह मंत्रालय के पत्र के अनुसार, यह पूरी प्रक्रिया केंद्रीय गृह मंत्री के 18 जुलाई 2025 के निर्देशों के आलोक में की गई है। इन निर्देशों के बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने देशभर में नारकोटिक्स के लिहाज से सबसे संवेदनशील जिलों की पहचान की है। इस सूची का उद्देश्य उन क्षेत्रों पर फोकस करना है, जहां नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध खेती, सिंथेटिक ड्रग्स का निर्माण और अंतरराष्ट्रीय गिरोहों की संलिप्तता की आशंका अधिक है। गौरतलब है कि नारकोटिक्स से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित चर्चा के लिए 21 जनवरी को एक महत्वपूर्ण बैठक की गई थी। यह बैठक नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के दिल्ली मुख्यालय में केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में हुई थी।

चैती दुर्गा मंदिर के 10वें वार्षिक उत्सव पर निकली भव्य कलश यात्रा

RANCHI : चैती दुर्गा मंदिर, भुताहा तालाब के दसवें वार्षिक उत्सव के अवसर पर गुरूवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें 501 महिलाओं ने भाग लिया। कलश यात्रा की शुरूआत महावीर चौक से हुई, जो गांधी चौक और शहीद चौक होते हुए सुभाष चौक पहुंची। जहां त्रिकोण हवन कुंड से कलशों में जल भरा गया। पूरे मार्ग में भक्तिमय माहौल बना रहा। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश लेकर भजन-कीर्तन करती नजर आईं। आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल रहा और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिर समिति की ओर से सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

रांची नगर निगम और चैरिटेबल ट्रस्ट ने विद्यार्थियों में बांटे फलदार पौधे

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम की ओर से समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से गुरुवार को बरियातू रोड स्थित स्वर्णरेखा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नर्सिंग, फामेर्सी एवं पारा मेडिकल के छात्रों के बीच फलदार पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के तहत पर्यावरण संरक्षण विषय उपस्थित लोगों में विद्यार्थियों को पौधारोपण, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण के महत्व की जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी दीपक बंका ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक पौधरोपण कर हरियाली बढ़ाने और प्रदूषण कम करने की अपील की। मौके पर अन्य वक्ताओं ने कहा कि अच्छे पर्यावरण से ही अच्छे स्वास्थ्य की परिकल्पना संभव है। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्वर्णरेखा कॉलेज ऑफ फामेर्सी के प्राचार्य डॉ. विद्यासागर, स्वर्णरेखा कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या सोनी प्रसाद सहित अन्य की भूमिका रही।

समाचार सार

यूजीसी के विरोध में डीसी ऑफिस पर प्रदर्शन

JAMSHEDPUR : संयुक्त युवा संघ ने गुरुवार को सवर्ण समाज के साथ मिलकर डीसी ऑफिस पर जोरदार प्रदर्शन किया। संयुक्त युवा संघ 13 जनवरी को आए यूजीसी-विरोधी कानून पर चरणबद्ध तरीके लगातार आंदोलन कर रहा था और हाईकोर्ट जाने की तैयारी कर चुका था। पर, आज सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी-2026 कानून पर रोक लगा दिया। इस प्रदर्शन में रवि सिंह चंदेल, गौतम दुबे, ललित सिंह, सुमंत दास, अजय सिंह, विवेक सिंह, राहुल सिंह, संजय झा, अभिषेक कुमार, रोशन सिंह आदि भी शामिल थे।

जुबिली गोल्फ टूर्नामेंट की तैयारी शुरू

JAMSHEDPUR : गोलमुरी गोल्फ कोर्स में 21-22 फरवरी को 48वां जुबिली गोल्फ टूर्नामेंट होगा। इसमें पुणे, पारादीप, भुवनेश्वर, जमशेदपुर और रांची से लगभग 250 गोल्फ खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह आयोजन गोलमुरी क्लब व जमशेदपुर गोल्फ के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

रमेश दास की बेटियों ने दी मुखाग्नि

JAMSHEDPUR : शहर के नामचीन गायक व ढोलक वादक रमेश दास का बुधवार को निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार को बिष्टुपुर स्थित पार्वती घाट पर हुआ, जहां उनकी बेटियों श्रद्धा दास व आस्था दास ने मुखाग्नि दी। उनकी शवयात्रा अनिल सुर पथ स्थित निवास से निकली, जिसमें श्रीकांत देव, हंसराज वर्मा सहित काफी संख्या में उनके समर्थक, शुभचिंतक व परिजन शामिल हुए।

राजनगर में शराब अड्डों पर छापेमारी

SERAIKELA : उपायुक्त के निर्देश पर अधीक्षक-उत्पाद झितिज विजय मिंज के निर्देशन में गुरुवार को को राजनगर थाना अंतर्गत मुराकाटी व जोजोगोड़ा गांव में महुआ शराब अड्डों पर छापेमारी की गई। इसमें 80 लीटर महुआ शराब जब्त किया गया, जबकि 1200 किलोग्राम जावा महुआ नष्ट किया गया।

स्टील एक्सप्रेस फुटबॉल में आरपीएफ की टीम हारी

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर स्थित सेरसा (साउथ ईस्टर्न रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन) के इकबाल सिंह संधू स्टेडियम में खेले जा रहे 29वें स्टील एक्सप्रेस फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन गुरुवार को सेंट्रल आरपीएफ और जागा यूनाइटेड क्लब भुवनेश्वर के बीच मुकाबला हुआ। इसमें भुवनेश्वर ने 2-0 से मैच जीत कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 30 जनवरी को क्वार्टर फाइनल में भुवनेश्वर का मुकाबला टाटा मोटर्स जमशेदपुर से होगा। अच्छी गोलकीपिंग के लिए सेंट्रल आरपीएफ के गोलकीपर विनोद हांसदा को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। चक्रधरपुर रेलवे के एसीएमएस डॉ. श्याम सोरेन, स्पोर्ट्स ऑफिसर हेमंत मधुर, सहायक खेल अधिकारी विनय शर्मा आदि ने पुरस्कार प्रदान किए। मैच का संचालन रेफरी रंजीत सवैयां, लाइनमैन तबरेज आलम और छोटेराय टूडू ने किया। फोर्थ रेफरी गिरोस सिंह थे।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोले राज्यपाल संतोष गंगवार

दिल्ली वालों से पूछिए, क्या होती है पर्यावरण की असली अहमियत

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर के एक्सएलआरआई ऑडिटोरियम में 48वीं वार्षिक मीटिंग सह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप जला कर किया। 'एनवायरनमेंटल म्यूटाजेनेसिस एंड एपिजेनोमिक्स इन रिलेशन टू ह्यूमन हेल्थ' विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में देश-विदेश से आए वैज्ञानिक, शोधकर्ता और शिक्षाविद हिस्सा ले रहे हैं। इस मौके पर पारंपरिक तरीके से अतिथियों का स्वागत और सम्मान किया गया।

मानव स्वास्थ्य पर कल तक होगा मंथन

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का अभिवादन करते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार • फोटोन न्यूज

इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरणीय बदलावों और मानव स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर गंभीर और व्यापक शोध की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण, औद्योगिक विस्तार और बदलती जीवनशैली का असर लोगों के स्वास्थ्य पर साफ दिख रहा है। ऐसे में वैज्ञानिक अनुसंधान समाज को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य देने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने शोधकताओं से आह्वान किया कि वे अपने अध्ययन को केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित न रखें, बल्कि उसके नतीजों को आम लोगों के हित में उपयोगी बनाएं। राज्यपाल ने खास तौर से झारखंड जैसे औद्योगिक राज्य में पर्यावरण और स्वास्थ्य के संतुलन पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया।

कार्यक्रम की समाप्ति पर पत्रकारों से बात करते हुए राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि जमशेदपुर में तो पर्यावरण की अहमियत कम समझ में आती है। लेकिन, अगर आप दिल्ली में हैं तो महसूस होगा कि पर्यावरण कितनी अहम चीज है। हमें पर्यावरण की हिफाजत करनी चाहिए। ऐसा कदम नहीं उठाना चाहिए जिससे पर्यावरण को नुकसान हो। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने पर्यावरणीय म्यूटाजेनेसिस और एपिजेनोमिक्स के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। तीन दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में तकनीकी सत्र, शोध पत्र प्रस्तुति और पैनल चर्चा आयोजित की जाएंगी, जिससे नए शोध और विचारों को साझा करने का अवसर मिलेगा।

बारीडीह में विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान परिजनों का हंगामा

प्रियंका की फाइल फोटो

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के बारीडीह स्थित विजया गार्डेन में एक विवाहित महिला द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना सामने आई है। मृतका का नाम प्रियंका कुमारी है। बताया जा रहा है कि प्रियंका ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। प्रियंका के परिजनों का आरोप है कि उसकी हत्या कर शव फंदे पर लटकाया गया है। प्रियंका के पिता ने बताया कि शादी साल 2008 में हुई थी। शादी में 15 लाख रुपये का दहेज दिया गया था। बाद में 10 लाख रुपये नकद मांगा गया। यह रकम भी दे दी गई। मृतका के पिता का कहना है कि इधर छह महीने से प्रियंका को टॉर्चर किया जा रहा था। गुरुवार को प्रियंका के पति ने अपने चचेरे साले को फोन कर बताया कि प्रियंका ने फांसी लगा ली है। इसके बाद परिजन यहां पहुंचे। घटना की सूचना मिलते ही सिदगोड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेजते हुए जांच शुरू कर दी है। वहीं, घटना के बाद मृतका के परिजनों ने देवर पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए थाने पर जमकर हंगामा किया। परिजनों का कहना है कि प्रियंका का देवर अमन, जो ऑस्ट्रेलिया में रहता है, दो दिन पहले ही घर आया था। उसके द्वारा लगातार प्रताड़ित किए जाने से तंग आकर प्रियंका ने यह कदम उठाया।

टाटानगर स्टेशन पर ट्रेनों में मोबाइल चोरी करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

अपराधियों के पास से 1.60 लाख रुपये से अधिक कीमत के तीन मोबाइल फोन बरामद

PHOTON NEWS JSR : टाटानगर रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की उड़नदस्ता टीम ने चलती ट्रेनों में मोबाइल चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से महंगे मोबाइल फोन, चार्जर और चोरी की वारदात में इस्तेमाल किए जाने वाले औजार बरामद किए गए हैं। गुरुवार को सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान ऋषि तोरवा, अल्ताफ आलम, चंदन राम उर्फ चिंटू और विशाल तिवारी उर्फ जीशान के रूप में हुई है। सभी ओडिशा के बड़बिल के रहने वाले बताए जा रहे हैं। आरपीएफ अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार की देर रात गश्त के दौरान ट्रेन संख्या 12809 मुंबई-हावड़ा मेल के एसी कोच से दो संदिग्ध युवकों को उतरकर तेजी से भागते देखा गया। उनकी गतिविधियां संदिग्ध लगने पर टीम ने स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में पता चला कि चार सदस्यीय गिरोह आपसी तालमेल से यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी कर रहा था। फुटेज के आधार पर आरपीएफ ने सघन तलाशी अभियान चलाया और देर शाम टाटानगर स्टेशन के नाइट आउट क्षेत्र के पीछे से चारों आरोपियों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक एप्पल, एक वनप्लस और एक वीवो कंपनी का मोबाइल फोन बरामद हुआ, इनकी कुल कीमत करीब 1.60 लाख रुपये बताई जा रही है।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

नगर परिषद चुनाव के लिए नामांकन पत्रों की बिक्री हुई शुरू

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में चाईबासा और चक्रधरपुर में नगर परिषद चुनाव के लिए गुरुवार से नामांकन पत्रों की बिक्री शुरू हो गई। पहले दिन चाईबासा में अध्यक्ष पद के 7 व वार्ड पार्षद के लिए 56 और चक्रधरपुर में अध्यक्ष पद के लिए 3 और विभिन्न वार्ड के पार्षद के लिए 32 उम्मीदवारों ने प्रपत्र खरीदे। बता दें कि चाईबासा में अध्यक्ष पद समेत 21वार्ड चक्रधरपुर में अध्यक्ष पद समेत 23 वार्ड के पार्षद के लिए चुनाव होंगे। मतदान 23 फरवरी और मतगणना 27 फरवरी को होगी। चाईबासा में अध्यक्ष पद के लिए नितिन प्रकाश, देवी शंकर दत्ता उर्फ काबु, अनूप कुमार सुल्तानिया, सुनील प्रसाद साव, नितेश दोदराजका, मो. सलीम और रमेश खिरवाल ने पर्चा खरीदा। वहीं, चक्रधरपुर नगर परिषद के अध्यक्ष पद के लिए विधायक सुखराम उरांव के पुत्र सन्नी उरांव, सांसद जोबा मांझी के पुत्र उदय मांझी एवं उत्तम कुमार बलमुचू ने पर्चा खरीदा।

एटीएम कार्ड बदल कर खाते से उड़ा लिए 76 हजार रुपये

JAMSHEDPUR : गोलमुरी थाना क्षेत्र के टिनप्लेट चौक के पास एटीएम के जरिए 76000 की ठगी का मामला सामने आया है। बिरसानगर के राम कृष्ण अपार्टमेंट के रहने वाले जयशंकर कुमार के बैंक खाते से एक ठग ने 76 हजार रुपए की निकासी कर ली है। घटना की जानकारी मिलने पर गोलमुरी थाना पुलिस गुरुवार को मामले की तहकीकात में जुट गई है। पुलिस एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी का पता लगाकर उसे गिरफ्तार किया जाएगा। बताते हैं कि जयशंकर कुमार 22 जनवरी की सुबह लगभग 9:00 बजे टिनप्लेट चौक पर लगे एचडीएफसी बैंक के एटीएम से रुपए निकालने गए थे। लेकिन, मशीन से रुपए नहीं निकल पा रहे थे। तभी एक युवक उनके पास आया और उनसे बातचीत की। उनका एटीएम कार्ड ले लिया। पिन नंबर पूछा और बोला कि वह उनकी मदद करेगा। इसी बीच युवक ने कहा कि रुपए नहीं निकल पा रहे हैं और तभी चालाकी से उसने एटीएम कार्ड बदल लिया।

घर पहुंचने पर आया पैसा निकलने का मैसेज

जयशंकर दूसरा एटीएम कार्ड लेकर घर आ गए। थोड़ी देर बाद उनके मोबाइल पर मैसेज आया कि उनके बैंक खाते से 76000 निकाल लिए गए हैं। मैसेज देखते ही उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। वह फौरन बैंक गए और वहां अपना एटीएम कार्ड बंद कराया। बाद में पुलिस को मामले की सूचना दी गई। पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बाद गुरुवार को मामले की जांच शुरू कर दी है।

बिष्टुपुर में शुरू हुई एनएमएल की प्रदर्शनी

एक्सपो : 'रेडिएंट झारखंड' में दिख रही शोध व कौशल विकास से संबंधित प्रगति

PHOTON NEWS JSR : सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल) बिष्टुपुर के रामदास भट्ठा स्थित होटल रमाडा में 29 से 31 जनवरी तक रेडिएंट झारखंड 2.0 एक्सपो में भाग ले रही है। प्रदर्शनी में प्रवेश निःशुल्क है। इच्छुक लोग सुबह 10 से शाम 5 बजे तक इसका अवलोकन कर सकते हैं। इस एक्सपो का उद्देश्य शोध एवं विकास, कौशल विकास तथा संबद्ध क्षेत्रों में झारखंड की प्रगति को प्रदर्शित करना और उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों एवं सरकार के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना है। इस मौके पर सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधुरी ने कहा किरेडिएंट झारखंड 2.0 में सीएसआईआर-एनएमएल की उपस्थिति वैज्ञानिक अनुसंधान को उपयोगी और लागू करने योग्य प्रौद्योगिकियों में रूपांतरित करने की हमारी सतत प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो क्षेत्रीय विकास को समर्थन देने, औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने तथा आत्मनिर्भर भारत जैसे राष्ट्रीय मिशनों में योगदान करती हैं।

प्रदर्शनी में आए छात्रों को जानकारी देते एनएमएल के वैज्ञानिक • फोटोन न्यूज

एक्सपो के दौरान, सीएसआईआर-एनएमएल ने धातुकर्म, खनिज प्रसंस्करण, उन्नत सामग्री विकास एवं सतत प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में अपनी तकनीकी क्षमताओं, चल रही अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) परियोजनाओं तथा नवाचार-आधारित पहलों का प्रदर्शन किया। प्रयोगशाला के प्रदर्शनी स्टॉल को उद्योग प्रतिनिधियों, नीति-निमार्ताओं एवं आगंतुकों से विशेष रुचि प्राप्त हुई, जिनमें से कई ने भविष्य में सहयोग की संभावनाओं का भी अन्वेषण किया। इस दौरान सीएसआईआर-एनएमएल प्रदर्शनी समिति के अध्यक्ष व मुख्य वैज्ञानिक डॉ. के. गोपाला कृष्णा ने अपनी टीम के साथ मिलकर हितधारकों के साथ संवाद किया और क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप सीएसआईआरझएनएमएल के उद्योग-संबंधी समाधान एवं अनुसंधान परिणामों को प्रस्तुत किया। यह एक्सपो उद्योग-अकादमिक साझेदारियों को सुदृढ़ करने तथा झारखंड के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में सीएसआईआर-एनएमएल की भूमिका को और मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ।

मानगो में मेयर व जुगसलाई में चेयरमैन के लिए 12 ने खरीदा पर्चा

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिले में नगर निकाय चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। गुरुवार को को पहले दिन मानगो नगर निगम के मेयर पद के लिए 6 उम्मीदवारों ने पर्चा खरीदा है। वहीं वार्डों के सदस्य पद के लिए 120 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र खरीदा है। इसके अलावा, जुगसलाई नगर परिषद में अध्यक्ष पद के लिए 6 पर्चे खरीदे गए हैं। वहीं वार्ड सदस्य पद के लिए 18 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र खरीदा है। चाकुलिया नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के लिए 3 उम्मीदवारों और वार्ड सदस्य पद के लिए 22 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र खरीदे हैं। चार फरवरी तक नामांकन पत्र भरे जा सकते हैं। पांच फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी। नामांकन वापस लेने की तारीख छह फरवरी है। सात फरवरी को उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। 23 फरवरी को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा और 27 फरवरी को सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू हो जाएगी।

सीतारामडेरा में शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, झुलस कर वृद्धा की मौत

बुधवार की रात करीब तीन बजे हुई दुर्घटना, चीखती रही महिला

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भालूबासा इंदिरा नगर बस्ती में शॉर्ट सर्किट से एक घर में आग लग गई। आग की चपेट में आने से 85 वर्षीय शोभा मुखर्जी नामक वृद्ध की मौत हो गई है। घटना बुधवार की देर रात लगभग 3:00 बजे की बताई जा रही है। आग लगने का पता चलते ही इलाके के लोग मौके पर पहुंच गए। लेकिन, तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। शोभा मुखर्जी आग की चपेट में आ गई थीं। वह चीखती रहीं। लेकिन कोई उनकी मदद को नहीं पहुंच सका। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वृद्धा की मौत पर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतका की बेटी शोभना मुखर्जी ने बताया कि रोज की तरह सभी लोग खाना खाकर सोने चले गए थे। उनकी मां अपने कमरे में सोने चली गईं। घर के अन्य सदस्य अपने-अपने कमरे में सो रहे थे। तभी अचानक आग लग गई और कोई कुछ समझ नहीं पाया। घटना की जानकारी मिलने पर सीतारामडेरा थाना पुलिस फौरन मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। वैसे प्रारंभिक तौर पर यह बात सामने आई है कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। पुलिस अन्य कारणों की तरफ भी अपना ध्यान केंद्रित कर रही है।

आग लगने के बाद घर के बाहर पड़ा मलबा • फोटोन न्यूज

संगोष्ठी फेसबुक लाइव पर साहित्यकार-अनुवादक डॉ. रेखा सेठी से डॉ. बलवंत कौर ने किया संवाद

सृजन संवाद में पहली बार हुई लिथुआनियाई कहानियों पर चर्चा

PHOTON NEWS JSR : साहित्य, सिनेमा एवं कला को समर्पित संस्था 'सृजन संवाद' की 158वीं गोष्ठी बुधवार को हुई, जिसमें लिथुआनियाई कहानियों पर चर्चा हुई। इस भाषा की कहानियां पहली बार हिंदी पाठकों के लिए उपलब्ध हुई हैं।

अनुराग रंजन द्वारा संचालित स्ट्रीमयार्ड तथा सृजन संवाद के फेसबुक लाइव पर साहित्यकार-अनुवादक डॉ. रेखा सेठी से डॉ. बलवंत कौर ने लिथुआनियाई कहानी संग्रह 'अंतिम दिन' पर संवाद किया। इनका परिचय जौनपुर के अश्वनि तिवारी ने दिया। डॉ. विजय शर्मा ने स्वागत मंच पर उपस्थित तथा फेसबुक लाइव से जुड़े साथियों का स्वागत करते हुए बताया कि इन कहानियों से गुजरते हुए उन्हें कई अन्य कहानियां, उपन्यास एवं फिल्मों मसलन सैमुअल बैकेट के गोदो, मार्केस की कहानियां याद आईं। साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित कहानियों को एक नई भाषा हिंदी में डॉ. सेठी ने रूपांतरण किया है। साहित्य अकादमी की इस पहल का स्वागत करते हुए डॉ. रेखा सेठी को अनुवाद के लिए बधाई दी। संग्रह की आठों कहानियां अनोखे शिल्प में नकारात्मकता एवं सकारात्मकता के साथ रची गई हैं। आत्म-संघर्ष से उत्पन्न कहानियां पश्चिम के दर्शन से हट कर, भौतिक मृत्यु पश्चात चेतना की बात करती हैं। इस तरह का अनुवाद दो देशों, दो भाषा-संस्कृति को लांघ कर साहित्य को वैश्विक बनाता है।

डॉ. रेखा सेठी के संबंध में बताया कि वे साहित्य, शिक्षा, अनुवाद, संपादन से जुड़ी हुई हैं, उनकी 20 पुस्तकें प्रकाशित हैं। वे पहले भी सृजन संवाद के मंच पर आ चुकी हैं एवं मंच की सम्मानित सदस्य हैं। आज वे अपनी नई किताब पर बात करने के लिए उपस्थित हैं। ये बातें रिसर्च स्कॉलर अश्वनि तिवारी ने उनके परिचय में बताईं। किताब पर चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए तीस साल से मिरांडा हाउस से जुड़ी डॉ. बलवंत कौर उपस्थित हैं। मिस कौर आलोचक, अनुवादक तथा संपादक हैं। हिंदी, इंग्लिश, पंजाबी, उर्दू की जानकार डॉ. कौर ने राजेंद्र यादव रचनावली के 15 खंडों का संपादन किया है।

डॉ. बलवंत कौर

डॉ. रेखा सेठी

डॉ. कौर के आग्रह पर सर्वप्रथम डॉ. सेठी ने संग्रह की प्रथम कहानी -अंतिम दिन- के कुछ अंशों का पाठ किया। प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने अनुवाद के दौरान आने वाली कठिनाइयों एवं चुनौतियों पर चर्चा की। लिथुआनी भाषा इंग्लिश की बनिस्बत हिंदी के निकट है। अनुवाद इंग्लिश से हुआ है, लिथुआनिया भाषा से नहीं मगर मूल और इंग्लिश दोनों को सामने रख कर किया गया है। इस कार्य में उन्हें लिथुआनिया की राजदूत दियाना से काफी सहायता मिली। नामों की देवनागरी में सही वर्तनी केलिए मारिया पुरी सहायक बनीं। इसी बीच लेखक से साहित्य अकादमी में मिस सेठी को लेखक से मिलने का अवसर मिला। उनसे ईमेल से अनुवाद के दौरान कई बार विचार-विमर्श हुआ।

किताब पढ़ कर खूब तैयारी के साथ आई डॉ. कौर बीच-बीच में कहानियों पर महत्वपूर्ण टिप्पणी कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाती गईं। वक्ता ने अन्य लोगों के प्रश्नों का भी उत्तर दिया। उन्होंने बताया कि लेखक यारोस्लावास मेलनिकस ने महाभारत खरीद कर पढ़ा। वे उससे बहुत प्रभावित हुए। इस प्रभाव की पुष्टि खासतौर पर -अंत- कहानी से होती है। कहानी पढ़ते हुए फिल्म - क्यूरियस केस ऑफ बेंजामिन बटन- की याद आती है। यहां केंद्र में एक स्त्री है और कहानी का अंत एवं ट्रीटमेंट भी भिन्न है। मनमोहन चड्ढ़ा को ये कहानियां फंतासी लगीं, जो कि ये हैं। इस तरह संग्रह की सब कहानियों पर चर्चा हुई।

रोचक एवं सार्थक चर्चा को समेटते हुए डॉ. नेहा तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने कहा कि हिंदी पाठकों को इन कहानियों का रसास्वादन करना चाहिए।

इनकी उपस्थिति रही उल्लेखनीय

फेसबुक लाइव पर जमशेदपुर से डॉ. मीनू रावत, डॉ. नेहा तिवारी, अर्चना अनुपम, लखनऊ से डॉ. मंजुला मुरारी, बेंगलुरु से पत्रकार अनघा मारीषा, पुणे से सिने-समीक्षक-इतिहासकार मनमोहन चड्ढा, गोरखपुर से अनुराग रंजन, दिल्ली से रक्षा गीता, जौनपुर से अश्वनि तिवारी, झारखंड से प्रमोद कुमार बर्णवाल, देहरादून से शशिभूषण बडौनी, रामदयाल द्विवेदी आदि जुड़े। इनकी टिप्पणियों से कार्यक्रम और अधिक सफलता से समाप्त हुआ।

घाटशिला कॉलेज पहुंचे एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर

GHATSILA : घाटशिला कॉलेज में गुरुवार को एनसीसी-37 झारखंड बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर सह कोल्हान एनसीसी के कमांडर कर्नल विनय अहूजा पहुंचे। यहां उन्होंने एनसीसी परेड सहित तमाम पहलुओं का अवलोकन किया। इस मौके पर कर्नल अहूजा व प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी ने सीनियर कैडेट राजाराम हेम्ब्रम को अंडर अफसर का बैज लगाकर प्रोत्साहित किया। इस दौरान कॉलेज के एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट महेश्वर प्रमाणिक, डॉ. डीसी राम, प्रो. इंदल पासवान, डॉ. एसपी सिंह, डॉ. संदीप चंद्र, डॉ. संजेश तिवारी, डॉ. कुमार विशाल, प्रो. रामविनय श्याम, प्रो. पुंजिसा बेदिया, प्रो. मानिक मार्डी, प्रो. बसंती मार्डी आदि भी उपस्थित थे।

सर्दियों में स्किन का ख्याल रखता है गुड़, इन तीन तरीकों से करें इस्तेमाल

सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

ठंड के मौसम में हम सभी गुड़ का सेवन जरूर करते हैं। यह शरीर को गरमाहट प्रदान करता है। लेकिन क्या आपको पता है कि गुड़ ठंड के दिनों में आपकी स्किन का ख्याल भी रख सकता है। सर्दी के मौसम में जब आपकी स्किन रूखी व बेजान हो जाती है तो ऐसे में गुड आपकी स्किन को हाइड्रेटेड और ग्लोइंग बनाए रखता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपकी स्किन को मॉइश्चराइज़ करने के साथ-साथ उसे एक्सफ़ोलिएट और हील भी करता है।

गुड़ को आप कई अलग-अलग तरीकों से अपने विंटर स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि ठंड के दिनों में अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए आप गुड़ का इस्तेमाल किस तरह करें-

गुड़ और शहद से बनाएं फेस मास्क

ठंड के मौसम में अपनी स्किन की नमी को बनाए रखने और डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए आप गुड़ और शहद की मदद से फेस मास्क बनाकर इस्तेमाल करें।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़ पाउडर या कुचला हुआ

1 बड़ा चम्मच शहद

इस्तेमाल का तरीका-

सबसे पहले गुड़ को शहद के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें।

अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर 10-15 मिनट तक लगाएं।

अंत में, गुनगुने पानी से चेहरा धो लें और स्किन को मॉइश्चराइज करें।

गुड़ से बनाएं लिप बाम

ठंड के मौसम में होंठों के रूखेपन या फटने की समस्या बेहद आम है। ऐसे में आप गुड़ की मदद से लिप बाम बनाएं। यह आपके होंठों की नमी को बनाए रखने में मदद करेगा।

आवश्यक सामग्री-

1 चम्मच गुड़

1 चम्मच घी या नारियल का तेल

इस्तेमाल का तरीका-

गुड़ को घी या नारियल के तेल के साथ मिक्स करें।

अब इसे अपने होठों पर लगाएं।

आप हर दिन इसका इस्तेमाल कर सकती हैं और सर्दियों में भी होंठों को मुलायम बनाए रख सकती हैं।

गुड़ से बनाएं स्क्रब

गुड़ की मदद से स्क्रब भी बनाया जा सकता है। आप इसके साथ ओट्स या चीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आवश्यक सामग्री-

1 बड़ा चम्मच गुड़

1 बड़ा चम्मच पिसा हुआ ओट्स या चीनी

1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल

स्क्रब बनाने का तरीका-

सबसे पहले गुड़ को पिसे हुए ओट्स या चीनी के साथ मिक्स करें।

अब इसमें जैतून का तेल मिलाएं।

इसे अपने चेहरे या शरीर पर लगाकर मसाज करें और धो लें।

हेल्दी डाइट के बाद भी कम नहीं हो रहा बजन तो आज से ही शुरू कर दें यह काम, एक हफ्ते में दिखेगा असर

वेट लॉस करना चाहते हैं और इसके लिए एक्सरसाइज भी करते हैं। हेल्दी खाना भी खाते हैं। लेकिन फिर भी मनचाहा रिजल्ट नहीं मिल रहा। इसके लिए कई बार लाइफस्टाइल की बहुत छोटी बातें जिम्मेदार होती हैं। इस बारे में फिटनेस कोच शितिजा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया है और बताया कि कैसे वर्कआउट करने के बाद भी वजन कम नहीं हो रहा।

आखिर क्यों दिखता है बढ़ा हुआ वजन

अगर आपका वजन भी रोज एक किलो के करीब ज्यादा दिख रहा तो इसके लिए कई फैक्टर जिम्मेदार होते हैं।

-रात को हाई कार्बोहाइड्रेट वाला डिनर

-स्ट्रेस

-बहुत ज्यादा हैवी वर्कआउट, जिसकी वजह से मसल्स लॉस होने की बजाय स्ट्रेंथ पाती हैं।

-रात को देर से खाना

-पीरियड्स के दौरान भी कुछ महिलाओं का वजन बढ़ा हुआ दिखता है।

-अगर आपकी नींद ठीक से पूरी नहीं हो रही तो भी वेट गेन होगा।

-वेट नापते वक्त आपका पेट खाली होना चाहिए। अगर आप शौच के लिए जाने वाले हैं तो वजन ना तौलें। ऐसे वक्त में भी वेट ज्यादा दिखता है।

-ज्यादा नमक और सोडियम रिच फूड्स खाने की वजह से शरीर में वाटर रिटेंशन की प्रॉब्लम हो जाती है और वजन ज्यादा दिखने लगता है।

कैसे पता करें कि हो रहा वेट लॉस

-अगर आप वजन नापने वाली मशीन पर खड़े होने पर वजन घटा हुआ नहीं पाते तो घबराएं नहीं। रोज वजन घटने की बजाय बढ़ा हुआ दिख रहा तो इस तरह पता करें कि आपकी एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

-आपके कपड़ों की साइज बदल गई है और फिटिंग चेंज हो गई है।

-शरीर ज्यादा फ्रेश और स्ट्रांग महसूस करता है। जैसे कि सीढ़ियां चढ़ते वक्त या फिर वेट ट्रेनिंग करना अब पहले से आसान लगता है।

रोज-रोज वजन फलक्चुएट हो रहा लेकिन लंबे समय में वजन घटा है तो इसका मतलब है कि आपकी डाइट और एक्सरसाइज असर दिखा रही है।

स्वेटर-शॉल पर आ गए हैं रोएं तो निकालने के लिए अपनाएं ये तरीके

गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं।

दिसंबर और जनवरी का महीना आते-आते कई राज्यों में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है। सर्दी से बचने के लिए हम सभी ऊनी कपड़ों का सहारा लेते हैं। लेकिन गर्म कपड़ों में रोएं निकलने से हर कोई परेशान रहता है। एक-दो धुलाई के बाद वूलेन कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। जिसकी वजह से महंगे से महंगा कपड़ा पुराना नजर आने लगता है। लेकिन आप कुछ आसान हैक्स की मदद से आप इनको आसानी से हटा सकते हैं। इसके साथ ही आपको कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। जिससे कि इन कपड़ों में रोएं न लगें। वहीं रोएं की वजह से आपका कपड़ा खराब हो रहा है, तो आप कंघी वाली ट्रिक आजमा सकती हैं।

कपड़ों से क्यों निकलते हैं रोएं

कपड़ों को गलत तरीके से धोने या सुखाने से रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़े पहनकर सोने से भी कपड़ों में रोएं निकलने लगते हैं।

ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोने से रोएं भी निकलने लगते हैं।

सस्ती और खराब क्वालिटी का ऊन होने पर रोएं निकल सकते हैं।

कंघी से हटाएं रोएं

आप कंघी की मदद से भी वूलेन कपड़ों से रोएं हटा सकती हैं। सबसे अच्छी बात ये है कि इसमें किसी तरह का कोई खर्च नहीं आता है। आप रोएं वाली जगह पर कंघी को घुमाना होगा। ऐसे में कंघी में रोएं फंसकर साफ हो जाएंगे। ध्यान रखें कि रोएं निकालने के लिए पतली कंघी लेनी होगी।

इन ट्रिक्स से निकालें रोएं

आप पैकिंग टेप की सहायता से आसानी से रोएं निकाल सकते हैं। इसके लिए रोएं पर टेप लगाएं।

इसके अलावा वूलेन कपड़ों को विनेगर में भिगोकर रखें, इससे रोएं आसानी से निकल सकते हैं।

आप शेविंग रेजर की सहायता से भी रोएं निकाल सकते हैं। लेकिन ध्यान रखें कि रोएं निकालते समय कपड़े को कोई नुकसान न हो।

वहीं अगर आपके पास लिंट रिमूवर है, तो यह बेस्ट ऑप्शन होगा।

ऐसे धोएं ऊनी कपड़े

बता दें कि बहुत सारे लोग ऊनी कपड़ों को गर्म पानी से धोते हैं, जिसकी वजह से कपड़ों में रोएं निकल आते हैं। बल्कि गर्म पानी से धोने से इसकी बनावट भी खराब हो जाती है। इसलिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप वूलेन कपड़ों को गर्म पानी से धोएं। वहीं अगर आप वूलेन कपड़ों को वॉशिंग मशीन में धोते हैं, तो आपको वूल या डेलिकेट मोड ऑन करें। अगर आप हाथ से इन कपड़ों को धोते हैं, तो ज्यादा बेहतर रहेगा। गर्म कपड़ों को सही तरीके से धोने से गर्म कपड़ों में रोएं की कोई परेशानी नहीं होती है।

साइकल चलाते समय न करें ये गलतियां

अधिकतर लोग खुद को फिट रखने के लिए साइकिल चलाना पसंद कर रहे है और फिटनेस के लिए इसे अपनी रूटीन में शामिल कर रहे है। वैसे भी फिट और एक्टिव रहने के लिए साइकिल चलाना बेस्ट माना जाता है। यदि नियमित रूप से साइकिल चलाई जाए तो इससे बॉडी की पूरी एक्सरसाइज होती है। और टोन्ड और परफेक्ट फिगर पा सकते है। लेकिन साइकिल चलाते वक्त कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। वरना सेहत से जुड़ी अन्य समस्या हो सकती हैं।

- कुछ लोगों की आदत होती है कि वे बार-बार पानी पीते है, ये बिलकुल अच्छी बात है लेकिन साइकिल चलाते समय अधिक मात्रा में पानी नहीं पीना चाहिए। क्योंकि साइकिल चलाते वक्त अधिक मात्रा में पानी पीया जाएं तो इससे मतली की समस्या होने लगती है। वहीं ज्यादा पानी पीने से बार-बार पेशाब आएगी। जिससे पेट में दर्द हो सकता है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त पानी न पीएं।
- साइकिल चलाना फिट रहने के लिए एक बेस्ट विकल्प है। इसलिए साइकिल चलाते वक्त फास्ट फूड या फिर जंक फूड से दूरी रखना ही बेहतर होता है, क्योंकि अनहेल्दी खाने से शरीर में फेट बढ़ता है। इससे आप सुस्त महसूस करेंगे।
- साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। वैसे आमतौर पर वर्कआउट से पहले स्टेचिंग की सलाह दी जाती है। लेकिन साइकिल चलाने से पहले स्ट्रेचिंग न करें। इससे मांसपेशियां कमजोर हो सकती है और उनमें खिंचाव आ सकता है। यदि आप स्टेचिंग करना चाहते है तो कम से कम आधे घंटे पहले करें।
- कई बार ऐसा होता है कि हम साइकिल राइड को मजेदार बनाने के लिए स्टंट करना शुरू कर देते हैं। इससे एक्सीडेंट होने की संभावना अधिक रहती है।

सर्दियों में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं

सर्दियों के दौरान हरी सब्जियां खाना काफी पौष्टिक माना जाता है। पालक खाना सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती। ठंड के मौसम में लहसुनी पालक का लुत्फ उठाएं, स्वाद इतना गजब सब करेंगे तारीफें।

ठंड के मौसम में साग, पालक और मेथी की सब्जी खूब खाई जाती है। सब्जी मंडी में इस समय पूरे बाजार में हरी सब्जियां नजर आती है। हरी सब्जियां सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। पालक के सेवन करने से शरीर को कई पोषक तत्व मिलते हैं। पालक में भरपूर न्यूट्रिशन पाए जाते हैं। इसमें आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, कैल्शियम, प्रोटीन और फाइबर मौजूद होता है। इस विंटर सीजन में लहसुनी पालक की सब्जी बनाएं, जो स्वाद और हेल्थ के लिए बढ़िया है। आइए आपको लहसुनी पालक रेसिपी बताते हैं।

लहसुनी पालक बनाने के लिए हमें क्या चाहिए?

- 1 बड़ा कटोरा पालक, उबालकर कटा हुआ
- 1 बड़ा चम्मच घी
- 1/4 छोटा चम्मच जीरा
- 2 बड़ा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 छोटा कटा प्याज
- 1 चम्मच कटी हरी मिर्च
- 2 साबुत सूखी लाल मिर्च
- 1/4 चम्मच हल्दी पाउडर
- 1/4 चम्मच मिर्च पाउडर
- स्वादानुसार नमक

तड़का के लिए

- 1 बड़ा चम्मच शुद्ध घी
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 1 छोटा चम्मच कटा हुआ लहसुन
- 1 साबुत सूखी लाल मिर्च
- कटा हुआ टमाटर

लहसुनी पालक कैसे बनाएं

- सबसे पहले आप एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, कटा हुआ लहसुन और साबुत सूखी लाल मिर्च डालें। कुछ समय तक भूने, फिर आप कटा हुआ प्याज डालें, जब तक यह ग्लोडन ब्राउन न हो जाए।

- अब कटी हुई हरी मिर्च, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर डालें। कुछ सेकंड के लिए भूनें, फिर कटा हुआ पालक और स्वादानुसार नमक डालें। कुछ मिनट तक भूनते रहें, और परोसने के बर्तन में निकाल लें।

- फिर आफ तड़का के लिए शुद्ध घी, जीरा, कटा हुआ प्याज और साबुत सूखी लाल मिर्च के साथ तड़का तैयार करें। जब तक लहसुन सुनहरा भूरा ने हो जाए तब तक इसे भूनें।

- अब आप इस तैयार किए हुए तड़के को लहसुनी पालक में डाल दीजिए और कटे हुए टमाटर से गार्निश करें।

आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26: आत्मनिर्भर भारत की विकास का नया अध्याय

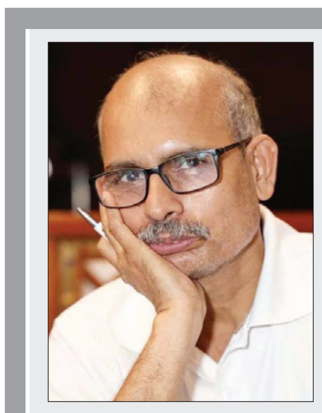

विनोद कुमार सिंह

भारत की अर्थव्यवस्था ने बीते वर्षों में जिस प्रकार वैश्विक संकटों, महामारी के प्रभावों और अंतरराष्ट्रीय अस्थिरताओं के बावजूद स्थिरता बनाए रखी है,वह अपने आप में प्रेरणादायी है। सर्वेक्षण बताता है कि भारत अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक विकास का एक प्रमुख इंजन बनता जा रहा है।

भारत की आर्थिक विकास यात्रा केवल आँकड़ों और बजट घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उस राष्ट्र की जीवंत कथा है जो निरंतर संघर्ष,नवाचार और आत्मविश्वास के सहारे वैश्विक मंच पर अपनी पहचान को मजबूत करता जा रहा है।वित्त मंत्रालय द्वारा जारी भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 इसी विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है,जो न केवल देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करता है, बल्कि भविष्य की संभावनाओं, चुनौतियों और अवसरों की स्पष्ट रूपरेखा भी प्रस्तुत करता है।आर्थिक सर्वेक्षण किसी भी देश के लिए एक दर्पण की तरह होता है, जिसमें बीते वर्ष की उपलब्धियाँ, आर्थिक सुधारों की दिशा और आने वाले वर्षों की विकास रणनीति प्रतिबिंबित होती है। वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण भारत की उस परिवर्तनशील तस्वीर को सामने लाता है,जहाँ देश तेजी से विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति को सुदृढ़ कर रहा है।

भारत की अर्थव्यवस्था ने बीते वर्षों में जिस प्रकार वैश्विक संकटों, महामारी के प्रभावों और अंतरराष्ट्रीय अस्थिरताओं के बावजूद स्थिरता बनाए रखी है,वह अपने आप में प्रेरणादायी है। सर्वेक्षण बताता है कि भारत अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक विकास का एक प्रमुख इंजन बनता जा रहा है।

देश की आर्थिक वृद्धि दर में निरंतर मजबूती देखी गई है। विनिर्माण, सेवा क्षेत्र,कृषि,डिजिटल अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढाँचे में हो रहे तीव्र निवेश ने भारत की विकास गति को नई ऊर्जा दी है। आर्थिक सर्वेक्षण यह संकेत देता है कि भारत आने वाले वर्षों में विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा।

इस सर्वेक्षण में सरकार की नीतियों और सुधारों का विशेष उल्लेख है, जिन्होंने निवेश वातावरण को अधिक अनुकूल बनाया है। 'मेक इन इंडिया' ,'आत्मनिर्भर भारत', 'डिजिटल इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' .जैसी पहलों ने भारत को नवाचार और उद्यमिता का वैश्विक केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारत की अर्थव्यवस्था पिछले कई वर्षों से वैश्विक मंदी और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बीच भी मजबूत गति से आगे बढ़ रही है। वित्त मंत्रालय द्वारा 29 जनवरी 2026 को संसद में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 देश की आर्थिक प्रगति का विश्लेषण करता है और भविष्य के संभावित विकास मार्ग को स्पष्ट करता है।यह दस्तावेज न केवल आंकड़ों का संकलन है,बल्कि नीति निर्धारण और रणनीतिक सोच का मार्गदर्शक भी है।मैंने अपने इस आलेख में मुख्यतः जी डी पी विकास दर, प्रमुख आर्थिक सेक्टरों के योगदान और सतत विकास की चुनौतियों पर चर्चा की जा रही है। भारत की जी डी पी विकास दर एक सकारात्मक परिदृश्य प्रस्तुत करती है। सर्वेक्षण और सरकारी अनुमानों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविक विकास दर करीब 7.4% रहने का अनुमान है,जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक गतिशीलता दशार्ता है।यह अनुमान सांख्यिकी मंत्रालय की प्रथम अग्रिम अनुमान रिपोर्ट से लिया गया है,जिसमें जी डी पी वृद्धि दर को 7.4% बताया गया है।इससे पहले कई अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने 6.3% से 6.8% की रेंज का अनुमान जताया था,लेकिन वास्तविक आंकड़ों और आर्थिक गतिविधियों के आधार पर यह रफ्तार बढ़ी है।इस 7.4% वृद्धि दर का अर्थ यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की प्रमुख बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी बनी हुई है,खासकर जब अन्य उभरती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम है।यह वृद्धि घरेलू खपत, निवेश,विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की मजबूती के कारण संभव हुई है।आर्थिक ढाँचे की दृष्टि से जी डी पी की कुल वृद्धि को प्रभावित करने वाले प्रमुख सेक्टरों के आंकड़े आर्थिक सर्वेक्षण और सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट पर आधारित हैं। इनके माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि भारत की आर्थिक वृद्धि केन्द्रित और संतुलित है, न कि केवल एक या दो क्षेत्रों तक सीमित।सेवा क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण स्तंभ है।सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में सेवाओं का योगदान जी डी पी में सबसे ऊँचा रहा और यह क्षेत्र लगभग 9.9% की वृद्धि दर से आगे बढ़ा।इसमें वित्तीय सेवाएँ, रियल एस्टेट,पेशेवर सेवाएँ और प्रशासनिक सेवाएँ शामिल हैं। व्यापार,होटल,परिवहन और संचार जैसे सेवा क्षेत्रों ने भी 7.5% से अधिक वृद्धि दर दर्ज की।यह उच्च वृद्धि इस बात को दशार्ती है कि भारत में घरेलू मांग मजबूत है और उपभोक्ता खर्च तथा डिजिटल और वित्तीय सेवाओं के उपयोग में वृद्धि ने अर्थव्यवस्था की धुरी को और मजबूत किया है।डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत की आर्थिक शक्ति का नया आधार बन चुकी है।यूपीआई,डिजिटल भुगतान, ई-गवर्नेंस और स्टार्टअप संस्कृति ने भारत को तकनीकी नेतृत्व की ओर अग्रसर किया है।डिजिटल सेवाओं का विस्तार केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा,बल्कि ग्रामीण भारत भी डिजिटल परिवर्तन की मुख्यधारा से जुड़ रहा है।भारत में विनिर्माण और निर्माण क्षेत्रों का विकास भी संतोषजनक रहा है। इन दोनों सेक्टरों का संयुक्त वृद्धि दर लगभग 7.0% दर्ज किया गया है,जिससे यह स्पष्ट होता है कि भारत की उत्पाद-आधारित वृद्धि में निरंतर सुधार हो रहा है। इसका विश्लेषण यह दिखाता है कि प्रधानमंत्री 'मेक इन इंडिया' पहल और उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का असर वास्तविक अर्थव्यवस्था में दिखाई दे रहा है। इन पहलों ने घरेलू विनिर्माण को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत को मजबूत स्थिति प्रदान की है।निर्माण क्षेत्र में भी तेज गति से विस्तार हुआ है। आवास, स्मार्ट सिटी परियोजनाएँ,सड़क और रेलवे नेटवर्क का विकास भारत की आधारभूत संरचना को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहा है। इससे न केवल निवेश आकर्षित हो रहा है, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं।कृषि क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है।वित्तीय वर्ष 2025-26 में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की वृद्धि दर लगभग 3.1% रही, जो पिछले वर्षों की तुलना में स्थिरता का संकेत है।हालांकि कृषि का योगदान जी डी पी में सेवा और विनिर्माण की तुलना में कम है,इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण मांग का समर्थन,खाद्यान्न आपूर्ति की स्थिरता और ग्रामीण रोजगार में वृद्धि कृषि क्षेत्र की विशेष भूमिका को दशार्ते हैं।सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने,सिंचाई परियोजनाओं के विस्तार,कृषि तकनीक के उपयोग और ग्रामीण बाजारों को सशक्त बनाने के प्रयास इस क्षेत्र को भविष्य में और मजबूत करेंगे।उपयोगिता सेवाओं जैसे बिजली, गैस,जल आपूर्ति और संबंधित क्षेत्रों में भी वृद्धि दर्ज की गई है,हालांकि यह लगभग 2.1% रही।यह अपेक्षित है क्योंकि इस क्षेत्र की वृद्धि आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी होती है।ऊर्जा क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देकर भारत हरित विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।जी डी पी विकास दर के अलावा आर्थिक सर्वेक्षण ने कुछ अन्य प्रमुख संकेतक भी सामने रखे हैं, जो समग्र आर्थिक स्वास्थ्य को दशार्ते हैं। वास्तविक निजी अंतिम उपभोग व्यय में वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 7.0% की वृद्धि दर्ज हुई,जो उपभोक्ता खर्च की उच्च गति का संकेत है।इसके अलावा स्थिर पूंजी निर्माण में लगभग 7.8% की वृद्धि हुई, जो निवेश गतिविधियों में सुधार का सूचक है। इससे यह स्पष्ट होता है कि न केवल उपभोक्ता मांग मजबूत है, बल्कि उद्योगों द्वारा पूंजीगत निवेश भी बढ़ रहा है,जो दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है।आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत में पूंजीगत व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। सरकारी निवेश 2018 से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक लगभग 4.2 गुणा बढ़ा है।राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार,उच्च-गति मार्गों का निर्माण और डिजिटल नेटवर्क का विस्तार अर्थव्यवस्था की सामयिक क्षमता को बढ़ा रहे हैं। इन बुनियादी ढाँचों के विस्तार से लॉजिस्टिक्स लागत में कमी, कारोबार में सुगमता और रोजगार सृजन को प्रोत्साहन मिलता है,जो दीर्घकालिक उत्पादकता के लिए केंद्रीय है।भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने में सफलता अर्जित की है। पिछले वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति 4.9% के आसपास रही, जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित लक्ष्य के पास थी और यह आर्थिक स्थिरता का संकेत है। इसके अतिरिक्त विदेशी निवेश, निर्यात और व्यापार संतुलन में सुधार की दिशा में भी कदम उठाए गए हैं,जिससे भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत हुई है। भारत आज वैश्विक निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बन चुका है। हालांकि आर्थिक सर्वेक्षण में सकारात्मक रुझान दिखाई देता है, लेकिन कुछ चुनौतियाँ भी उभर कर सामने आई हैं।वैश्विक बाजार की अस्थिरता,ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव कुछ जोखिम कारक हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल सकते हैं।परंतु सरकार द्वारा लगातार नीतिगत सुधार,बाजार- सशक्तिकरण और निवेश-उन्मुख उपायों से इन जोखिमों को कम करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।संक्षेप में भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण 2025- 26 यह स्पष्ट करता है कि भारत विश्व की प्रमुख तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है।जी डी पी वृद्धि दर का 7.4% तक पहुँचना, सेवा एवं विनिर्माण क्षेत्रों की मजबूती, कृषि की स्थिर प्रगति, निवेश एवं पूंजीगत व्यय की उच्च गति और बुनियादी ढाँचे में उल्लेखनीय विस्तार यह दशार्ते हैं कि भारत ने आत्मिक विकास,आर्थिक संतुलन और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के तीनों स्तंभों पर मजबूत प्रगति की है।

यह सर्वेक्षण केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि एक सुधरे हुए, समावेशी और दीर्घकालिक विकास मार्ग का मार्गदर्शक है,जो आर्थिक निर्णयों, बजट नीतियों, निवेश योजनाओं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के लिए आधार प्रदान करता है।आज भारत सफलता के पथ पर अग्रसर है,एक ऐसा भारत जो आत्मनिर्भर, प्रगतिशील और वैश्विक चुनौतियों के प्रति सक्षम है। विकसित भारत का सपना अब केवल लक्ष्य नहीं,बल्कि ठोस प्रयासों और निरंतर प्रगति के माध्यम से साकार होता दिखाई दे रहा है।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

संपादकीय

भारत-यूरोप 'मदर डील'

अंततः भारत और यूरोपीय संघ ने साझा इतिहास रच दिया। करीब 19 साल की माथापच्ची, उधेड़बुन, असमंजस, सवाल समाप्त हुए और दोनों लोकतांत्रिक शक्तियां ह्यमदर डीलह्ल पर सहमत हुईं। आपस में हस्ताक्षर कर दिए गए और दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर ने इस सर्वाधिक व्यापक ह्यमुक्त व्यापार समझौतेह्ल (एफटीए) की घोषणा कर नई विश्व-व्यवस्था की बुनियाद रख दी। व्यापक और विश्व व्यवस्था परिवर्तनकारी इसलिए माना जा सकता है, क्योंकि पहली बार 193 करोड़ से अधिक की आबादी एक एफटीए के दायरे में होगी। भारत-यूरोप की अर्थव्यवस्था दुनिया की जीडीपी की 25 फीसदी है और दुनिया का एक-तिहाई व्यापार दोनों के बीच है, जिसे 2032 तक 40 लाख करोड़ रुपए तक ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है। यूरोपीय संघ विश्व की दूसरी (27 देशों को मिला कर) और भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लिहाजा यह ह्यमदर डीलह्ल ही है। इस एफटीए से अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की ह्यटैरिफ दादागीरीह्ल का बड़ा रचनात्मक और शालीन जवाब दिया गया है। इसके अलावा, चीन के समानांतर भारत को ह्यइनोवेशन एंड मैन्यूफैक्चरिंग हबह्ल बनाने का लक्ष्य तय कर चीनी वर्चस्व को भी चुनौती दी गई है, लिहाजा वाकई यह ह्यमदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्सह्ल है। चीन में करीब 1700 यूरोपीय कंपनियां सक्रिय हैं। क्या अब वे भारत शिफ्ट हो सकती हैं? इसकी प्रबल संभावना बन गई है। गौरतलब यह है कि जब 2027 में यह एफटीए यूरोप के सभी 27 देशों में लागू हो जाएगा, तब भारत के 99 फीसदी से अधिक उत्पाद, सामान या तो ह्यटैरिफ-मुक्तह्ल होंगे अथवा रियायती शुल्क ही देना पड़ेगा। मसलन-जैतून का तेल, वनस्पति तेल, ऑप्टिकल उपकरण, मशीनरी, रासायनिक एवं सर्जिकल उपकरण, फार्मा (खासकर जेनेरिक दवाएं), वस्त्र, रत्न-आभूषण, चमड़ा एवं जूते-चप्पल, चॉकलेट, पास्ता आदि लंबी सूची है। अधिकतर उत्पादों और उपकरणों को ह्यटैरिफ-मुक्तह्ल तय किया गया है। करीब 2 ट्रिलियन डॉलर के यूरोपीय बाजार में 2030 तक भारतीय उत्पादों का निर्यात 300 अरब डॉलर तक ले जाने का भी लक्ष्य रखा गया है।

चिंतन-मनन

एकता में भाषा भी अवरोध

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, उसे भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है. अपनी भाषा के प्रति आकषर्ण होना अस्वाभाविक नहीं है और मातृभाषा व्यक्ति के बौद्धिक विकास का सशक्त माध्यम बन सकती है, इसमें कोई संदेह नहीं. पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकषर्ण होता है, उतना ही आकषर्ण दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है? हमारे पूर्वाचर्यों ने एकता की सर्वोत्तम कसौटी प्रस्तुत की थी। वह है-जो तुम्हारे लिए प्रतिकूल है, वह तुम दूसरों के लिए मत करो। हमारा भाषाई प्रेम उस सीमा तक ही होना चाहिए जहां दूसरों के भाषाई प्रेम से उसकी टक्कर न हो। हर प्रांत का अपना भाषाई प्रेम है।

उनके पारस्परिक संपर्क के लिए एक जैसी भाषा भी अपेक्षित होती है, जो उनके प्रेम को अक्षुण्ण रखते हुए एक-दूसरे को मिला सके। वह राष्ट्रीय भाषा होती है। प्रांतीय भाषा के प्रेम को इतना उभार देना कैसे उचित हो सकता है, जिससे प्रांतीय और राष्ट्रीय भाषाओं में परस्पर टकराहट पैदा हो जाए। राष्ट्रीय एकता के लिए इस विषय पर गंभीर चिंतन आवश्यक है। भाषा की समस्या को मैं सामयिक समस्या मानता हूं। इस समस्या को कभी-कभी उभार दिया जाता है और यह राष्ट्रीय एकता के लिए चुनौती बन जाती है। फिर भी इसमें स्थायित्व नहीं है। इसके आकषर्ण की एक सीमा है। यह लंबे समय तक जनता को आकृष्ट किए नहीं रख सकती। आर्थिक-सामाजिक वैषम्य तथा जातीय और सांप्रदायिक वैमनस्य राष्ट्रीय एकता की स्थाई समस्याएं हैं। इनका समाधान हुए बिना राष्ट्रीय एकता का आधार मजबूत नहीं हो सकता। क्या हित-सिद्धि के भेद की भित्ति पर अभेद का प्रासाद खड़ा किया जा सकता है? क्या हीनता और उच्चता की उबड़-खाबड़ भूमि पर एकता के रथ को ले जाया जा सकता है? ऐसे कभी नहीं हो सकता।

हिंसा के दौर में गांधी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता

योगेश कुमार गोयल

02 अक्तूबर 1869 को पोरबंदर में जन्मे महात्मा गांधी जीवन पर्यन्त देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अविस्मरणीय योगदान से पूरी दुनिया सुपरिचित है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायकों में से एक महात्मा गांधी का आज 78वां बलिदान दिवस है, जिनकी 30 जनवरी 1948 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अहिंसा की राह पर चलते हुए भारत को ब्रिटिश गुलामी से मुक्ति दिलाने वाले गांधी जी ने पूरी दुनिया को अपने विचारों से प्रभावित किया था। अपने अनुभवों के आधार पर उन्होंने कई किताबें लिखी, जो हमें आज भी जीवन की नई राह दिखाती हैं क्योंकि उनके ये अनुभव, उनके विचार आज भी उतने ही सार्थक हैं, जितने उस दौर में थे। सही मायनों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी देश के करोड़ों युवाओं के पथ प्रदर्शक हैं। उनके जीवन के तीन महत्वपूर्ण सूत्र थे, जिनमें पहला था सामाजिक गंदगी दूर करने के लिए झाड़ू का सहारा। दूसरा, जाति-पाति और धर्म के बंधन से ऊपर उठकर सामूहिक प्रार्थना को बल देना। तीसरा, चरखा, जो आगे चलकर आत्मनिर्भरता और एकता का प्रतीक माना गया। गांधी जी प्रायः कहा करते थे कि प्रसन्नता ही एकमात्र ऐसा इत्र है, जिसे आप दूसरों पर डालते हैं तो उसकी कुछ बूंदें आप पर भी गिरती हैं। वे कहते थे कि किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कपड़ों से नहीं, उसके चरित्र से होती है। दूसरों की तरक्की में बाधा बनने वालों और नकारात्मक सोच वालों में सकारात्मकता का बीजारोपण करने के उद्देश्य से ही उन्होंने कहा था कि आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को ही अंधा बना देगी। लोगों को समय की महत्ता और समय के सही सदुपयोग के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा था कि जो व्यक्ति समय को बचाते हैं, वे धन को भी बचाते हैं और इस प्रकार बचाया गया धन भी कमाए गए धन के समान ही महत्वपूर्ण है। वह कहते थे कि आप जो कुछ भी कार्य करते हैं, वह भले ही कम महत्वपूर्ण हो सकता है किन्तु सबसे महत्वपूर्ण यही है कि आप कुछ करें। लोगों को जीवन में हर दिन, हर पल कुछ न कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित करते हुए गांधी जी कहा करते थे कि आप ऐसे जिएं, जैसे आपको कल मरना है लेकिन सीखें ऐसे कि आपको हमेशा जीवित रहना है। उनकी बातों का देशवासियों के दिलोदिमाग पर गहरा असर होता था।

महात्मा गांधी के विचारों में ऐसी शक्ति थी कि विरोधी भी उनकी तारीफ किए बगैर नहीं रह सकते थे। ऐसे कई किस्से भी सामने आते हैं, जिससे उनकी ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता की स्पष्ट झलक मिलती है। एक बार महात्मा गांधी सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। सरोजिनी नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देखकर गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। सरोजिनी नायडू का ध्यान जब इस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और कहने लगी, 'आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?' इस पर बापू ने जवाब दिया, 'आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊं?'

जिस समय द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ, उस समय देश के अधिकांश नेता इस बात के पक्षधर थे कि देश को अंग्रेजों से आजाद कराने का अब बिल्कुल सही मौका है और इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाते हुए उन्हें इस समय देश में बड़े पैमाने पर आन्दोलन छेड़ देना चाहिए। दरअसल उन सभी का मानना था कि अंग्रेज सरकार द्वितीय विश्व युद्ध में व्यस्त रहने के कारण भारतवासियों के इस आन्दोलन का सामना नहीं कर पाएगी और आखिरकार उसे उनके इस राष्ट्रव्यापी आन्दोलन के समक्ष सिर झुकाना ही पड़ेगा और इस प्रकार अंग्रेजों को भारत को स्वतंत्र करने पर बड़ी आसानी से विवश किया जा सकेगा। जब यही बात गांधी जी के सामने उठाई गई तो उन्होंने अंग्रेजों की मजबूरी से फायदा उठाने से इन्कार कर दिया। हालांकि उस दौरान अंग्रेजों के खिलाफ गांधी जी ने आन्दोलन तो जरूर चलाया लेकिन उनका वह आन्दोलन सामूहिक न होकर व्यक्तिगत स्तर पर किया गया आन्दोलन ही था।

कुष्ठ रोग के खिलाफ सरकार की निर्णायक लड़ाई, जागरूकता, इलाज और सम्मान की ओर भारत

कांतिलाल मांडोत

कुष्ठ रोग जिसे हैनसेन रोग भी कहा जाता है, मानव इतिहास की सबसे पुरानी बीमारियों में से एक है, लेकिन दुर्भाग्यवश आज भी यह बीमारी केवल स्वास्थ्य की नहीं बल्कि सामाजिक सोच की भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्ति को बीमारी से ज्यादा उस भेदभाव, उपेक्षा और सामाजिक अलगाव का सामना करना पड़ता है, जो अज्ञानता और भय से जन्म लेता है। इसी सोच को बदलने और समाज को यह संदेश देने के लिए कि कुष्ठ रोग पूरी तरह इलाज योग्य है, भारत में हर वर्ष 30 जनवरी को राष्ट्रीय कुष्ठ रोग दिवस मनाया जाता है। यह दिन महात्मा गांधी की पुण्यतिथि से जुड़ा है, जिन्होंने अपने जीवन में कुष्ठ रोगियों के साथ न केवल सहानुभूति दिखाई बल्कि उनके सम्मान और पुनर्वास के लिए भी लगातार काम किया।

विश्व स्तर पर कुष्ठ रोग जागरूकता दिवस जनवरी के अंतिम रविवार को मनाया जाता है, जिसकी शुरूआत वर्ष 1954 में फ्रांसीसी मानवतावादी राउल फोलेरो ने की थी। भारत में इसे 30 जनवरी को मनाने का उद्देश्य गांधीजी के मानवीय मूल्यों और कुष्ठ रोगियों के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करना है। यह दिवस केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं है, बल्कि सरकार और समाज दोनों के लिए यह आत्ममंथन का अवसर है कि क्या हम वास्तव में कुष्ठ रोग से जुड़े सामाजिक कलंक को समाप्त कर पा रहे हैं या नहीं।

आज के भारत की बात करें तो कुष्ठ रोग की स्थिति पहले की तुलना में काफी बेहतर हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में इस समय लगभग 80 से 90 हजार सक्रिय कुष्ठ रोगी उपचाराधीन हैं। हर वर्ष करीब एक लाख से थोड़ा अधिक नए मामले सामने आते हैं, जो कुल वैश्विक मामलों का लगभग आधे से ज्यादा हिस्सा है। हालांकि यह आंकड़ा सुनने में बड़ा लग सकता है, लेकिन जनसंख्या के अनुपात में देखें तो भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर कुष्ठ रोग उन्मूलन की स्थिति हासिल कर ली है। इसका अर्थ यह है कि देश में प्रति दस हजार की आबादी पर एक से कम सक्रिय मामला है। फिर भी सरकार मानती है कि जब तक एक भी व्यक्ति इस बीमारी से पीड़ित है और सामाजिक भेदभाव का शिकार है, तब तक लक्ष्य पूरा नहीं हुआ माना जा सकता।

भारत सरकार पिछले कई दशकों से कुष्ठ रोग के खिलाफ सुनियोजित और निरंतर प्रयास कर रही है। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत सरकार का मुख्य जोर रोग की शीघ्र पहचान, समय पर मुफ्त इलाज और विकलांगता की रोकथाम पर है। कुष्ठ रोग का इलाज मल्टी ड्रग थेरेपी के माध्यम से किया जाता है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से देशभर में पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध है। यह इलाज न केवल रोग को ठीक करता है बल्कि संक्रमण को आगे फैलने से भी रोकता है। सरकार का यह स्पष्ट संदेश है कि कुष्ठ रोग कोई अभिशाप नहीं बल्कि एक सामान्य बैक्टीरियल संक्रमण है, जिसका समय पर इलाज होने पर व्यक्ति पूरी तरह स्वस्थ जीवन जी सकता है।

बीते कुछ वर्षों में सरकार ने कुष्ठ रोग की पहचान को और मजबूत करने के लिए कई नए कदम उठाए हैं। घर-घर जाकर सर्वेक्षण करना, उच्च जोखिम वाले इलाकों में विशेष खोज अभियान चलाना और संपर्क में आए लोगों की जांच करना इन प्रयासों का हिस्सा है। स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि और शिक्षक भी इस अभियान से जोड़े गए हैं, ताकि कोई भी संदिग्ध मामला छूट न जाए। सरकार का मानना है कि शुरूआती चरण में रोग की पहचान हो जाने से न केवल इलाज आसान होता है बल्कि स्थायी विकलांगता की संभावना भी लगभग समाप्त हो जाती है।

केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारें भी कुष्ठ रोग के खिलाफ अपनी भूमिका निभा रही हैं। कई राज्यों ने कुष्ठ रोग को अधिसूचित बीमारी घोषित किया है, जिससे हर मामले की रिपोर्टिंग अनिवार्य हो गई है। इससे आंकड़ों की पारदर्शिता बढ़ी है और इलाज की पहुंच बेहतर हुई है। स्वास्थ्य सेवाओं को आयुष्मान भारत और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को भी समय पर इलाज मिल सके। विशेष रूप से आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों पर सरकार का अतिरिक्त फोकस है, जहां आज भी जागरूकता की कमी के कारण रोग देर से पकड़ में आता है।

सरकार की नीति केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक पुनर्वास और सम्मानजनक जीवन भी इसका अहम हिस्सा है। कुष्ठ रोग से ठीक हो चुके लोगों के लिए कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार का यह प्रयास है कि रोग से मुक्त होने के बाद व्यक्ति को समाज में दोबारा स्वीकार किया जाए और उसे किसी भी प्रकार के भेदभाव का सामना न करना पड़े। इसी दिशा में भेदभावपूर्ण कानूनों को हटाने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए भी काम किया जा रहा है।

कुष्ठ रोग निवारण में जागरूकता की भूमिका सबसे अहम मानी जाती है। इसी उद्देश्य से हर वर्ष 30 जनवरी से 13 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान चलाया जाता है। इस दौरान देशभर में जनसभाएं, स्वास्थ्य शिविर, स्कूलों में कार्यक्रम और मीडिया के माध्यम से लोगों को यह बताया जाता है कि त्वचा पर सफेद या लाल चकत्ते, सुन्नपन या नसों में कमजोरी जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। नूंह जिले में इस वर्ष भी जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मिलकर इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी कर रहा है, ताकि एक भी मरीज इलाज से वंचित न रहे।

सरकार की प्रासंगिकता आज इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि सामाजिक सोच बदलने का काम केवल कानून या योजनाओं से नहीं होता। इसके लिए निरंतर संवाद, शिक्षा और संवेदनशीलता की जरूरत होती है। सरकार का प्रयास है कि कुष्ठ रोग को लेकर फैली भ्रांतियों को खत्म किया जाए और यह समझ विकसित की जाए कि रोगी नहीं बल्कि बीमारी से लड़ना है। जब समाज रोगियों को अपनाता है, तभी सरकार की योजनाएं भी पूरी तरह सफल हो पाती हैं। आज जब हम राष्ट्रीय कुष्ठ रोग दिवस मना रहे हैं, तब यह जरूरी है कि हम केवल आंकड़ों और योजनाओं तक सीमित न रहें। हमें यह समझना होगा कि कुष्ठ रोग के खिलाफ लड़ाई केवल स्वास्थ्य विभाग की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। सरकार ने अपनी भूमिका निभाते हुए मुफ्त इलाज, जागरूकता अभियान और पुनर्वास की मजबूत व्यवस्था खड़ी की है। अब समाज की बारी है कि वह भेदभाव को त्यागे और कुष्ठ रोग से प्रभावित हर व्यक्ति को सम्मान और समानता का अधिकार दे। यही इस दिवस का असली संदेश है और यही एक स्वस्थ, संवेदनशील और समावेशी भारत की पहचान भी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Mark Tully: The 'gora saheb' more Indian than the 'brown saheb'

In the late 1980s, Mark Tully went to the Delhi Gymkhana Club wearing a pyjama-kurta. He was stopped at the entrance for 'not being appropriately dressed'. The irony was delicious. Here was a pucca 'gora sahib', dressed as an Indian, being stopped from entering a club because he was not a 'brown sahib'. In a sense, this incident illustrates quite aptly what Tully sahib was: a Britisher more Indian than many elite Indians themselves.With his passing away on January 25 at the age of 90, I have lost a friend of almost four decades and one of the finest journalists India—and the world—has seen.

I first met Mark officially, as the pointsperson for foreign correspondents in the Ministry of External Affairs. But soon we became close friends, meeting often at my home or at his in Nizamuddin East, where he also had the then-rare commodity of Scotch whisky on offer.

In India, Mark Tully was an institution. For as long as people can remember, the reports filed by him were the touchstone of balanced and authentic news. It was because of him that BBC Radio acquired such unprecedented traction in India. If you wanted to know what was really happening, you had to tune in to the BBC because Tully Saheb would tell you the truth.There are foreigners who visit India, and there are a rare few who are visited by India—entered, unsettled, and finally claimed by it. Tully belongs decisively to the latter category. To understand his life and work is to understand a certain kind of enlightened curiosity: patient, unshowy, and deeply respectful of complexity. He was not a man who sought to explain India by casually defining it, but one who allowed himself to be instructed by it, even when it resisted easy comprehension.Born in British India in 1936 in Kolkata, Tully's earliest memories were shaped by the waning years of the British Raj. That inheritance could easily have become a burden—a lens clouded by nostalgia or superiority. Instead, Tully made a conscious and courageous choice to unlearn. When he returned to India as a journalist for the BBC, and later rose to become its bureau chief in New Delhi, he did so not as a custodian of imperial memory, but as a participant in an unfolding national story. India, for him, was not a posting. It was a vocation.

What distinguished Tully from many foreign correspondents was not merely longevity—though his decades-long engagement is remarkable—but temperament. He was not a parachutist, dropping in during moments of crisis and departing with neat conclusions. He stayed. He listened. He learned, and this gave his journalism a texture that was at once intimate and incisive.During tumultuous periods—most notably the Emergency of 1975-77—Tully emerged as a lucid and credible observer. His reporting did not thunder with outrage, nor did it lapse into apologetics. Instead, it posed uncomfortable questions: how could a democracy so vibrantly argumentative acquiesce to authoritarian suspension? What did this episode reveal about the fragility, but also the resilience, of Indian institutions?Tully understood that India's contradictions were not aberrations, but features of a civilisation negotiating modernity on its own terms. This sensibility found fuller expression in his books: No Full Stops in India, The Heart of India, and India in Slow Motion.

These books are not exercises in foreign fascination. They are meditations on continuity and change, faith and politics, aspiration and disenchantment. Tully was particularly drawn to rural India—not as a romantic refuge from modernity, but as the crucible where its consequences are most starkly felt. He wrote of villages grappling with development, of religious belief persisting amid economic uncertainty, of moral worlds that could not be easily mapped onto Western categories.

Ballots and uncertainty in the eastern neighbourhood

The future health of bilateral relations will hinge on New Delhi's ability to engage with a new generation of leaders.

THE year 2026 has opened with an unusually long chain of elections in India's neighbourhood, to the east of New Delhi. Altogether, approximately half a billion people in and around the Bay of Bengal will be witnessing ballot exercises. Nepal, Bangladesh, Myanmar and Thailand are all holding General Elections before March. And Assam and West Bengal will have new state legislatures elected by May.In some cases, elections hold much promise for political change and reform, especially in post-revolutionary Bangladesh and Nepal, where traditional leaders have faced the ire of Gen Z. Yet elections may also lead to unclear verdicts, hung parliaments, a leadership vacuum and a revival of revolutionary protests, all of which pose significant perils to political stability and India's regional interests.

From Kathmandu to Bangkok, this chain of elections is set against a challenging context of multiple socio-economic transitions. The Bay of Bengal region hosts one of the world's youngest populations, where, except for ageing Thailand, one in two citizens is under 30. In the case of Bangladesh and Nepal, the median age goes down to 25 (Assam 23).The region is now experiencing an economic slowdown after sustained growth over the last 25 years. While only Sri Lanka has, so far, witnessed a financial collapse, there are concerning indications about Bangladesh and Nepal's ability to achieve their middle-income targets. Consequently, the social elevator risks slowing down, squashing hopes of millions for employment and upward economic mobility.With one of the world's youngest populations, one should therefore not be surprised by growing political impatience and dissatisfaction across the region. Popular demands are rising, and the revolutions in Dhaka and Kathmandu indicate growing impatience and dissatisfaction with elections as a means of expressing discontent. On the supply side, the pressure on the state is piling up to deliver more, better and faster development solutions.Myanmar's General Elections in January are the first time since the 2021 military coup. The new electoral law disbanded the National League for Democracy and the country remains engulfed in a civil war, with the Tatmadaw struggling to control more than half of the territory. Due to the absence of significant opposition, the army-backed Union Solidarity and Development Party (USDP) is likely to consolidate power and delay democratisation.

Then, on February 8, Thai voters will return to the polls to elect their third Prime Minister in three years. Despite being one of Southeast Asia's top economies, Thailand's chronic political instability has hindered its escape from the middle-income trap. A hung parliament may well trigger another wave of mass protests, paralysing the

country and, once again, limit Bangkok's attention span for foreign policy, whether it is its Look West policy towards India and South Asia.

February will also see Bangladeshis cast their double vote for a new parliament and a referendum on the July Charter, which includes significant constitutional and electoral reforms. With the Awami League banned and the interim government on its way out, one thing is sure: the elections herald a new generational and ideological leadership, marked by the mobilisation of a young electorate (embodied by the National Citizens Party) and a conservative tilt driven by the Bangladesh Nationalist Party (BNP) and the Jamaat-e-Islami.

On March 5, Nepal will hold elections for a new federal legislature. It is, however, uncertain whether the ballot boxes will bring in a new parliament that embodies the revolutionary, youthful spirit of protests that swept the country last September against corruption and inequality. One-third of the voters are under 30 and a record number of parties are contesting, but former Prime Minister KP Oli and other old faces are working hard to return to power.Finally, before May, there will be two more elections to New Delhi's East, in Assam and West Bengal. With a total of 130 million people, these two states account for one-tenth of India's population and play a pivotal role in both Neighbourhood First and Act East policies. The new state legislatures in Guwahati and Kolkata will be increasingly involved in shaping the developmental and security terms of sub-regional connectivity, from migration to climate or trade and transit with the landlocked North-East.

For India's regional approach, this series of elections and political transitions will bring about two significant challenges for its Neighbourhood First policy. First, whoever takes on power, including so-called anti-India forces, Delhi will have to find pragmatic ways to double down on its regional economic and connectivity strategy. Interdependence is a hard sell these days. But across various sectors — from trade, energy and transportation infrastructure — India has achieved historic successes in implementing initiatives that were only dreamed of for decades. Whatever the difficulties, the focus must be on depoliticising connectivity for win-win development partnerships. India will have to develop a stronger policy and research ecosystem to assess neighbouring countries' developmental strategies and political economy.Second, India will have to engage with a variety of new political faces and forces that are bound to emerge to its east. The future health of bilateral relations will hinge on New Delhi's ability to engage with a new generation of leaders, many of whom have minimal knowledge about India and, in some cases, negative perceptions. This requires greater diplomatic capacity and tact on the ground, as well as continued non-governmental engagement through bilateral academic, industry, and other civil society Track 2 dialogues that can survive and thrive during times of political tension.

Cancer treatment costs expose limits of health safety net

The Tribune Editorial: The Lancet study's emphasis on social inequities should serve as a warning. and low awareness.

WHEN cancer strikes in India, it is not just the body that breaks down, the household economy collapses too. The stark contrast highlighted by a Lancet-flagged study, reported recently by The Tribune, lays bare this cruel arithmetic: an average monthly income of about Rs 11,000 versus cancer treatment costs that can touch Rs 93,000 for a single hospital visit. This is the lived reality for millions of poor and lower middle class families forced to choose between continuing treatment and financial survival. Despite the expansion of health insurance schemes such as Ayushman Bharat, out-of-pocket expenditure remains the dominant payment mode. Insurance ceilings, exclusions for advanced therapies, diagnostic costs and non-medical expenses — travel, lodging and loss of wages — together push families into debt, distress sales and, often, treatment abandonment.

The deeper problem is structural. Late diagnosis is common due to weak screening programmes and low awareness. By the time patients reach tertiary hospitals, the disease is advanced, treatment is prolonged and costs

escalate sharply. Geography compounds the burden: advanced oncology facilities are concentrated in cities, forcing patients to migrate temporarily for care. The crisis is particularly stark in Punjab's Malwa region, where cancer prevalence has risen alarmingly. Years of intensive farming, excessive pesticide use, industrial pollution and groundwater contamination have degraded the land, turning the state's breadbasket into a health hotspot and increasing exposure to carcinogens among rural communities.The Lancet study's emphasis on social inequities should serve as a warning. Those with the fewest resources bear the heaviest burden, financially and medically. To achieve the government's stated goal of universal health coverage, cancer care must move beyond insurance promises. Stronger public oncology infrastructure, realistic package rates, price regulation of essential drugs and investment in prevention and early detection are imperative. Without this, cancer will remain a pathway to impoverishment.

Can AI help India breathe easier

Artificial intelligence can fill gaps in anti-pollution efforts by providing predictive tools and corrective mechanisms. Trained on Indian data and adapted to Indian urban realities, AI-enabled systems can provide hyperlocal and national environmental intelligence. The tech exists, but it remains fragmented

Air pollution in India is not only a cause for episodic panic; it is a systemic failure whose costs are staggering—in lost lives, lost productivity, rising healthcare expenditure and irreversible damage to children's cognitive development. And despite decades of regulation, monitoring stations and court orders, the outcomes remain grim.The uncomfortable truth is that we are trying to solve a 21st-century problem with 20th-century tools. This is where artificial intelligence-led technology can offer India not a miracle cure, but something far more valuable—governance intelligence at scale.India's pollution control architecture suffers from three structural weaknesses. First, data poverty masquerading as data abundance. Most cities rely on a handful of regulatory-grade monitoring stations to represent millions of people. These stations are sparse and often provide averages that hide hyperlocal realities. Pollution does not distribute evenly. A school near a traffic junction, a construction site or an industrial boundary may experience pollution levels several times higher than a city-wide average.Second, reactive enforcement. Action is triggered only after pollution crosses thresholds. By the time bans are imposed, the damage is already done. Pollution control boards act like post-mortem examiners rather than preventive physicians.Third, institutionl silos. Transport departments do not speak to health departments; urban local bodies lack real-time feedback loops; citizens remain passive recipients of advisories rather than active participants in solutions.AI-led systems directly address all three failures. Hyperlocal sensing using low-cost, calibrated sensors allows pollution to be mapped at street, ward and neighbourhood levels—sometimes down to a few hundred metres. When combined with AI-driven calibration, sensor fusion and anomaly detection, these networks can achieve accuracy that is decision-grade, not merely indicative.But sensing alone is insufficient. The real leap comes from predictive intelligence. AI models trained on historical pollution data, weather patterns, traffic flows, industrial activity and land-use changes can forecast pollution spikes days in advance. This allows city administrators to act before air quality deteriorates—rerouting traffic, rescheduling construction, modifying industrial operations or issuing targeted health advisories.One of the least discussed advantages of AI is its ability to depoliticise enforcement. When pollution hotspots are algorithmically identified, violations can no longer hide behind averages or excuses. Construction sites exceeding dust thresholds, industries breaching emission norms, or roads generating abnormal particulate levels become visible in real time.AI-enabled dashboards can automatically trigger inspections, fines, or corrective actions—reducing discretion, delay and rent-seeking. Over time, this creates a culture where compliance is cheaper than violation.For municipal bodies struggling with manpower constraints, this is critical. AI does not replace officials; it amplifies their reach.

Air pollution is not only a regulatory problem; it is a civic one. AI-led platforms can democratise access to environmental intelligence. Citizens can receive personalised exposure advisories based on local air quality, and even get route suggestions based on cleaner air pathways. Parents can make informed decisions about outdoor activities for children; patients with respiratory illnesses can plan their day with precision.

More importantly, citizens can become sensors and

stakeholders, not just sufferers. Crowdsourced data, grievance reporting, and behavioral nudges—powered by AI—create feedback loops that strengthen governance rather than weaken it. This is where technology meets trust.The biggest gains from AI-led pollution control may lie outside the environment department. Health systems can anticipate spikes in respiratory admissions. Schools can adjust schedules proactively. Employers can redesign work hours during high-exposure periods. Insurers can price risk more accurately and incentivise preventive behaviour.In economic terms, cleaner air is not a luxury—it is a productivity multiplier. Even marginal reductions in pollution translate into billions saved in healthcare costs and lost workdays. AI enables these cross-sector linkages by acting as a shared intelligence layer across government.India does not lack pilots; it lacks platforms. Across the country, innovative pollution-tech solutions exist—some built by startups, some by academic institutions, some by civic entrepreneurs. But they remain fragmented, localised and often dependent on individual champions. What India needs is a national environmental intelligence backbone—interoperable, open and scalable—where states, cities and agencies plug in rather than reinvent the wheel. Just as digital public infrastructure transformed payments and identity, environmental intelligence must become a public good.Crucially, this system must be Indian by design—trained on Indian data, adapted to Indian urban forms and governed by Indian institutions. Outsourcing our environmental intelligence would be as dangerous as outsourcing our defence intelligence.

Gold crosses Rs 1.8 lakh, silver above Rs 4 lakh: 4 key reasons for the surge

New Delhi.(Agency)

Gold and silver extended their blistering rally on Thursday, with both metals hitting fresh all-time highs in domestic and global markets. Gold briefly crossed the Rs 1.8 lakh mark, while silver continued its exceptional climb above Rs 4 lakh per kg.The rally has been fuelled by global uncertainty, strong demand and powerful technical momentum that have kept precious metals on an unbroken upward run.

STRONG BUYING INTEREST

Gold has been gaining steadily, with every dip being bought aggressively. The upward trend remains firm, supported by a strong base around Rs 1,65,000 to Rs 1,66,000 and a stable rupee.Ponmudi R, CEO of Enrich Money, said gold continues to mirror global strength and that "every intraday dip is being absorbed aggressively, reinforcing the dominance of buyers."He added that a clear move above Rs 1,80,000 could open the path toward Rs 1,85,000 to Rs 1,90,000, with even Rs 2,00,000 becoming achievable if global momentum sustains.

SILVER CONTINUES TO OUTPERFORM GOLD

Silver has stayed firmly above the Rs 4 lakh mark, confirming the strength of its breakout. The trend remains steep, with markets buying every correction and keeping momentum strong.Prices above Rs 4,07,456 have maintained the bullish trajectory, and the metal now looks set to test Rs 4,08,000 to Rs 4,15,000, with a broader target of Rs 4,25,000 in the coming months.Traders continue to view dips toward Rs 3,50,000 to Rs 3,60,000 as long-term buying opportunities.

GLOBAL UNCERTAINTY

Gold has hit lifetime highs on global exchanges as geopolitical tensions, trade friction, debt concerns and the possibility of a US government shutdown push investors toward safe-haven assets.

Prices have risen above 5,600 dollars, touching 5,626 dollars earlier today. Strong central bank buying and ongoing global anxiety have ensured that gold remains in one of its most powerful bull phases in years.

SILVER DEMAND IS SURGING

FROM INDUSTRIES

Silver's performance has been supported by booming industrial demand from fast-growing sectors.

The metal is essential for solar modules, electric vehicles, advanced electronics, semiconductors, 5G equipment, AI-driven data centres and cloud infrastructure.This industrial lift has come at a time when global silver supply remains tight. Mine output has not kept up with rising demand, creating persistent supply deficits and amplifying each upward move.Ponmudi R said the global breakout in COMEX silver has only strengthened this trend.COMEX silver has surged to around 117.34 dollars and is consolidating after a strong breakout. The move above the 118 to 120-dollar psychological zone is now confirmed, and prices remain well above all key moving averages," he noted.He added that silver continues to outperform gold because it is powered by both structural industrial demand and cyclical safe-haven flows, with FOMO-driven buying adding further momentum.According to him, support lies around 115 to 116.50 dollars, and a sustained move above 118.50 to 120 dollars could open the way toward 125 to 140 dollars and beyond. He said the medium- to long-term outlook for 2026 remains "exceptionally bullish."

Stock markets decline in early trade after 2-day rally

MUMBAI.(Agency)

Benchmark equity indices Sensex and Nifty declined in early trade on Thursday after a two-day rally as investors turned cautious ahead of the Union Budget presentation on Sunday.The 30-share BSE Sensex dropped 343.67 points to 82,001.01 during initial trade.The 50-share NSE Nifty edged lower by 94.2 points to 25,248.55.From the 30-Sensex firms, Maruti declined nearly 3 per cent after its December quarter earnings failed to cheer investors.

Maruti Suzuki India on Wednesday posted 4 per cent increase in consolidated net profit at Rs 3,879 crore for the December quarter FY26, hit by one-time provision of Rs 594 crore on account of the new Labour Codes.Asian Paints, Titan, Tata Consultancy Services, Hindustan Unilever and Mahindra & Mahindra were also among the laggards.

However, Larsen & Toubro climbed over 3 per cent after its consolidated revenue from operations in the October-December quarter rose by 10 per cent to Rs 71,450 crore, over Rs 64,668 crore in the year-ago period.Tata Steel, NTPC, Power Grid and State Bank of India were also among the gainers.With the Union Budget due on Sunday, markets are bracing for volatility but downside appears limited; all eyes are on Finance Minister Nirmala Sitharaman for pro-growth cues," Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities Ltd, said.

Foreign institutional investors turned buyers on Wednesday after days of offloading stocks, according to exchange data.

They bought stocks worth Rs 480.26 crore.

Domestic Institutional Investors (DIIs) also bought equities worth Rs 3,360.59 crore.

In Asian markets, South Korea's Kospi and Hong Kong's Hang Seng index traded higher, while Japan's Nikkei 225 index and Shanghai's SSE Composite index quoted lower.

Tesla made smallest annual profit since the pandemic, plans to spend big on robotaxis and robots

NEW YORK.(Agency)

Tesla's annual profit plunged to its lowest level since the pandemic five years ago as it lost the title of the world's biggest electric vehicle maker to a Chinese rival and boycotts hammered sales.

The EV company run by Elon Musk reported Wednesday that net income last year dropped 46% to $3.8 billion. It was the second year in a row of steep declines.The drop came despite the introduction of cheaper models and Musk's promise to remain laser-focused on the company after a foray into U.S politics.Still, Tesla investors have kept the faith in Musk. The stock is up 9% in the past year.

Musk has been urging investors to focus less on car sales and more on what he considers a bright new artificial intelligence future of robotaxis ferrying millions in cars without drivers, or even steering wheels, and robots watering plants and taking care of elderly parents.On a conference call, Musk underlined that shift by announcing Tesla had decided to close down production of two older car models, S and X, in the second quarter and convert a Fremont, California, factory to produce its Optimus robots instead.Making those future ambitions a reality will take money. Officials said Tesla would spend big on AI and others new projects this year, more than doubling capital expenditures to $20 billion. And the company revealed it had recently invested $2 billion in the artificial intelligence company xAI, raising potential conflicts of interest issues as Musk holds big stakes in both companies.That AI business, known for its Grok AI assistant, has courted controversy for echoing Musk's views on race, gender, and politics and, recently, producing nonconsensual sexualized deepfake images.Tesla's fourth quarter profit also fell sharply, dropping 61% to $840 million, or 24 cents. But excluding one-time charges, net income totaled 50 cents per share, compared to analysts' forecasts of 45 cents.

US Fed pause brings calm: Indian markets seen opening cautious with mild upside bias

New Delhi.(Agency)

ndian equity markets are likely to respond with a cautious but mildly positive bias to the US Federal Reserve's decision to keep interest rates unchanged, as the outcome removes a major near-term global uncertainty without offering a strong trigger for an aggressive risk-on rally. The policy stance was widely anticipated, and therefore much of its impact has already been priced into global asset markets. For Indian investors, the significance lies less in the headline decision and more in the stability it brings to global financial conditions.Market participants expect the markets to open flat to slightly higher. In the immediate term, domestic indices such as the Sensex and Nifty are expected to open on a flat to slightly higher note, reflecting steady global cues rather than any surge in optimism. The absence of a rate hike eases fears of further tightening in global liquidity, which in turn supports risk assets. At the same time, the lack of a clear signal on the timing of future rate cuts limits the scope for a strong upside. As a result, market participants are likely to remain selective, focusing on stock-specific and sector-specific opportunities instead of broad-based buying, they say.Currency markets are expected to offer a modest tailwind. With the Federal Reserve maintaining the status quo, the US dollar is unlikely to strengthen sharply in the near term, providing some breathing room for emerging market currencies, including the Indian rupee. A relatively stable or mildly firmer rupee improves sentiment for equities by lowering imported inflation pressures and reducing concerns around external balances. However, any meaningful appreciation is likely to be capped by ongoing dollar demand from importers and by external repayment obligations.

Economic Survey 2026 pegs FY27 growth to be 6.8%–7.2%, higher than last year

India's economy expected to grow at 6.8%-7.2%, higher than last year's outlook: Economic Survey 2026

New Delhi.(Agency)

The Economic Survey 2025–26 is pegged on a cautiously optimistic outlook, projecting India's GDP growth at 6.8% to 7.2% for FY27. This is slightly higher than last year's Economic Survey 2024–25, which had projected 6.3% to 6.8% growth for FY26 and described the outlook as balancedThe latest forecast signals expectations of firmer domestic momentum driven by resilient consumption, public capex and improving economic fundamentals.The survey also highlighted that India's growth has held up even under adverse global conditions. It pointed out that the economy accelerated despite steep tariff hikes by the United States.Growth forecasts were revised downward after the US imposed 50% tariffs on several Indian exports in 2025, but actual performance beat expectations.According to the Survey, a series of structural reforms and targeted policy measures helped the economy absorb the external shock and sustain activity without a significant slowdown.

Still, the global backdrop remains fragile.The Economic Survey 2026 warned that risks to global economic growth continue to be significant. If the artificial intelligence boom fails to deliver the productivity boost currently assumed, elevated asset valuations could correct sharply, triggering broader financial stress.

Prolonged trade conflicts, it added, may further curb investment and weaken global growth. For now, stability is visible, but downside risks dominate.Commenting on the Survey, Sonam Srivastava, Founder and Fund Manager at Wright Research PMS, said the document signals a supportive macro-financial environment rather than major policy shifts. "The emphasis on balance sheet strength, improving asset quality and sustained credit growth suggests that banks and NBFCs enter FY27 from a position of resilience," she said.On growth, she added that the 6.8% to 7.2% projection reflects a realistic view of India's momentum in a volatile world. The outlook, she said, is "stable, not euphoric" — a tone that is constructive for long-term capital allocation.Against this backdrop, the survey argues that India remains better placed than most major economies, even as global uncertainties continue to shape the road ahead.

Amazon's global layoffs likely to impact nearly 500-700 jobs in India

New Delhi.(Agency)

Global technology major Amazon's latest round of job cuts will also have a bearing on its India operations, with around 500–700 employees expected to be impacted, according to sources familiar with the matter.

Amazon has announced yet another round of layoffs. This time the company is gearing to layoff around 16,000 employees globally. This comes on the back of the 14,000 employees being laid off in October last year.

In India the impact would be felt among teams at AWS (Amazon web Services) and the retails operations as well. "One of the reasons for the India impact may also be the fact that over the last 2-3 sales events, the company didn't get the right market output," said a source in the know.

An email sent to the Amazon India team did not comment on the India impact. The company shared the note from Beth Galetti, senior vice president of People Experience and Technology at Amazon. "The reductions we are making today will impact approximately 16,000 roles across Amazon, and we're again working hard to support everyone whose role is impacted," she said in the note. Galetti also added that this is not something the company intends to do on a regular basis. "That's not our plan. But just as we

always have, every team will continue to evaluate the ownership, speed, and capacity to invent for customers, and make adjustments as appropriate. That's never been more important than it is today in a world that's changing faster than ever," she said.India has emerged as one of Amazon's key global talent hubs over the past decade, housing large engineering, product development, and operations teams that support both domestic and international markets. According to the website Layoffs.fyi, in 2025 almost 269 companies globally laid off 123,941 employees.

Rupee sinks to lifetime low of Rs 92: Why is it falling again

New Delhi.(Agency)

The rupee plunged to a new record low of Rs 92 against the US dollar, and analysts say this fall is being driven by a mix of foreign outflows, weak global sentiment and limited Reserve Bank of India (RBI) intervention.Dr. V K Vijayakumar of Geojit Investments said the rupee has historically weakened because of India's trade and current account deficits, which caused "a long-term depreciation of the rupee by an average annual rate of around 4%."What is unusual now, he added, is that the currency is sliding "even when the dollar is weakening against other currencies."He pointed out that most emerging market currencies gained in 2025, while the rupee still "depreciated by around 5%."The biggest pressure, according to him, is persistent foreign selling. FPI outflows crossed Rs 18 billion last year and the trend has continued into 2026.With the RBI choosing not to step in aggressively, Dr. Vijayakumar said exporters are delaying bringing in their dollar earnings because they expect the rupee to fall further.

WHAT NEXT FOR RUPEE?

He believes the currency will stay near current levels unless the central bank intervenes, but added that a meaningful turnaround could occur if the delayed US-India trade deal goes through. In that scenario, "the rupee can appreciate to below 90 to the dollar level."Akshat Garg of Choice Wealth described the record-low opening as a sign of rising external pressure rather than domestic weakness.He said the move reflects "persistent dollar strength, elevated US bond yields and continued foreign portfolio outflows," all of which have kept emerging market currencies under stress. Routine month-end demand from importers and hedging activity have added to the slide.

According to him, the RBI has enough firepower to manage volatility but is unlikely to defend any particular level unless markets turn disorderly.He argued that India's macro fundamentals remain solid, supported by stable growth and manageable inflation. In his view, the rupee's decline should be seen as "a phase of global realignment rather than a structural deterioration in India's economic outlook."In short, the rupee's record low reflects global churn, steady foreign outflows and a central bank unwilling to forcefully hold the line.

Indonesia's richest man loses nearly $9 billion in a day. Here's why

The biggest loss was suffered by Prajogo Pangestu, Indonesia's richest person. His net worth fell by around $9 billion after shares of his energy and mining companies dropped sharply.

New Delhi.(Agency)

Indonesia's top business tycoons have seen a sharp fall in their wealth after global index provider MSCI raised concerns over how fairly some Indonesian companies are valued, reported Bloomberg. The warning triggered heavy selling in the stock market and wiped out nearly $22 billion from the combined fortunes of the country's richest individuals.

PRAJOGO PANGESTU HIT THE HARDEST

The biggest loss was suffered by Prajogo Pangestu, Indonesia's richest person. His net worth fell by around $9 billion after shares of his energy and mining companies dropped sharply. His wealth now stands at about $31 billion, according to the Bloomberg Billionaires Index. Overall, his fortune has declined by nearly $15 billion this year.Prajogo owns 71% of energy firm Barito Pacific and 84% of coal and gold miner Petrindo Jaya Kreasi. Shares of both companies fell by more than 12% in a single day.His family office said it is reviewing MSCI's statement and will continue discussions with all relevant parties.

WHAT TRIGGERED THE SELL-OFF

The market reaction followed an MSCI report that questioned Indonesia's shareholder reporting rules. The report said investors believe these rules can lead to unclear ownership structures, which may increase the risk of improper trading.

MSCI also pointed to long-standing concerns about companies where a small group or a single individual controls most of the shares. Such concentrated ownership supports some of the largest fortunes in Indonesia and other parts of Asia.

MARKETS FALL SHARPLY

MSCI said it would pause some planned index changes and warned that further

steps could follow if the issues are not addressed by May. This warning unsettled investors.Indonesia's main stock index, the Jakarta Composite, closed more than 7% lower on Wednesday and fell as much as 10% on Thursday.

Market experts described MSCI's move as a strong signal. If regulators act quickly, confidence could return. If not, investors may continue to see Indonesian stocks as risky.

OTHER BILLIONAIRES ALSO SUFFER LOSSES

Haryanto Tjiptodihardjo lost nearly $3 billion in just two days after shares of his plastics company, Impack Pratama Industri, fell 15%. He controls about 85% of the company.

Other well-known billionaires, including bank owner Michael Hartono and coal miner Low Tuck Kwong, also saw their wealth shrink during the market fall.

LONG-STANDING TRANSPARENCY WORRIES

Indonesian billionaires on the Bloomberg rich list hold company stakes ranging from small percentages to as much as 92.5%. Listed companies in Indonesia are required to keep a minimum free float of just 7.5%.Investors have long urged Indonesia, home to Southeast Asia's largest stock market, to strengthen its reporting rules. Many listed firms are tightly controlled, with only a small number of shares traded openly. This often leads to sudden and hard-to-explain price swings, keeping fears of market manipulation alive.

Are we moving backwards? Supreme Court calls for casteless society in UGC case

During the hearing today, Chief Justice of India Surya Kant announced that the 2012 UGC regulations will remain in force until further orders, effectively pausing the implementation of the new 2026 regulations.

New Delhi.(Agency)

During a hearing on the University Grants Commission (UGC) regulations today, the Supreme Court raised concerns about whether India is regressing in its efforts to achieve a casteless society. "After 75 years, whatever we gained in terms of achieving a casteless society, are we going in a regressive direction?" the court said and emphasised the need to safeguard inclusivity and unity in Indian institutions.

Chief Justice of India (CJI) Surya Kant paused the implementation of the new 2026 rules and announced that the 2012 UGC regulations will remain in force until further orders."We should move towards a casteless society, have mechanisms for those who need protection," the court said and underlined that reforms must ensure safeguards for marginalised groups while promoting equality.

The CJI-led bench addressed constitutional and practical aspects of the regulations.

Highlighting the dangers of replicating systems like the historically segregated schools in the US, the top court said "We should not go to a stage where we have segregated schools, like in the USA, where white kids go to different schools."Emphasising the importance of unity in education, the bench stated repeatedly: "Unity of India must be reflected in our educational institutions."

The Court also engaged with issues arising from internal disparities within reserved communities, observing that even legislators have recognised differences among SC

groups, with some sub-groups enjoying greater advantages than others.

"Even the states and legislators have realised that even in backward communities there are some communities that are enjoying more than others, so they have divided SCs in Group A and Group B," the CJI noted.

The bench flagged concerns about student life and cultural diversity, cautioning against segregated hostels or discriminatory practices.

"Children from the northeast and southern states, when they follow their culture or routine, someone starts commenting on that the measures you are talking about are separate hostels—don't do that for God's sake," the CJI said.

Stressing the connection between campus culture and society at large, the Chief Justice observed, "You cannot have schools, colleges in isolation how will people grow outside campus if we have such an environment inside campus?"The court suggested that the Centre could set up a committee of eminent experts and scholars to examine the regulations and provide guidance.

The matter is expected to return on March 19, with the Solicitor General called upon to provide the government's response.

Pregnant Delhi SWAT Commando Brutally Murdered With Dumbbell By Husband

New Delhi.(Agency)

A 27-year-old SWAT commando of the Delhi Police, who was four months pregnant, died after her husband brutally assaulted her and hit her on the head with a heavy dumbbell.

Kajal Chaudhary was assaulted by her husband Ankur, a clerk in the Ministry of Defence, on January 22 as frequent arguments over financial matters escalated. She was admitted to a hospital with serious head injuries and died during treatment on Tuesday.Chaudhary's brother Nikhil, a constable at the Parliament Street police station said his

sister had called him on the day she was attacked. He said that while he was on the phone with his sister, Ankur began hitting her with the dumbbell. Minutes later, Ankur bluntly informed him of the assault over the phone.

Sahil further alleged that Chaudhary's mother-in-law and two sisters-in-law were constantly subjecting her to dowry harassment. It has also emerged that Ankur had allegedly taken money from Kajal's parents.A murder case has been registered against Ankur, and he has been arrested and sent to judicial custody.Chaudhary was recruited into the Delhi Police in 2022 and was currently posted in the Special Weapons and Tactics (SWAT) team. She married Ankur in 2023, who was posted at Delhi Cantonment, and the couple have a one-and-a-half-year-old son, per the report.

"Hope We Don't Segregate Schools Like US": Supreme Court's Top Quotes On UGC Rules

New Delhi.(Agency)

The Supreme Court on Thursday paused the University Grants Commission's (UGC) new rules after various pleas were filed contending that the Commission adopted a non-inclusionary definition of caste-based discrimination and excluded certain categories from institutional protection. A bench of Chief Justice Surya Kant and Justice Joymalya Bagchi issued notices to the Centre and the UGC on the pleas challenging the regulation.

Then top court suggested that the regulations must be revisited by a high-level committee.

Here are Supreme Court's top quotes during the hearing:

1.The unity of India must be reflected in our educational institutions. In a country after 75 years, is all that we have achieved to become a classless society? Are we becoming a regressive society? We can't go further backwards.

2.The worst thing which is happening with ragging is that children coming from the South or North East - they carry their culture and somebody who is alien to that starts commenting on them.

3.Then you have spoken about separate hostels. For god's sake! There are inter caste marriages also now in our society. And we have also been in hostels where we all stayed together.

4.I hope we don't go to segregated schools like the US, where blacks and whites went to different schools.

5.This kind of situation can be exploited by mischievous elements.

New UGC rules

The new regulations mandating all higher education institutions to form "equity committees" to look into discrimination complaints and promote equity were notified on January 13.

The University Grants Commission (Promotion of Equity in Higher Education Institutions) Regulations, 2026, mandated that these committees must include members of the Other Backward Classes (OBC), the Scheduled Castes (SC), the Scheduled Tribes (ST), persons with disabilities, and women.

Supriya Sule is bhabhi Sunetra's pillar as family mourns Ajit Pawar

New Delhi.(Agency)

Amid a sea of supporters chanting 'Ajit Dada amar rahein' in Baramati, a picture of a fractured family coming together shone. Despite political differences, on stage there was a devastated wife with her sister-in-law, standing guard, shielding her from the sudden limelight. As Sunetra Pawar understandably struggled to control her emotions, her sister-in-law Supriya Sule was there as her pillar. The message was clear, they may belong to different sides of alliances in Maharashtra, but they were a family first.Ajit Pawar died in an aircraft crash on Wednesday along with four others on board, including both pilots. He was heading to Baramati to attend public meetings ahead of the zilla parished elections at the time of the accident. The 67-year-old was the sitting Deputy Chief Minister of Maharashtra along with Eknath Shinde, and his death sent shockwaves across the western state as well as the country. A tragedy in general and a heartbreak for the family.

Supriya Sule quickly took on the role of the protector and was seen on Thursday, supervising all preparations for her cousin Ajit Dada's funeral. The scenes were similar on Wednesday as well, when she was seen accompanying Sunetra Pawar and her sons, Jay and Parth Pawar, to the hospital to identify Ajit Pawar's body. Sunetra walked slowly, clearly shattered by suddenly losing her husband. Supriya put an arm around her nanad, matched her pace in respect, only to break down uncontrollably at the entrance of the hospital.

The image tore apart the political rift in the Pawar family. It was solely about a woman absorbing the harsh reality of the untimely demise of her cousin.

Sule's father, Pawar family patriarch, was also emotional. He rejected Bengal CM Mamata Banerjee's conspiracy claims over Ajit Pawar's death, urging that no politics should be brought into the matter. His message was also clear: no political crack was superior to the family.

His daughter made sure the family's daughter-in-law was not alone in the tragedy. Ajit Pawar broke away from uncle Sharad Pawar's Nationalist Congress Party to align with the BJP in 2023. The Mahayuti alliance lost the Lok Sabha elections to the Mahagathbandhan, featuring Sharad Pawar's NCP. The split led to tension, but not today. Supriya Sule guided Sunetra Pawar, hugged nephew and Ajit Pawar's elder son Parth and kept an assuring hand over the ex-Maharashtra Deputy CM's youngest, Jay, as he sobbed during the last rites.

Delhi government launches new food security rules

New Delhi.(Agency)

The Delhi government has implemented the Delhi Food Security Rules, 2025, following cabinet approval, which was a statutory requirement under Section 40 of the National Food Security Act, 2013.

These rules mandate stringent exclusions in categories like government employees, income-tax payees, owners of multiple four-wheelers (beyond one commercial vehicle), high electricity usage consumers, or property owners in specified areas. The new rules will give preference to "priority households", as defined in the Central law, through district-level scrutiny done by the district magistrate-led panels, which will also include elected representatives.

An official said, "These committees, led by the district or assistant district magistrate, will ensure the most needy are prioritised.

The committee will include MLAs, SDMs, and assistant commissioners."

The government hopes to minimise subsidy leakage through this targeted approach.

Delhi Food and Supplies Minister Manjinder Singh Sirsa said, "These rules move beyond the outdated first-come-first-served mechanism and ensure that the poorest of the poor receive their rightful share."

The rules propose a three-tier, time-bound grievance system, which span the internal fair price shop, district, and state levels. They also propose social audits, public disclosures, and vigilance committees at the shops, circle, district, and state levels. The allocations will be made as per the population projections of the 2011 census, till the current census exercise ends.

Five schools in Delhi receive bomb threats; declared hoax after security sweep

New Delhi.(Agency)

Five schools in the national capital received bomb threats via email on Thursday morning.It was later declared a hoax following sweeping searches by security agencies.

According to the Delhi Fire Services (DFS), a call about the threats was received around 8.30 am, which led to a thorough checking of the premises by multiple security agencies.The DFS confirmed that Loreto Convent in Delhi Cantonment, Don Bosco in Chittaranjan Park, and Carmel Conventcampuses in Anand Niketan and Dwarka have received threats.On the other hand, Sardar Patel Vidyalaya in Lodhi Estate sent out a message to the parents of its students, informing them about the security threat.

Police and fire authorities were immediately informed, triggering evacuation protocols and anti-sabotage checks."Following standard operating procedures, nothing suspicious was found," a DFS officer said, adding that the threat had been declared a hoax.

The Sardar Patel Vidyalaya administration informed parents that a security threat had been received in the morning, and authorities were immediately alerted.

The school said a bomb squad team conducted a thorough inspection of the entire campus."We are relieved to inform you that the premises have been declared completely safe for use. Student safety remains our highest priority, and all necessary protocols were followed promptly and responsibly. Classes will continue as usual today," the message read.

Police sources said local police personnel, bomb disposal squads and dog squads were deployed to sweep the campuses.Students and staff were moved to safe areas in some schools, they added.Further investigation is underway to trace the origin of the threats, police said.

On Wednesday, the Dwarka court complex received a similar bomb threat, which was declared a hoax.

Vague, can be misused: Supreme Court pauses new UGC rules to curb caste bias

New Delhi.(Agency)

The Supreme Court on Thursday paused the implementation of the University Grants Commission's (UGC) new anti-discrimination rules, citing concerns over their vague provisions and potential misuse. Taking note of the non-inclusive definition of caste-based discrimination and excluding certain categories from protection, the court issued a notice to the government and the UGC. The controversial regulations will remain on hold until further notice.The UGC notified the new regulations earlier this month, making it mandatory for all higher education institutions to constitute equity committees to look into complaints of discrimination and to promote inclusion. The rules require the committees to include members from the Other Backwards Classes, Scheduled Castes, Scheduled Tribes, persons with disabilities and women.

The rules exclude general category students from complaining under its grievance redressal mechanism and for this reason, the rules have been legally challenged and have triggered protests by students in several states, with critics alleging the rules could be misused.

A bench of Chief Justice Surya Kant and Joymalya Bagchi noted that intervention in the matter was necessary because the guidelines were "capable of dividing society" and could have a "grave impact". The court said that the 2012 guidelines, which were advisory in nature, shall continue.'

"If we don't intervene it will lead to a dangerous impact, will divide society and will have a grave impact," the Chief Justice said, adding, "Prima facie we say that the language of the regulation is vague and experts need to look into for the language be modulated so that it is not exploited".

Petitioners argued that the regulations are exclusionary, denying institutional protection to those outside the SC, ST, or OBC categories. Counsel for the petitioners argued that such a selective framework encourages hostility against non-reserved categories, rendering the regulations a tool

for division rather than equity. Their counsel emphasised that "all citizens must be protected," citing this as the "very mandate of the Constitution".

Justice Joymalya Bagchi, during the hearing, said the court was keen on ensuring a "free and equitable atmosphere in universities" and flagged concerns over the specific clause defining discrimination. He also questioned why ragging had been omitted from the 2026 Regulations.

Senior advocate Indira Jaising, appearing for the petitioners seeking stronger regulations to curb caste-based discrimination, countered the concerns raised.

She argued that the plea was firmly rooted in the constitutional vision of equality and the need for an inclusive society.The UGC framed these regulations following a 2019 Public Interest Litigation (PIL) in the Supreme Court filed by Radhika Vemula and Abeda Salim Tadvi, the mothers of Rohit Vemula and Payal Tadvi, respectively. Both students died by suicide due to caste-based discrimination faced at their universities. The petition sought a mechanism to end caste discrimination on campuses.

NEWS BOX

Homeland Security Secretary Kristi Noem faces rising calls for her firing or impeachment

WASHINGTON.(Agency)

A groundswell of voices have come to the same conclusion: Kristi Noem must go.

From Democratic Party leaders to the nation's leading advocacy organizations to even the most centrist lawmakers in Congress, the calls are mounting for the Homeland Security secretary to step aside after the shooting deaths in Minneapolis of two people who protested deportation policy. At a defining moment in her tenure, few Republicans are rising to Noem's defense."The country is disgusted by what the Department of Homeland Security has done," top House Democratic Reps. Hakeem Jeffries of New York, Katherine Clark of Massachusetts and Pete Aguilar of California said in a joint statement.

"Kristi Noem should e fired immediately," the Democrats said, "or we will commence impeachment proceedings in the House of Representatives."

Republicans and Democrats call for Noem to step down

What strted as sharp criticism of the Homeland Security secretary, and a longshot move by Democratic lawmakers signing onto impeachment legislation in the Republican-controlled House, has morphed into an inflection point for Noem, who has been the high-profile face of the Trump administration's immigration enforcement regime.

Ilhan Omar slams Trump's 'hateful rhetoric' after attack; suspect had made pro-Trump posts online

KYIV. (Agency)

Democratic U.S. Rep. Ilhan Omar blamed President Donald Trump for threats to her safety on Wednesday, one day after she was accosted and squirted with liquid at an event in Minneapolis.

The man arrested for Tuesday's attack has posted online in support of the Republican president.

"Every time te prsident of the United States has chosen to use hateful rhetoric to talk about me and the community that I represent, my death threats skyrocket," Omar said during a press conference. Asked if she was nervous about appearing in public, she said, "Fear and intimidation doesn't work on me."The attack came during a perilous political moment in Minneapolis, where two people have been fatally shot by federal agents during the White House's aggressive immigration crackdown.

Omar, a refugee from Somalia, has long been a fixture of Trump's anti-immigrant rhetoric.

After she was elected seven years ago, Trump said she should "go back" to her country. He recently described her as "garbage" and said she should be investigated. During a speech in Iowa on Tuesday, shortly before Omar was attacked, he said immigrants need to be proud of the United States — "not like Ilhan Omar."

"It's hard not to see thelink between what happened and the attacks Trump has made against Omar personally, not to mention his siege of her city," said Jeremy Slevin, who worked for years as a spokesperson for Omar before becoming a senior advisor to Sen. Bernie Sanders.

Trump signals interest in easing tensions, but Minneapolis sees little change on the streets

MINNEAPOLIS. (Agency)

US President Donald Trump seemed to signal a willingness to ease tensions in Minneapolis after a second deadly shooting by federal immigration agents, but there was little evidence Wednesday of any significant changes following weeks of harsh rhetoric and clashes with protesters.

The strain was evident when Trump made a leadership change by sending his top border adviser to Minnesota to take charge of the immigration crackdown. That was followed by seemingly conciliatory remarks about the Democratic governor and mayor.Trump said he and Gov. Tim Walz, whom he criticized for weeks, were on "a similar wavelength" following a phone call. After a conversation with Mayor Jacob Frey, the president praised the discussion and declared that "lots of progress is being made."But on city streets, there were few signs of a shift. Immigration enforcement operations and confrontations with activists continued Wednesday in Minneapolis and St. Paul.

A group of protesters blew whistles and pointed out federal officers in a vehicle on a north Minneapolis street. When the officers' vehicle moved, a small convoy of activists followed in their cars for a few blocks until the officers stopped again.

When Associated Press journalists got out of their car to document the encounter, officers with the federal Bureau of Prisons pushed one of them, threatened them with arrest and told them to get back in their car despite the reporters' identifying themselves as journalists. Officers from multiple federal agencies have been involved in the enforcement operations.From their car, the AP journalists saw at least one person being pepper sprayed and one detained, though it was unclear if that person was the target of the operation or a protester. Agents also broke car windows.Attorney General Pam Bondi, who is visiting Minnesota, said 16 people were arrested Wednesday on charges of assaulting, resisting or impeding law enforcement in the state. She said more arrests were expected.

Bangladesh's ousted leader Hasina denounces the upcoming election from her exile in India

Hasina claimed that Yunus- led government deliberately disenfranchised millions of her supporters by excluding her party, the former ruling Awami League from the election.

DHAKA. (Agency)

From her exile in India, Bangladesh's ousted leader Sheikh Hasina has slammed the country's upcoming election after her party was barred from the polls, remarks that could deepen tensions ahead of the pivotal vote next month.Hasina, who was sentenced to death for her crackdown on a student uprising in 2024 that killed hundreds of people and led to the toppling of her 15-year rule, warned in an email to The Associated Press last week that without inclusive and free and fair elections, Bangladesh will face prolonged instability.She also claimed that Bangladesh's interim government led by Nobel Peace Prize laureate Muhammad Yunus deliberately disenfranchised millions of her supporters by excluding her party — the former ruling Awami League — from the election."Each time political participation is denied to a significant portion of the population, it deepens resentment, delegitimizes institutions and creates the conditions for future instability," she wrote."A government born of exclusion cannot unite a divided nation," Hasina added.A fraught electionMore than 127 million people in Bangladesh are eligible to vote in the Feb. 12 election, widely seen as the country's most consequential in decades and the first since Hasina's removal from power after the mass uprising.Yunus' interim administration is overseeing the process, with voters also weighing a proposed constitutional referendum on sweeping political reforms. Campaigning started last week, with rallies in the capital, Dhaka, and

elsewhere.Yunus returned to Bangladesh and took over three days after Hasina fled to India on Aug. 5, 2024, following weeks of violent unrest. He has promised a free and fair election, but critics question whether the process will meet democratic standards and whether it will be genuinely inclusive after the ban on Hasina's Awami League.There are also concerns over security and uncertainty surrounding the referendum, which could bring about major changes to the constitution.Yunus' office said in a statement to the AP that security forces will ensure an orderly election and will not allow anyone to influence the outcome through coercion or violence. International observers and human rights groups have been invited to monitor the process, the statement added.he Election Cmmission says some 500 foreign observers, including from the European Union and the Commonwealth, are expected to watch the polls on Feb. 12.Worries over what's aheadSince Hasina's ouster, Bangladesh has faced a slew of political and security challenges.

Human rights and minority groups have accused the interim authorities of failing to protect civil and political rights. Hasina's party has alleged arbitrary arrests and deaths in custody of its members, claims that the government has denied.Critics havealso voiced alarm over the growing influence of Islamist groups and attacks on minorities, particularly Hindus.There are also growing concerns over press freedoms under Yunus, with several journalists facing criminal charges and the offices of the country's two leading dailies coming under attack by angry protesters.Meanwhile, te Bangladesh Nationalist Party,.

Starmer calls for UK to have a deeper relationship with China during 'challenging times'

The U.K. leader told China's leader Xi Jinping that their countries need to work together on global stability, climate change and other issues.

BEIJING. (Agency)

British Prime Minister Keir Starmer has called for a deeper relationship with China during what he called "challenging times for the world."

The U.K. leader told China's leader Xi Jinping that their countries need to work together on global stability, climate change and other issues.

"I have long been clear that the U.K. and China need a long term, consistent and comprehensive strategic partnership," he said Thursday in Beijing.

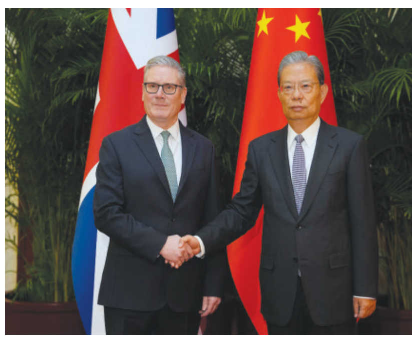

Keir Starmer, the first British prime minister to visit in eight years, was holding talks with China's leader Xi Jinping in the Great Hall of the People in central Beijing. The two countries are expected to sign a number of agreements later in the day.Starmer, who became prime minister in July 2024, is trying to expand opportunities for British companies at a time when the economy at home is slow. More than 50 top business executives have joined him on the trip, along with the leaders of some cultural organizations.The U.K. leader earlier met Zhao Leji, the chairman of China's legislature, the National People's Congress.Relations deteriorated in recent years over growing concern about Chinese spying activity in Great Britain, China's support for Russia in the Ukraine war, and the crackdown on freedoms in Hong Kong, the former British colony that was returned to China in 1997.The disruption to global trade under U.S. President Donald Trump has made expanding trade and investment more imperative for many governments. Starmer is the fourth leader of a U.S. ally to visit Beijing this month, following those of South Korea, Canada and Finland. The German chancellor is expected to visit next month.

Trump troop deployments in US cities cost nearly $500 mn in 2025

DUBAI. (Agency)

President Donald Trump's contentious deployments of troops in multiple US cities cost nearly $500 million in 2025, according to an estimate from the nonpartisan Congressional Budget Office (CBO) published Wednesday.

Trump sent troops onto the streets of Democratic-led cities including Los Angeles and Washington, DC to quell allegedly out-of-control unrest, while court challenges blocked him from doing so in some other locations.

The deployments are set to cost tens of millions more per month this year.

"CBO estimates that those deployments...cost a total of approximately $496 million through the end of December 2025," its director Phillip Swagel wrote in response to a request from a top Democratic lawmaker.

At $223 million, the costliest deployment has been the one in Washington, DC, where there are still more than 2,600 National Guard personnel, followed by Los Angeles at

$193 million, which saw a higher peak number of troops but for a shorter duration.The cost of future deployments is "highly uncertain, mainly because the scale, length, and location of such deployments are difficult to predict accurately," Swagel wrote.If current deployments are continued, "that cost would range from about $6 million a month for 350 personnel in New Orleans, to $28 million a month for 1,500 personnel in Memphis, to $55 million a month" for those in Washington, he added.In addition to domestic deployments, Trump has repeatedly employed military force outside the United States since returning to office for a second term a year ago.In the Middle East, he ordered an air campaign against Yemen's Huthi rebels and strikes on Iranian nuclear sites.

Closer to home, US forces have targeted alleged drug-smuggling vessels off South America and seized the leader of Venezuela and his wife.

Very disappointed: US Treasury Secretary Scott Bessent on India-EU trade deal

WASHINGTON. (Agency)

Following the India–EU free trade agreement, the United States described Europe as "very disappointing," saying EU nations refused to join Washington in imposing tariffs on New Delhi over its purchases of Russian oil because of the trade deal.

"They should do what's best for themselves, but I find the Europeans very disappointing, especially since they are on the front line of the Ukraine-Russia war," US Treasury Secretary Scott Bessent said in an interview with CNBC's Squawk on the Street on Wednesday. "Every time you hear a European talk about the importance of the Ukrainian people, remember that they put trade ahead of the Ukrainian people."Bessent alleged that while India increased purchases of discounted Russian crude, Europe ended up buying refined products made from that oil. "The Europeans have been funding the war against themselves, something you couldn't have made up," he said.The US had imposed a 25 per cent tariff on India over its Russian oil imports, but Europe declined to follow suit, Bessent said. He argued that EU's position was influenced by its pursuit of a trade deal with New Delhi. "They want cheap energy," he said, adding that the US could also access cheaper energy if it chose to buy sanctioned Russian oil.

Bessent's comments were the second remarks in as many days by the Trump administration on the trade deal between India and the EU, dubbed as the "mother of all deals.On Tuesday, US Trade Representative Jamieson Greer said India had emerged as the bigger winner from the pact. "India comes out on top. They get more market access into Europe," Greer told Fox Business, pointing to India's low-cost labour advantage and possible provisions on mobility for Indian workers.Greer said the EU was "doubling down on globalisation" at a time when the US is trying to correct what it sees as its downsides.He added that Europe, heavily dependent on trade, is seeking alternative markets as the US prioritises domestic production and charges higher costs for access to its market.India and the European Union finalised the sweeping FTA in New Delhi earlier this week, as Prime Minister Narendra Modi hosted European Commission President Ursula von der Leyen and European Council President Antonio Costa amid strained transatlantic ties.The agreement creates a combined market of nearly two billion people and covers close to a quarter of global GDP. It will eliminate tariffs on 99 per cent of Indian exports to the EU and reduce duties on over 97 per cent of EU exports to India.

Sarah Mullally confirmed as archbishop of Canterbury, first woman to lead the Church of England

world. (Agency)

Sarah Mullally walked into St. Paul's Cathedral on Wednesday morning as the bishop of London. When she walked out in the afternoon as bells rang out, she was the spiritual leader of millions of Anglicans around the world.Mullally, 63, became the archbishop of Canterbury, making her the first woman to lead the Church of England. The worldwide Anglican Communion, which includes the Episcopal Church in the U.S., has no formal head, but the archbishop traditionally has been seen as its spiritual leader.As the choir sang an anthem by Edward Elgar, the cancer nurse turned cleric officially took up the responsibilities of her new job as bewigged judges presided over a legal ceremony confirming her appointment, which was announced almost four months ago.As the lengthy process came to a close and her election was confirmed, Mullally stood and faced the congregation to loud applause.

We welcome you," the bishops surrounding her shouted in unison.The so-called Confirmation of Election service marks a major milestone for the Church of England, which ordained its first female priests in 1994 and its first female bishop in 2015. The church traces its roots to the 16th century when the English church broke away from the Roman Catholic Church during the reign of King Henry VIII.George Gross, an expert on theology and the monarchy at King's College London, highlighted the church's continuing divergence from the Catholic Church, which forbids women from being ordained as priests, much less as serving as the religion's global spiritual leader.

"It is a big contrast," Grosssaid. "And in terms of the position of women in society, this is a big statement."

But Mullally's appointment may deepen rifts within the Anglican Communion, whose 100 million members in 165 countries are deeply divided over issues such as the role of women and the treatment of LGBTQ people.She will also have to confront concerns that the Church of England hasn't

done enough to stamp out the sexual abuse scandals that have dogged it for more than a decade.Gafcon, a global organization of conservative Anglicans, says Mullally's appointment is divisive because a majority of the Anglican Communion still believes only men should be bishops.

Rwandan Archbishop Laure Mbanda, chairman of the Gafcon council of senior bishops, known as primates, also criticized Mullally's support for the blessing of same-sex marriages."Since the newly appointed archbishop of Canterbury has failed to guard the faith and is complicit in introducing practices and beliefs that violate both the 'plain and canonical sense' of Scripture and 'the Church's historic and consensual' interpretation of it, she cannot provide leadership to the Anglican Communion," Mbanda said in October.

As part of the ceremony, a cleric announced that no one had raised legitimate opposition to Mullally's confirmation. A heckler began shouting and was escorted from the cathedral.

The bishops declared that no objection had been made in a timely way and Mullally took her oath of allegiance to the British crown and the church.Mullally replaces former Archbishop Justin Welby, who announced his resignation in November 2024, after he was criticized for failing to tell police about allegations of physical and sexual abuse by a volunteer at a church-affiliated summer camp.

NEWS BOX

Kuldeep Yadav Lite: Meet Murali, teenage spinner shaped by YouTube and ambition

NEW DELHI. (Agency)

If you squinted through the Visakhapatnam haze on Tuesday afternoon, you'd have sworn India's premier wrist-spinner had skipped his day off. The approach was identical, the rhythmic, slow-gathering stride, the slight tilt of the head, and that unmistakable, whippy release of the left arm. But Kuldeep Yadav wasn't at the ACA-VDCA Stadium. He was resting. Only eight out of 15 came to India's optional training session in the city on the eve of their fourth T20I against New Zealand.Instead, it was 19-year-old Ronanki Murali, a human mirror-image from Srikakulam, who was busy making Shreyas Iyer second-guess his footwork. In a sport of billions, Murali has managed the impossible: he has reverse-engineered a world-class craft, one YouTube video at a time.On Tuesday, Murali's stint began under the harsh afternoon sun as he bowled to New Zealand's Michael Bracewell. Part of a group of net bowlers organised by the Andhra Cricket

Association, Murali was trying to make the most of a rare opportunity — bowling to established international stars during New Zealand's optional training session.He then stayed back for India's practice, which began at around 5 pm IST. What followed was a non-stop grind. Murali stationed himself on the pitch where Shreyas Iyer embarked on a marathon session, batting for nearly 90 minutes. The left-arm wrist-spinner bowled, bowled and bowled to the Punjab Kings captain. Iyer largely dominated him, sending balls soaring into the stands. Yet, between those towering hits came fleeting moments of satisfaction for Murali — small victories whenever he planted a seed of doubt in the star batter's mind.For those watching from afar, Murali appeared a carbon copy of Kuldeep Yadav. Shorter than the India bowler and with far less experience at this level, the Srikakulam spinner nevertheless bowled with as much heart as anyone else in a nets session that also featured the likes of Varun Chakravarthy and Ravi Bishnoi.

Rohit Sharma points out India's biggest challenge going into the T20 World Cup

Former India captain Rohit Sharma has pointed out India's biggest challenge going into the T20 World Cup. Rohit has said that India need to get their combinations right in the tournament.

MELBOURNE(Agency)

India go into the T20 World Cup 2026 as favourites to win the tournament. The world No.1 T20I side has been in rampaging form over the past year and is expected to race into the semi-finals of the competition. However, former India captain Rohit Sharma has pointed out that the path may not be as straightforward as it appears.Speaking ahead of the tournament, Rohit explained what he believes will be India's biggest challenge. According to him, the team management will be torn between playing two specialist spinners in Kuldeep Yadav and Varun Chakravarthy, or sticking with Varun alone through the tournament.India have leaned heavily on their spin attack over the last year, with Varun Chakravarthy, Kuldeep Yadav and Axar Patel dominating opposition line-ups. Rohit, however, pointed out that the tournament's timing — during the transition from winter to spring — will bring heavy dew into play during evening matches."The biggest challenge for captain Suryakumar Yadav and coach Gautam Gambhir will be how to play both Kuldeep Yadav and Varun Chakravarthy together. If you want that combination, you can only do it if you play with two seamers, which is a big challenge," Rohit Sharma said on Hotstar ahead of the World Cup.Despite the concerns, the T20 World Cup-winning captain admitted that he would be tempted to play both specialist spinners in the XI.Dew Will Heavily Affect T20 World Cup: Rohit Sharma

Playing three spinners would put India in a difficult position in terms of balance. If Axar, Kuldeep and Varun all feature, India would be forced to sacrifice Arshdeep Singh. In that scenario, India would operate with one specialist seamer in Jasprit Bumrah, along with two pace-bowling all-rounders in Shivam Dube and Hardik Pandya.

Rohit said it would not be an easy call for Suryakumar Yadav and Gambhir to settle on a fixed playing XI, as leaving out any player would mean dropping one of the best in the world."Looking at conditions in India, like in this New Zealand series, there is a lot of dew. In February and March, dew will be heavy across most parts as winter ends. Even in Mumbai, which doesn't get cold, there's still dew. I'd say 90-95% of grounds in India have dew. That's the challenge," Rohit said.What do the coach and captain think? Are they comfortable with three spinners? Then they can play spin, but there's no fixed rule. You have to drop a pacer, which may not be right. It depends on the thinking of the team leadership," he concluded.

India begin their T20 World Cup campaign on February 7 against the USA. They will play group-stage matches in Mumbai, Delhi, Colombo and Ahmedabad.

UCL: Lamine Yamal praises resilient Barcelona as team finishes top 5 in league phase

MELBOURNE. (Agency)

FC Barcelona's starboy Lamine Yamal was elated with the team's win against Copenhagen in the Champions League on Wednesday, January 28. Barcelona overturned a 0-1 deficit in the second half to win the match 4-1, securing a place in the top five of the league phase.The result ensured Barcelona's direct entry into the main draw of the next round, allowing them to avoid the playoffs. Speaking after the match, Yamal praised the character shown by the team and said the new Champions League format suited players, as it reduced the number of matches in an already crowded season."We all came here tonight thinking about getting into the top eight. We're very happy with the win," the 18-year-old told Movistar Plus."When you concede a goal in the Champions League, it's very difficult to come back, but the team was very resilient and managed to turn it around. With the number of matches we play in a season, having two fewer matches leaves you feeling much better."Barcelona vs Copenhagen: HighlightsDespite the convincing scoreline, Barcelona were made to work hard after a frustrating first half in which Copenhagen stunned the hosts with an early lead.The visitors silenced the home crowd when Dadason broke free of Barcelona's high defensive line, latching on to a defence splitting pass from Mohamed Elyounoussi before

drilling a low finish past goalkeeper Garcia.The goal visibly unsettled Barcelona, who struggled to find rhythm before the break. Raphinha and Robert Lewandowski both wasted chances to equalise, while Eric Garcia came closest in the 33rd minute, his powerful effort striking the crossbar.Barcelona emerged with far greater purpose after the interval and levelled the contest within three minutes of the restart. Lamine Yamal led a swift counter-attack, gliding past multiple Copenhagen defenders before squaring the ball for Lewandowski, who tapped into an unguarded net.The equaliser shifted the momentum decisively. Barcelona increased the tempo and pinned Copenhagen deep inside their own half, eventually taking the lead on the hour mark. Yamal struck from inside the area, his shot taking a deflection that looped over goalkeeper Diant Ramaj Kotarski and dropped into the far corner.Raphinha extended the advantage from the penalty spot in the 69th minute after Lewandowski was brought down while attempting a shot, and substitute Marcus Rashford later put the result beyond doubt with a composed finish.While Barcelona's second-half response was ruthless, defensive concerns linger. The Catalans completed the league phase without a clean sheet and finished with the weakest defensive record among the top 13 teams.

Abhishek Sharma and the T20 World Cup risk: Ajinkya Rahane warns India batters

NEW DELHI. (Agency)

India veteran batter Ajinkya Rahane believes Abhishek Sharma's high-risk approach at the top could ultimately help India prepare better for the T20 World Cup by reducing over-dependence on the opener. His comments came after India's 50-run defeat to New Zealand in the Vizag T20I, despite the hosts already sealing the series.Abhishek's golden duck in Vizag, while chasing a steep target of 216, brought India's batting depth under the scanner on a day when the opener failed to deliver his usual explosive start. With the rest of the top order also struggling, questions were raised about how the batting unit copes when Abhishek's high-impact approach does not come off. Speaking on CricBuzz, Rahane explained that such outcomes are an inevitable part of playing fearless cricket at the top.With Abhishek Sharma, this is going to happen. He

plays a high-risk game. When it comes off, he'll be a match-winner—we all know that. But there will be times when he gets out for zero, even first ball. That can happen in a World Cup. I thought the Indian batting today wasn't dependent on Abhishek Sharma alone. Collectively, they were very good. They played with seven batters, and you could clearly see the difference that having seven instead of eight makes in a side."Abhishek's dismissal came off the very first ball of the chase, as he attempted to launch Matt Henry into the stands, only to edge the ball to Devon Conway at deep point. What followed was a collapse at the top, with Suryakumar Yadav and Sanju Samson also falling cheaply while chasing 216.India's batting display in Vizag T20I

Despite the Vizag setback, Abhishek's overall series has been outstanding. He remains the third-highest run-scorer with 152 runs from four matches, averaging 50.66 at a staggering strike rate of 266.66. His 14-ball fifty in the Raipur T20I — the second-fastest by an Indian — underlined his ability to decide games inside the powerplay.

Sophie Molineux announced Alyssa Healy's heir as Australia's all-format captain

☛Sophie Molineux has been named Alyssa Healy's successor as Australia's all-format captain. The left-arm spinner will begin her leadership stint in the T20Is against India ahead of the World Cup.

New Delhi. (Agency)

IAustralia have confirmed Sophie Molineux as Alyssa Healy's long-term successor across all three formats, marking a major leadership transition in the women's setup. The left-arm spinner will officially begin her captaincy tenure in the T20I leg of the upcoming home multi-format series against India, with Healy set to bow out later in the summer.The announcement follows Healy's decision earlier this month to retire from international cricket after the India series. With the T20 World Cup just months away, Australia have moved quickly to install a new leader. Speaking after being named captain, Molineux acknowledged the responsibility that comes with replacing one of the most influential figures in the game."It's a real honour to be named Australian captain and something I'm incredibly proud of, especially following on from Alyssa, who's had such a huge impact on this team and the game," Molineux said."I'm incredibly grateful for the trust that's been shown in me, and I'm excited to grow alongside this group of players and see what we can achieve together with Tahlia, Ash and the rest of the team," she added.Molineux has been promoted ahead of vice-captain Tahlia McGrath, who will retain her role, while Ashleigh Gardner has been elevated as a second vice-captain. The move strengthens Australia's leadership core as the team prepares for a post-Healy era and a packed international calendar.

Why not Tahlia McGrath?

McGrath's omission from the top role has raised eyebrows, especially given her strong record as stand-in captain. However, selectors appear to have weighed recent on-field form alongside leadership credentials. McGrath endured a difficult ODI World Cup and followed it with a modest WBBL campaign, factors that may have worked against her despite her impressive captaincy record across formats.

Tyson Fury un-retires again: Gypsy King back for Netflix clash vs Makhmudov

NEW DELHI. (Agency)

Former heavyweight world champion Tyson Fury has once again reversed a retirement decision, confirming his return to the ring for a high-profile clash against Arslanbek Makhmudov in April. The fight will mark Fury's comeback just weeks after he publicly declared that he was stepping back into boxing.The 37-year-old Briton is scheduled to face the Canada-based Russian heavyweight on April 11 in the United Kingdom, with the venue still to be finalised. The bout will be streamed globally on Netflix, adding another layer of intrigue to Fury's latest return.

Announcing the fight, Fury made it clear that his bond with the sport remains as strong as ever.Excited to be back. Heart's always been and always will be in boxing. Someone go tell the king that the ace is back," Fury said.Tyson Fury's retirement saga

The bout will be Fury's first since his December 2024 defeat to Oleksandr Usyk, which followed another loss to the Ukrainian earlier that year. Those back-to-back setbacks prompted Fury to announce his retirement for a second time, after a similar decision in 2022 that he later reversed. True to pattern, the lure of the ring proved irresistible, with Fury confirming another comeback earlier this month.Awaiting him is Arslanbek Makhmudov, a powerful heavyweight who has been building momentum. The Russian-born, Canada-based boxer boosted his standing in his last outing by dominating Britain's Dave Allen, underlining his reputation as a dangerous opponent."I am thrilled about the opportunity," Makhmudov said.

"I'm coming to deliver a war. Tyson Fury has been a big champion. I will be more ready than ever to leave with a massive W."

ICC suspends USA batter on corruption charges right ahead of T20 World Cup

USA batter and former captain Aaron Jones has been suspended after facing match-fixing charges. The ICC says the case is part of a wider investigation, putting Jones' T20 World Cup future in doubt.USA cricket's World Cup preparations.

New Delhi. (Agency)

USA batter and former captain Aaron Jones has been provisionally suspended from all cricket after being charged with multiple breaches of anti-corruption rules by the International Cricket Council. The charges relate mainly to alleged match-fixing and a failure to cooperate with investigators, dealing a serious blow to USA cricket.

Jones has been charged with five offences under the anti-corruption codes of the ICC and Cricket West Indies. Most of the allegations are linked to the Bim10 tournament in the 2023–24 season, which comes under CWI jurisdiction. Two other charges relate to international matches governed by the ICC Code. In an official release, the ICC confirmed that Jones has been suspended with immediate effect."These charges are part of a wider investigation which is likely to result in further charges being issued against other participants in due course," the ICC said.

"Jones has been provisionally suspended from all cricket with immediate effect and has 14 days from 28 January 2026 to respond to the charges."According to the ICC, Jones is accused of attempting to fix or improperly influence matches, failing to report approaches that breached anti-corruption rules, refusing to cooperate with investigators, and obstructing the investigation by concealing or tampering

with information. Three of the charges fall under the CWI Anti-Corruption Code, while two relate to breaches of the ICC Code.The 31-year-old was recently part of a group of 18 USA players training in Sri Lanka as part of preparations for the 2026 T20 World Cup. With the suspension now in place, Jones is not eligible for selection, and the USA are yet to announce their final squad for the tournament.A major setback for USA cricket

The development is a significant setback for USA cricket, given Jones' importance to the team in recent years. He served as USA captain during the 2024 T20 World Cup, which was jointly hosted by the United States and the Caribbean islands, and was central to some of the team's most memorable performances.

Jones made his international debut in 2019 and has since played 52 ODIs and 48 T20Is for the USA. At the 2024 T20 World Cup, he produced a match-winning 94 off 40 balls against Canada and followed it up with an unbeaten 36 off 26 balls in the famous victory over Pakistan, innings that brought him global attention.

Away from international cricket, Jones has featured in several franchise leagues, including the CPL, MLC and BPL. However, he has not represented the USA at international level since April 2025.

Mrunal Thakur

And Dulquer Salmaan Reuniting For Sita Ramam 2? Viral Photo Sparks Buzz

Mrunal Thakur and Dulquer Salmaan have taken social media by storm after a recent picture of the duo went viral, reigniting conversations about Sita Ramam 2 or a potential new collaboration. The photo instantly went viral among fans who fondly remember their on-screen chemistry in the 2022 romantic drama Sita Ramam.A fan shared the photo which shows Mrunal Thakur and Dulquer Salmaan standing under an umbrella. They are smiling looking at each other. In no time it went viral with fans guessing that the actors are reuniting for the sequel. But there is no confirmation about this. This may be for a new film but we still have to wait for the official confirmation.

Mrunal Thakur's work front

The actress will be next seen with Siddhant Chaturvedi in Do Deewane Seher Mein. Directed by Ravi Udyawar, Do Deewane Seher Mein aims to move away from idealised portrayals of romance, instead focusing on emotional vulnerability, uncertainty, and the quiet chaos that defines real relationships. The teaser, anchored by its soulful title track, hints at a narrative driven more by feeling than spectacle. It is slated to release theatrically on February 20, 2026. With its grounded emotional tone, nostalgic music, and a lead pair whose chemistry feels instinctive rather than manufactured, Do Deewane Seher Mein is shaping up to be one of the most closely watched romantic releases of the year.

She will be also seen with Varun Dhawan in Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai. The film was earlier scheduled to release on April 10, 2026. The makers had made the announcement in May earlier this year, which read: "Double the trouble, triple the fun! Jab…'Hai Jawani toh Ishq Hona Hai' hits cinemas on 10th April 2026." Touted to be a blend of a lighthearted narrative with romantic elements, "Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai" reportedly shares a tale of a guy who was rejected by several women, but ends up getting help from God.

Dulquer Salmaan's work

The actor has many films lined up in his kitty. He was last seen in Kaantha. Recently, he also announced lead actress for the film Aakasamlo Oka Tara. Geetha Arts, which is one of the firms presenting the film, took to its Instagram page to share the introduction video of the actress. It wrote, "She carries a dream bigger than the sky…. Introducing Satvika Veeravalli – The dreamer who gives wings to #AakasamLoOkaTara #AOTMovie." The introduction video begins with a child, pointing to the sky and asking "How do I go to space?" Viewers are then given a glimpse of the heroine.The introduction video shows Satvika Veeravalli as a youngster from the rural parts who is dissuaded from pursuing her dream of going to space.

Orry To Reveal REAL Reason Behind Sara Ali Khan Feud, Reacts To Fan Saying 'Amrita Aunty Is Angry'

Orhan Awatramani, better known as Orry, has never shied away from speaking his mind, and this time, he's ready to open up about his very public fallout with Amrita Singh, Ibrahim Ali Khan and Sara Ali Khan. After taking multiple digs at Sara and talking about how Amrita "traumatised" him, Orry is ready to reveal what really went wrong among them.Orry recently took a dig at Sara Ali Khan's career in the comments section of his latest post. When someone else commented, "Amrita aunty is very angry," he responded, "Put a glass of ice water on her head." Another person asked, "Babes, when are you spilling the tea on the drama with Sara?" He wrote, "Soon."

For the unversed, Orry recently posted an Instagram Reel flaunting his t-shirt with a bra printed on it. Someone in the comments asked, "Genuine Question: what exactly is that bra holding together? " Orry not only pinned the comment but also replied, "Sara Ali Khan's hits." Someone added, "Orry, I hope she's laughing too." He responded, "At her career? She must be."This came days after Orry posted an Instagram Reel taking a jab at 'Sara', 'Amrita', and 'Paalak'. Many believed that he was taking a dig at Sara Ali Khan, Amrita Singh and Palak Tiwari. Interestingly, the initial Reel in which Orry mentioned the three women's names has been removed from his account after it went viral. Sara Ali Khan has yet to respond to the digs.Meanwhile, in a recent chat with Hindustan Times, Orry spoke about distancing himself from both siblings. Explaining his decision, he said, "I unfollowed Sara a while ago, and I haven't followed Ibrahim in years." He added, "Pretending to be friends with Sara means pretending to be ok with the trauma her mother put me through, and I just don't think I can do that anymore."

While Orry chose not to elaborate on what he described as "trauma," he made it clear that the issue runs deeper than online spats or unfollows. According to him, there is only one way the situation could potentially be resolved. "If Amrita Singh were to apologise, I could maybe see myself letting it go in the future," he said.

'Main Hoon Na': Arjun Bijlani Reacts As Wife Thanks Him For Emotional Support After Her Father's Death

Arjun Bijlani supported Neha Swami after her father Sri Rakesh Chandra Swami passed away. Neha expressed gratitude on Instagram.

Popular television actor Arjun Bijlani decided to reply in a perfect Shah Rukh Khan style as his better half, Neha Swami, expressed her gratitude to him for being her constant pillar of support through various ups and downs of life.Neha took to her official Instagram handle and published a few stills with the 'Naagin' actor.Neha admitted that she is lucky to have someone like Arjun in her life, who became her strength during the most challenging phase of her life, the recent passing of her father.

She wrote on the photo-sharing app, "I am truly blessed to have you in my life. During the most difficult phase of my life, you became my strength. You stood by me, took care of me, and never left me alone. On days when I sat quietly with my pain, you made me laugh and reminded me to smile again. (sic)"

Thanking Arjun for all the love and patience he has shown, she added, "I am forever grateful for your love, patience, and care. I am very lucky to have a husband like you. Thank you for being my everything. (red heart emoji) @arjunbijlani."

The 'Laughter Chefs' contestant decided to react to the post in a totally filmy way."MAIN HOON NA (red heart emoji)", Arjun shared in the comment section.

For the unversed, Arjun and Neha were in Dubai with their son Ayaan to ring in the New Year when they had to rush back after Neha's father's health deteriorated.

However, he passed away on January 1 at the age of 73 following a brief but critical battle in the ICU.

Earlier, Arjun used social media to pay a heartfelt tribute to his late father-in-law, promising to always take care of his better half, Neha, and son Ayaan."Aap ki batein aur seek hamesha hamare saath Rahengi ..!! Neha aur Ayaan ka poora Dhyaan rakhoonga chinta mat karna ..!! Love u always !! Sri Rakesh Chandra Swami !! 1956 – 2026 . !! #omshanti," he shared.

Hina Khan

Is Doing All The Touristy Things In Instanbul And We Are Making Notes

Bollywood actress and TV personality Hina Khan recently gave fans a taste of her vacation in Istanbul, Turkey, where she was seen dining at the famous Seven Hills terrace restaurant, located in the Sultanahmet neighbourhood.The actress, now on holiday with her mother and husband Rocky Jaiswal, posted pictures from the trip on social media, appreciating the local food and hospitality and describing it as a wonderful experience.

Hina shared glimpses of her dining experience at the iconic restaurant on her Instagram Stories, where she can be seen candidly posing with a falcon. Other stories show Hina sitting with a vast range of breakfast platters in front of her.

Hina Khan Highlights Turkish Breakfast and Local Delights

Beyond tourist attractions and breathtaking views, Hina made sure to savour Turkey's famous breakfast culture, which she called "unmissable" for any traveller visiting the city. Her images, which included ornate platters full of cheeses, olives, fresh breads, jams and tea, enhanced the destination's allure for her millions of followers.

In her Instagram posts, she highlighted the "view, food, hospitality, and warmth" of the neighbourhood restaurants and urged her followers to make the most of these encounters. The lavish breakfast tables included simit (sesame-crusted bread rings), a variety of cheeses, olives, fresh salads, honey with clotted cream, and robust tulip-shaped cups of tea (significant Turkish mainstays).

A waffle with sliced bananas, chocolate chips, crushed pistachios, and different coloured candies on top was also visible. The tastes were further enhanced by adding a chocolate sauce drizzle and a dusting of powdered sugar. A chocolate-topped cake slice was another delicious item on a different plate in the backdrop.

"When in Istanbul, never miss exploring the amazing Turkish breakfast joints. Their view, food, hospitality and warmth is so special and heart-touching. It's simply unmissable and once you experience it. It's unforgettable! Loved it," Hina captioned her post.